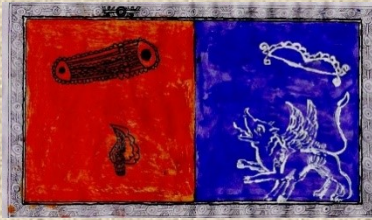


ISSN 2229-547X VIDEHA

विददः ९७७ ग गंक ५ गङ्गादव ९९९ (वय ५ मास ११ गंक  
९७७)

(विदद [www.videha.co.in](http://www.videha.co.in) )

विदद गोबिली सादिय गङ्गातनः मानवीगिद संयुतास



विदद- यवग गोबिली दाङ्गित क-दाङ्गित

गङ्गादवः गङ्गाद गङ्गाद



ये धार्मिक सर्वाधिकार सुरक्षित राखा कंयीबालुट (©) धारकक लिखित अनुमतिब बिना धार्मिक काना रचित याया बात राबे बर्किङ्ग मन्दिर कृतस्त्ानिक भववा याचितक, काना मान्यमार्ग, भववा कनक संगदरा वा पुनरुपयोगक यत्नाली द्वारा काना कयम पुनरुपस्थापन भववा संगारन-बसाबरा नै करल छ मन्दिर राखा

(c) ९७ ९९९ सर्वाधिकार सुरक्षित। तालसाबिक गाब छ सन ९७ में याद्वारागुछयब बल [http://www.geocities.com/.../bhalsarik\\_gachh.html](http://www.geocities.com/.../bhalsarik_gachh.html), <http://www.geocities.com/ggajendra> गाँद लिंकयब या गूगल ७ जुलाई ९७ के दाख <http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> कब कयम कृतस्त्वनत्यब गोबिलीक याचीनतम उपायितक कयम विद्यमान राब (विद्यु दिन लल <http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> लिंकयब यात wayback machine of [https://web.archive.org/web/\\*videha](https://web.archive.org/web/*videha) 258 capture(s) from 2004 to 2016-<http://videha.com/> तालसाबिक गाब-बबम गोबिली ड्रांग / गोबिली ड्रांगक राणीबलब)। क गोबिलीक बादल कृतस्त्वनत्य यातक बिब छकब नाम बादम जनवरी ९७ में विदद बडला कृतस्त्वनत्यब गोबिलीक बबम उपायितक याता विदद- बबम गोबिली याचितक क यातक धाँब यदयल राब, छ <http://www.videha.co.in/> यब क यकांतिब दाखत राब। गाब “तालसाबिक गाब” छलवुम विदद क यातकक यवताक संग गोबिली नायाक छलवुमक राणीबलबक कयम ययता तः बदल राब।

(c) ९७ ९९९ विददः बबम गोबिली याचितक क यातक ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004). मस्थादकः गजुद गादबा Editor: Gajendra Thakur. In respect of materials e-published in Videha, the Editor, Videha holds the right to create the web archives/ theme-based web archives, right to translate/ transliterate those archives and create translated/ transliterated web-archives; and the right to e-publish/ print-publish all these archives. बयनाकब/ संगदकन्ता ययन गोतक या ययकांतिब बयना/ संगद (संयत) उमबदायिब बयनाकब/ संगदकन्ता मन्त्र) [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) क मल मन्त्रमन्त्रक कयम यता मन्दिर राब, संगम या ययन मोडिब याबयय या ययन येन करल ताल बाला मन्त्र यगाववा। मतः यकांतिब बयना/ संगद मतक कंयीबालुट बयनाकब/ संगदकन्ताक लगम बलि या छतः बयनाकब/ संगदकन्ताक नाम नै राब ततः क संयादकधीन राब। मस्थादकः विदद क यकांतिब बयनाक वव-गादलब/ बीम-गाधीन वव-गादलबक निमालक अधिकार, ये मत गादलबक अनुवाद या लिखितबरा या तबका वव-गादलबक निमालक अधिकार; या ये मत गादलबक क यकांतिब/ विद्य-यकांतिब अधिकार बलिब राब। ये मत लल काना बांयशी/ याबिहसिकक यावधान नै ब, स बांयशी/ याबिहसिकक कृतक बयनाकब/ संगदकन्ता विददरा नै छडवा विदद क

वीहका गास व दण र्गक निवलेत गीय छ गासक ज्मा ५ तिथिब [www.videha.co.in](http://www.videha.co.in) दन  
क यवर्गत नगल अल्लत गीय।

Videha e-Journal: Issue No. 356 at [www.videha.co.in](http://www.videha.co.in)





समानाश्रय

दयशबाक

विद्यायात- पितृ विद्वद् सगानसं सगानित त्री दनदलाल मणुल  
बाना

मोदिली ताया ऊगङ्गाननी सीतायाः ताया गामीता दनमसः  
उक्तवान- मानयीमिद संश्रुतामा

शुद्धव दमा (यादव दाक)

तिदयन दमादि काणि तम विमिबाल दमबल्ल शुद्धव दमावम  
ऊऊ मश्र वीत्र न दल्ल (कीतिलता दवमः दल्लवः ददिल दादा)

मान शास्त्र कयी ताम्र निमात्र कऽ शास्त्रयव (गद्य-पद्य कयी)  
मंय ऊं ने वाङ्मल जय तं यो तितुवनकयी उत्तम शास्त्र कीर्तिकयी  
लक्ष्मी कना दयवता

## ग्रन्थक्रम

यो ग्रन्थक्रम ग्रन्थः -

१. आरम्भ शास्त्र- नूतन ग्रन्थ सम्पादकीय

२. विद्वत् कृ- लक्ष्मी

३. ग्रन्थ १७७ यव लिख्यता

४. गद्य लक्ष्मी

५. काव्यलक्ष्मी वाङ्मल ७ द्वा कथा- कथा-१ उत्तम  
सम्पादकीय समीक्ष गद्यलक्ष्मी सम्पादकीय दूत यव

६. काव्यलक्ष्मी वाङ्मल ७ द्वा कथा- कथा-२ उत्तम  
सम्पादकीय समीक्ष गद्यलक्ष्मी सम्पादकीय दूत यव

୧.୧.କାୟିକସ୍ତବ ଗାଉତମ ଓ ହା କାବୀ- କାବୀ-୧ ଉଚ୍ଚସ୍ତବ  
ମହାଦେବୀୟ ମମୀକ୍ତ ଗୁଣକୀୟ ମହାଦେବୀୟ ସୁନ୍ନ ସବ

୧.୨.କାୟିକସ୍ତବ ଗାଉତମ ଓ ହା କାବୀ- କାବୀ-୨ ଉଚ୍ଚସ୍ତବ  
ମହାଦେବୀୟ ମମୀକ୍ତ ଗୁଣକୀୟ ମହାଦେବୀୟ ସୁନ୍ନ ସବ

୧.୩.କାୟିକସ୍ତବ ଗାଉତମ ଓ ହା କାବୀ- କାବୀ-୩ ଉଚ୍ଚସ୍ତବ  
ମହାଦେବୀୟ ମମୀକ୍ତ ଗୁଣକୀୟ ମହାଦେବୀୟ ସୁନ୍ନ ସବ

୧.୪.କାୟିକସ୍ତବ ଗାଉତମ ଓ ହା କାବୀ- କାବୀ-୪ ଉଚ୍ଚସ୍ତବ

୧.୫.କାୟିକସ୍ତବ ଗାଉତମ ଓ ହା କାବୀ- କାବୀ-୫ ଉଚ୍ଚସ୍ତବ

୧.୬.କାୟିକସ୍ତବ ଗାଉତମ ଓ ହା କାବୀ- କାବୀ-୬ ଉଚ୍ଚସ୍ତବ

୧.୭.କାୟିକସ୍ତବ ଗାଉତମ ଓ ହା କାବୀ- କାବୀ-୭ ଉଚ୍ଚସ୍ତବ

୧.୮.କାୟିକସ୍ତବ ଗାଉତମ ଓ ହା କାବୀ- କାବୀ-୮ ଉଚ୍ଚସ୍ତବ

୧.୬୬. ବିଦିନ କୁମାର ଶା- ମହାକାବି ନାମ ସଂଗ୍ରହ କବିତାବଳୀ  
ମାଧବୀ ଗୁଣବାଦ (ନାମ-୬)

୧.୬୭. ବଦୀନ ନାବାୟା ମିତ୍ର- ମାତୃତାମି (ଉପନ୍ୟାସ)- ୭ମ ଶ୍ରେଣୀ

୧.୬୮. ଡ଼ାଁ ଜ୍ୟୋତିରା ବମା- ଯୁଗାନ ଲିପିବଦ୍ଧ ବଦ୍ଧ (ଗଦ୍ୟା  
ସଂଗ୍ରହ)

୧.୬୯. ଡ଼ାଁ ଜ୍ୟୋତିରା ବମା-ସଂଗ୍ରହ ମଞ୍ଜୁବଦ୍ଧ ସଂଗ୍ରହ ଶା ମାଧବୀ  
ବାଦ୍ୟ

୧.୭୦. ଡ଼ାଁ ଶ୍ରେଣୀ

୧.୭୧. ବିଜ୍ଞାନ ବିଜ୍ଞାନ ମିତ୍ର- ଉପନ୍ୟାସ

୧.୭୨. ସଂଗ୍ରହ ଯୁଗ- ୧ ଶ୍ରେଣୀ ଗଢ଼ିତ

୧.୭୩. ଉପନ୍ୟାସ ସଂଗ୍ରହ ଶାନ୍ତିରା- ଗୀତ [ସଂଗ୍ରହ (ସୁନାବାଦ୍ୟ)  
କବିତା]

୧.୭୪. ସଂଗ୍ରହ ବଦ୍ଧ- ବାଦ୍ୟ ଶା ବିଜ୍ଞାନ



९.७. नामकृष्ण दबाबी- ७ ह्य कविता

९.८. शर्मितात बंजन या 'दबासी'- मिथिला मेथिल शोब तिरंगा/  
याकल दबाब- बाल गीत/ बदमात्री- बाल गीत

९.१. दुदय नावायल सिंद नषिकता- ऊ माषिय ललदं बलिय  
ऊयव

९.२. शखिलन शाकुब- कतण ललरू या मिथिला क ज्ञान

९.३. समता कुमाबी- मेया गावि बदल बबि

९.४. आऊदु शाकुब- बदत मुनलियो ताबा गाव मुनबो तादब  
मत गय

७. संयुक्त लघु

७.५. वीथिका- यश्चमादिचयत्ता विलासः (तृतीयाब्रवामः)

७. विदद मुयना संयक शययल





बो गंदरा गद्वि: -

आछह गाद्वि- नूतन गंदरा मग्याद्वि

२९.गंदरा ९७७ दम द्वाचती

## ଝାଉଁଛ ଗାଦବ- ନୂତନ ଶୈଳୀ ମ୍ୟାଦକୀୟ

### ଗଞ୍ଜସ୍ତ୍ର ଗାଦବ

୨

୮୯ ବହୁତ ଯମ୍ବି ଯମ୍ବି ଦି ଗୋ ବହୁତ ମାନ୍ଦିତ୍ୟକ ନାବଲ ଦୁବଞ୍ଚକ  
ଦବାକ ଜ୍ୟାୟତା ଶାଞ୍ଜିତ ଗାଦବମୀ ଦାବଦା ଶାଞ୍ଜିତ ଗାଦବମୀ ଶାଞ୍ଜିତ  
ଦାଦିନ ବାବିହୁନାବ ଗାଦବଦ ଗାଦବ୍ୟ ଦ୍ଵୀତ୍ୟ ମାନ ଦାଞ୍ଜିତକା

"ତିତୁଲୀ ମାମ ନେ ଦଳ ଗାନେତ ଶାଞ୍ଜି, ମ ଗାଦବା ତମ ମମୟ ମମୟ  
ଦା"

ଯମ୍ବି ଯମ୍ବି ଦାଦିନ ଶାଞ୍ଜିତବାଞ୍ଜିତ ଉଦ୍ୟାମ ଲିଞ୍ଜିତ ଗୁଦା ଶାଞ୍ଜି  
ଶା ମାତ ଶା ମାତ ମାଞ୍ଜିତବା ଲିଞ୍ଜିତ ଲଗାତା

ଗୋ ବହୁ ନାବଲ ଦୁବଞ୍ଚକ ବିଞ୍ଜିତକ ଉଦ୍ୟା ମଦା ଦୁନଃ ଦକାତିକ  
ଶୁନକାତିକ ଜାଞ୍ଜି ତଳ ବହୁତ ଦିନକ ଦାଦ ଦଳ ଗାତା

୩

ଦାଞ୍ଜିତବା ବାଞ୍ଜିତକ ୭ ଡା ଦାଞ୍ଜିତବା ଗଞ୍ଜସ୍ତ୍ର ଗାଦବକ ଡାଞ୍ଜିତବା

Five Stories- Kapileshwar Raut

The snakebite, a local game which takes toll of a young boy, the old technique of farming and need for innovation, the feast of hermits, the language

of animals, the little and great traditions, caste class and power, the feminism, rich and the poor, but no sign of despair, bold discussions on the epic stories, on cults, the language and vocabulary aptly used for describing all these, a language which is hard to translate as these things can be written in Maithili only ...

Welcome to the mystical world of Parallel Literature in Maithili. Here you are reading five stories of Kapileshwar Raut which he has himself adjudged as his best.

Kumari Bhojan (Feast for the Girl Child) begins in a festive atmosphere. During 10 day Durga Puja festival people bring special kind of glossy soil. The soil is used for making Earthen Mahadev and earthen lamp. The lady Siyawati got widowed when a snakebite took life of her husband. After three daughters a son was born to her. So he was very young as compared to his sisters. Siyawati got trapped in loan, as marriage of daughter costs much. And after all this description ensues a



discussion which revolves round the actual meaning of tales, how a collective effort led to killing of Mahisasur.

In Tharthari (Trembling) another discussion ensues, in a cold winter night, among the Zamindar and the tillers. And the setting is the open-land where Zamindar visits to oversee how the farming is being carried out.

Barka Kheera (The big cucumber) delves deep into traditional and modern knowledge in carrying out farming. The boy who wandered calling ihait-ihait (a call to male animal for conjugation of their female cow or buffalo for procreation) became an agricultural scientist.

The story Punarnava will remind you of "Jalikattu" game of Tamilnadu. During Jurisheetal festival a game of man-to-man combat causes a death and Basuni gets widowed. The feminists will search for

the theories of feminism when the women starts taking decisions.

And finally in "Bhumhur Aagi" you will again get test of local culture. The caste layers ... Chetan Das is from Mushar community. He got in touch with a hermit from Keot caste and became a hermit himself. He went to Ajab Das, who is apt in singing devotional songs, for inviting him for a grand feast meant for the hermits. But he puts conditions.. and Vivek Kumar says that it is all stratification, even he or Chetan Das would put the same conditions in case of people below in hierarchy.

## ୧୧. ଶବ୍ଦ ୧୬୬ ସବ ହିନ୍ଦୀ

### ଭିତ୍ତି ଯା, ବିଦ୍ୟାୟତ ଶ୍ରୀକୃତ ଶ୍ରୀୟମା, ବିଦ୍ୟା ସବଦ୍ୟ

ସନ୍ଧିତ ଦାତକ ଛିଞ୍ଚିତ୍ପଳାଞ୍ଜନ ଦଞ୍ଜ ଶ୍ରୀତ ଶ୍ରୀଦା ବିଦ୍ୟାବୀ ମତ  
ତଳ ମତଃ ସଦୃଶ ମାମିଶୀ ଶ୍ରୀଦା ବିଦଦକ ମମତ ଦଞ୍ଜକ ଶ୍ରୀଦା ଦାଦ  
ମଦସ୍ୟ ଲାଦକ ଦତା ଯତତା ଶ୍ରୀଦା ଜୁତଦମନା

### ଶ୍ରୀଦା ଶ୍ରୀଦା

ଶ୍ରୀଦା ଡଗା ଶ୍ରୀଦାଦା

### ଶ୍ରୀଦା ଶ୍ରୀଦା

ତମ ଦମାବ ମିତ ଜିତ ଦାଦା "ଶ୍ରୀଦା ଲାଜ" ଲୀଦମ ଦାଦ ଦଃ  
ଶ୍ରୀଦା ଶ୍ରୀଦା ଦାଦା ଶ୍ରୀଦା ଲାଜ ଲାଜ ଲାଜ

ମମତା ଦମାବୀ ଜିତ ଶ୍ରୀଦା ବଦନା ଦାଦାଦା ଲାଜ ଶ୍ରୀଦା

## ९.गञ्ज लक्ष्म

९.५.बादिलह्वर बाहुतक ७ ह्य वहा- वहा-१ जल्लयन  
मथ्यादवीय समीञ्ज गंणजीम मथ्यादवीय दन्न यन

९.९.बादिलह्वर बाहुतक ७ ह्य वहा- वहा-९ जल्लयन  
मथ्यादवीय समीञ्ज गंणजीम मथ्यादवीय दन्न यन

९.९.बादिलह्वर बाहुतक ७ ह्य वहा- वहा-९ जल्लयन  
मथ्यादवीय समीञ्ज गंणजीम मथ्यादवीय दन्न यन

९.७.बादिलह्वर बाहुतक ७ ह्य वहा- वहा-७ जल्लयन  
मथ्यादवीय समीञ्ज गंणजीम मथ्यादवीय दन्न यन

९.७.बादिलह्वर बाहुतक ७ ह्य वहा- वहा-७ जल्लयन  
मथ्यादवीय समीञ्ज गंणजीम मथ्यादवीय दन्न यन

९.७.कुमार मनाञ्ज वच्यय- ह्य लक्ष्मवहा

९.१.ऊगदीन दमाद मल्ल- विषावक यवतता

९.१.ऊगदीन दमाद मल्ल- भाडयन (धावावादिह डयय्याम)

९.९.शात्रीय गनविज्ञाव- अंश- दवंदवावादी नाञ्जन (यव)



ज्ञाथ)

९.१४.महर्षिदेव या "दवन"- दत्तधनदेव देवता मंत्र देवा देवा  
दिवदेव

९.१५. विदिन देमाय या- महादेवि नाम देवीत देवताय  
मोक्षिणी गनदेव (नाग-७)

९.१६.बदीन् नारायण मित्त- मातृगमि (दुयन्मारा)- १म देव

९.१७.डॉ त्रयपालदेव देमा- देवान दिवदेवीदेव देव (देवदेव  
मंगलदेव)

९.१८.डॉ त्रयपालदेव देमा-देवामी महादेवदेव देवी या मोक्षिणी  
देवी

९. ज्ञातित्वब बाहुतक ७ ह्य कदा- कदा-१ ज्ञातयब  
मयादवीय समीक्ष गंभीरम मयादवीय दत्त यव  
विददक लखदक शर्मितत बयना या ज्ञातयब शर्मितत  
समीक्षकक समीक्ष मीबीक म गहन धवि गदा ददलो-  
१ कामिनीक दाँव ह्य कविता या ज्ञातयब मधुवाप्त याक स्थित्या

Videha 01 09 2016

९. जगदानन्द या "मनु"क "माहिक दामन"यब गऊदु  
गाकबक स्थित्या

VIDEHA 353

९. मुनी कमतक गदाँदी "जिदगीक माल" या ज्ञातयब गऊदु  
गाकबक स्थित्या

VIDEHA 354

बे त्रुंललाम गारां समानाम्ब धावाक दिख गलमाय दबाकबमं  
हनक नऊबिम हनकब गयन सबल्लम ७-७ ह्य दबा गामौतत  
कयल बल गीबि दबाकब लावनि शिव:-

अदिलखब बाउत

९. डमत्त मझल

९. बाम बिलाम माद

७. बाऊदब मझल

७. नह बिलाम बाय

७. ऊगदीत्त यमाद मझल

१. दुगानम् मझल

१. बामानम् मझल

बे गंदम यमुत गीबि ददिलखब बाउतक ७ ह्य दबा, ऊळयब  
दमब समीझ गंण्डीम मग्गादकीय दून् दब गीबि- मग्गादक



ददिलखब बाउत कब दांयह्य दबा

दबा ९

कुमावि ताऊन

મલ્લનાલ માય મિયાવતી દુગાયુજમ માંસ વલ્લલ લતોમં ચલ  
 યાંચિયા યિકની માંસ ગુનન ચલ્યા લલત્તચાયનામં યાંદિન ચલ  
 દિન દુગા નાતલ ઝતી ચા ચાલી દિનમં દુગાચાનમ માંસ-લાતી  
 યહતા મિયાવતી ચલીલ ઝચલ ઝીગલ ચલ્યા ચલ્લ વલ્લ તલ  
 ચલે, લાય માંચલ્લમ માંચ લાલ્લિના તીનલ્લ વલ્લમ તલ ચલેના  
 હમચ લલીલ યેમચ વલ્લલ ચલેના લાલ્લન-લુતા લાંચ લs ગૂંચ-  
 લમચ લાંચ જલો લાના તચલં તીન્-વલ્લલં લિચાલ લલેના લલ્લ  
 મત મામચ લમચ લગલો મલ્લના ઝાલ્લન લલ્લ ચલ્લ તાંદિગમં  
 દુગાલીલં યુજ લાંચ જલ્લિના મનમ ચલેન લલ્લ મત તચલં નિચાગ  
 ચા મૂલી મચ્ચન ચલતા મુલા તીન્ વલ્લલં લિચાલલ લલ્લમ તના  
 ન લલ્લ તાંદિ લલલેન ઝ ઝમીચાલલ યંગલમ યાંચ લાલા  
 ઝમીચાલ લ્લુલલ્લ લાલ તલન ન યાં ઝ ઝન લાનિલ્લલલં ગાંચ  
 લાંચલેલ, લાત લાલલ લાંચ લs લs લામોંન ચલે જલા તચાલ  
 મિયાવતી ચલન નમ-લ્લમ ને જાંદે જલો ઝાલ્લન લાલ્લન-લુતાલ  
 લેલલ ને ચલલેન તં લમીલલ યુજ યાલમ લિલલે જલો લલ્લ  
 મલ્લના લાલ્લન લાંચ લs ચાનચ તાંલન ગૂંચ લલ્લ મલ્લના  
 જાલ્લ લલ્લ ચલન લિચાલ ને લાન ચલ્યા લલ્લ લાંચ ચતલ મલ્લત  
 ચલ્યા ઝ માચલં માચ લુલેતા ચલ્લનલ મજલ્લ ઝલં ને ઝ  
 લમા લs ચલે ચા ચલ્લમં યાંચિલ તાંડીચ-લાંચમ લલ લs  
 લેતા લં ચાલ્લ લીડી યાંચલ ચાલિત ચલે, મલ્લ મમેમં  
 લલત્તચાયનલ લાલ લલ્લ દિન માન લલનાતી દિન, મલ્લમીલં  
 તગલતીલં હિમ્લ યહતા ગાંચ લલા લલ્લિત ચલ્લમી દિન



नितांयूज दाळ्या नमीक मांसम ऊर्ध्वनि मियावती मांस दs वs  
गली तं मंजय दुबलकेन-

"कवी, तूं तं मत्त दिन दूगायान मांस दळल ऊळ बीदी। कद  
तं मांस दळल तगवतीसं कि मत्त कदे बीदी?"

मियावती बळली-

"तूं की दुर्गबिदन, गर्ध्वनि नना बंदा"

मंजय-

"ने दावी कदय यडता, कद न दमदं दूगाजीसं मांस तवा"

मियावती-

"ने, नळ कदवा"

मंजय-

"ने, कदय यडता"

दुनूय छिद्दम-छिद्द मत्त बाला गमम मियावती कदय लगलखिन-

"की कदवे, कदे बियो ऊ द दूगा मदबानी धिया-युताकं समांग  
दिदं, बिच्चा दिदं, धन दिदं, मग्घात दिदं, दमबा निवाग बीदं।  
मगद मत्त कदे बियो"

मंजय बाळल-

"दावी वो, बिना दाना कळ वन मत्तय दूगाजी दs दळ  
बिधिन, तं ताबा की तलो ऊ नम-त्तम गावि दूज-याग कवे  
बीदी, म तं गळ तव ऊवानीसं दुळाय गदिना बी। तादव  
दिन किय गदिन तल बी?"

मियावती बळली-

"बी बीज, तूं वड दाळंडी बंदा गझा बती वडेत लाज-मवम

न दाळू बा!"

मंजु-  
 "ने दादी, तादीं कद न गतक यूज-यागतं तां जनम कबेत  
 गलंद गुदा तळसं की तलो?"

मियावती जना दिनम तबगन गिनय लगली। किछु बजव न  
 कबे बली। यूय दादि मंजुय दुबलबेन-

"दाद किय तऽ बालां बोल्लक गकट्ण छट्ण दूगायानक कद  
 बिया। दादि मिगणक माग दुलाबी बाझल ताऊन या कुमाबि  
 ताऊन कबबेल दूगायान गगत बला याकबा गयना छबम यूज  
 लल गगदनीया छान ने बले तं बतीदावसं कज्ज उगा कऽ गक  
 दसबी धान म्हादियब गनन बल याकबा गयनसं यूज कट्णलक  
 या दयीम बयैग किला मदिंसक दूध तीन किला गनलक या  
 दती दोडलका दाकनसं यीनी गनलक या दादि गश्मी दिन  
 बादमल ताऊन या कुमाबि ताऊन कबबेल बल बला मंग लागल  
 याता बीबहु मत्त बल बले ऊकब उमब बाबद माल या याती  
 जाली ऊकब उमब गग माल बले उत्त बल बला दूगायानम  
 कुमाबि ताऊन, बाझल ताऊन, बट्णक ताऊनक गतक न तीड  
 बले म कदल ने जग! गक-गकट्ण बाझल कुमाबि बट्णक  
 दस बाट्णक नात मानन बल दळिलाक लातम जना उडोदिया  
 बट्णल दाळू! तल ऊ ऊ दुलाबी ऊदीन गयना युबदीतक लांयब  
 नाबक बिडी बना कऽ दूट्ण कुमाबि, दूट्ण बट्णकक कबाक  
 यातयब यूज, दती, पिनी दऽ तगवतीकं ताग ललोलदा लज्ज दू-  
 दूट्ण दऽ ऊदीन या लाकेन ताऊन कबग लगलीदिन याकि

यातीं डाली कदम लगतो दादी दमदं पुडा-ददी लवो। शाकि  
 डलाबी यातीकं गालयब राक यमदण लगा दलके शा बाऊलि,  
 यूय यादिन बाऊला ताऊन दते शा डगबते तव ताबा दवो। याती  
 दवा-डवाब तऽ कऽ कनरा लगतो दकब-दकब मुद्दां तवे शा  
 कनवा कबरा राऊब दुबदीत शा कुमाबि बिना बिबु मायन  
 निलकु ऊकां लाळत बदला राकबती दया ने गले डालीयब।  
 मवाल गाढा तऽ ऊळत राबि, तंग तदी कद, की डाली कुमाबि  
 ने तल? की बीबडु बट्टाक ने तल? ऊळान बि ताया-दुबानम  
 लिखल राबि दम दबल यानी बऊयवाला लाळमं यादिन कना  
 ऊतिका लडकी कुमाबि राबि। कुमाबि ताऊन कबोल ऊ मवेत  
 राबि लू तं कुमाबि ताऊनवला तलो लो दादी, राकदण शोब  
 दणना दखीलगे ऊ बिबु मीगल धनुक दणलीक शा बिबु मीगल  
 दबळ दणलक रायन धिया-दुताकां लऽ कऽ कुमाबि ताऊन शादी  
 दुगायानम कबोलका बाऊला मरु तं रायन धिया-दुताकां कुमाबि  
 ताऊन कबवेत राबि। कद तं रोम कन दंग बे ऊ बाऊलादण  
 कं धिया-दुताकां कुमाबि शा बट्टाक कदल ऊळत राबि?"

"बो मंऊय, कदे तं बीदी गीका।"

मंऊय याब कदम लगत-

"लो दादी, ऊळ दुगाकां तं रातक नम-दममं रायना कबे बीदी  
 तकबा बाबम बिबु बायता बिदिन शाकि ताडिया धमान ऊकां  
 मतकां दले बिदी तंग तदं कबरा लगेत बंद?"

मुन मीदयासब, त्रंत, निहंत तं रादन शातातायी बाऊ बल ऊ  
 ककबा बोद-बट्टाकां लळ्ळत रावका लाट लळ बलो यदलक

बङ्ग-मत्ताबङ्ग मत्त गव-गव मग स्त्रीबदी बल्ले बला तदिना  
 गल्लनक नता गा बङ्गक गयाम्ब मत्त ताल्लगा बद्धत कम नता  
 गा गयाम्ब गाविके ऊनता स्त्रील यत्ताबल तट्पत्तो। तदन बल गा  
 मदिद्याम्ब, त्रुंत, नित्रुंता ऊर्त्तान बङ्ग गतिग्यावाब, वावग्याब बाङ्गम  
 बङ्गल गा लाकक नाकयब गाविके एले तर्त्तान ऊ कs ककबा  
 गवट्प लङ्की ऊनम ललक गा ऊनमित ऊना यतितात्ताली बल,  
 ऊदन दल्लेम मुच्चब तदन कङ्गम यत्तिला ऊर्त्तान ऊवानीयब  
 गले तर्त्तान मदिद्याम्ब गावकबायब गदन दबाय नऊाब वेल्लेबक,  
 मुवा गा युवती लट्पक ऊवाव यच्चमं दल्ले। ऊतककं  
 मदिद्याम्ब मत्तोन बल गा मत्त गाळ युवतीकं मंग दल्ले तं दल्ले  
 बिदिन दूगाकं दमट्प ताब ब्बे गा मत्त ताबम गम्ब बल्ल। सबदक  
 मदयागक यतीक बिगो ऊर्त्तान मत्त मिलि कs मदिद्याम्बयब  
 यङ्गळ कलक तं कतक दिन तक लङ्गळ यलल गम्ब  
 मदिद्याम्ब गाबल एला गम्बक ऊ मदिद्याम्बक बिला बले तकबा  
 गा युवती णादि दल्ले। तव न गाळ युवतीकं नाणां दूगा बादल  
 एला दूगाक लङ्गळ दम दिन तक यलला मंगणनम न त्रुंता  
 ताल्ल बल्ल। मगद त्रुंत्तकं मान दूगाक दूङ्ग ताल्ल बल्ल।"

मियावती बङ्गली-

"बो दोगा, गना यानिब्या कs कतां किय्या गल्लिन तक कदलक  
 दना"

मंऊय बाङ्गल-

"लो दादी, कतक कदवा गा मत्त वुंधियाब बल, गाग् बङ्गला  
 गावका सबदक तुलना कबेम धिया-युताकं यङ्ग-लिखा गयना

कमयव विम्वाम कवेत लाला शाकवा दधुश्व ल तं ह्रिदावय  
 वडता बिना ॐ ऊ मांय दल्ल ववम कदे बिदिन म की कतो  
 मादल ब्रे ऊ तावा वऽ दतो तादी कद ऊ कतामं पिदेन माट्प  
 लऽ गनलं ददललदा कदडाकं वाती वना ककतलम तिजेन  
 गलदी या गददण गगवतीमं द्वायान मांय दल्ल वल लाला  
 लवया तलो याविण शांना ने या मांग ललादिन लाद्लाक मग्ग्याता  
 कतरमं तदत्तो समाऊम ऊ गगणाल गधि यदिनमं या गदना  
 गधि या मत गयना मुख-मुविधा लल ऊल वनन गधि गमकल  
 समाऊक लाककं दितादीन वना कऽ गयन लाट्पी लाल कवेगा  
 दमदं तं वीय-शीय कऽ कदना कल तौमगल्लय ऊल बी  
 ऊति-धमक नागांयव कगलीग कगली बल्ल ऊतक ऊति ततक  
 ववता वडककं वडक ववता द्वाट्पककं द्वाट्पक ववता तवत  
 गीदा"

गियावती वडली-

"गीक कदलं बीया, गाव माधि-समाय कऽ वना कऊ कववा"  
 मंऊय कदय लगल-

"लो दादी, ताऊन-तात गाकि बदन-सदन न शगक बदव  
 बियो दम तं तं कगयतली ऊकं ऊना-ऊना नयवे बी तना-  
 तना नवे बी तंग न कदवी ब्रे कमय लंणाट्पीवला या लाय  
 धातीवला तंग कदवी, हव कमा-ददण हव द्वा-दी, धिया-  
 युताकं ददण-लिदा ऊलीन धिया-युता यिठ-लिदि लतो या  
 नाकबी-याकबी गाकि गयन कऊ-धंधा तऽ ऊतो तं गयन  
 ददलदिन ऊ शगक ताग कऽ बदल बी मूल न छिनगी बियो

कुमारि ताउन कब गीकि यूज-याण कब, तीह-दित कब,  
नम-रुम कब मतलप गयन बुधिय-विवक कऊ दतो। कबका  
कष्ट ने दितन, ऊतां तव तऽ मके कबका डयका कऽ दितन  
मगत मतमं देख क्षम बियो। कन रूण-दामिक थडम दडल बदे  
बंदा।"

मियावती बडली-

"बो बोणा, गतक ऊ यूज-याण गीकि धनम-कनम दाळ ब्रे मत  
रूण बियो की?"

मंऊन दुनः कदरा लगले-

"बो दादी, माय तदम दुखती ऊ गन्दाबसं दकत दिम गाने  
मगत तल यूजकं तादिक गब गा नीक कऊ न धम दाळ बल्ल।  
तगवानक कतो गमरा ब्रे गा तं ताका दमका गानाम दसे बबिना  
वद तं दवताबीक ऊन बी, ताम-दुबाराम लिदल गबि ऊ तगवान  
कला-कलम वाम कबेत गबि तं बि दमका ताका झाडि क?"

गे

बयनादब

गयन

मंतथ editorial.staff.videha@gmail.com दब दगाडा।

୧.୧.ବାସିତସ୍ତବ ବାଢ଼ିତକ ଓ ଟ୍ପା ଦବା- ଦବା-୧ ଉଚ୍ଚୟବ  
ମୟାଦବୀୟ ମମୀଞ୍ଜି ଗୁଣଞ୍ଜିମ ମୟାଦବୀୟ ଦନ୍ତ ଦବ

ବିଦଦକ ଲବଦକ ଶାର୍ମତୀତ ବସନା ଶା ଶାଞ୍ଜୟବ ଶାର୍ମତୀତ  
ମମୀଞ୍ଜିଦକ ମମୀଞ୍ଜି ମୀବୀଞ୍ଜି ମ ଶୟନ ଧବି ଶତା ଦଦତା-

୧ କାମିନୀକ ଦାୟ ଟ୍ପା କାବିତା ଶା ଶାଞ୍ଜୟବ ମଧୁଦାସ ଶାକ ଟ୍ପାସ୍ତା

Videha 01\_09\_2016

୧. ଉଗଦାନସ୍ତ ଶା "ମନୁ"କ "ମାନ୍ତିକ ଦାମନ"ଦବ ଗଞ୍ଜୁ  
ଶାକବକ ଟ୍ପାସ୍ତା

VIDEHA 353



९. मुन्नी कमतक गदांकी "छिह्नीकी माल" या शल्लयन गऊह  
गाऊबक स्थिचली

VIDEHA 354

ये त्रुंदलाम गागां समानासब धाबाक दिख गलमाच दबाकबसं  
दुनक नऊबिम दुनकब गदन सबल्लन ७-७ ह्य दबा शमीतत  
कगल गल गीबा दबाकब लादानि बाब:-

अदिलसब बाउत

९.डमत्त मछल

९.बास बिलाम गाद

७.बाऊदब मछल

७.नह बिलाम बाय

७.ऊगदीत यगाद मछल

१.दुमानह मछल

१.बामानह मछल

ये गंदम दमत गीब ददिलसब बाउतक ७ ह्य दबा, अल्लयन  
दमब समीछ गंणलीम मग्गादकीय दूत दब गीबा- मग्गादक



ददिलसब बाउत कब बांयल्ल दबा

## कथा ९

### बबबबी

शाना तं मृत ब्रह्मण द्वाङ्मृत श्रिया गृह्यम्, वय्या, त्रबद, दमन्त, त्रित्तब या वमन्ता मुदा बबदाबम लाक् तीनट्पाक् माने ब्र गबमी, वय्या या ऊडा मत् मृतक् मयन मलग-मलग गुल मवगुल द्वाङ्म ब्रह्म मुदा ऊडक् गदट्पा मयन मलया गुल मवगुल श्रिया कन तगवान ऊडक् ऊनम दलेन म ने क्तिता शान मृतम तं लाक् दय-वियम, बंग-बतम या वय्याक् द्वादाबक् शानन्द लऽ कऽ बिता दळ्म ब्रह्म मुदा ऊड तं दट्पाक् कंया दळ्म ब्रह्म गबीद लल माकद या धनिकक् वाय्त विलासक् मृत बनि ऊङ्गया हुट्पाब गक् दिन गदन ममेम मुबत्रवाक्क ल्लत ऊ मनल्लय कन बल दट्पाक्क लला ममय बले माष्ट मासक् त्रकशातक् ऊदिना ९९९.म त्रीतलदबी बले तदिना गद् बब तलो दक्षिया बादैत ऊड मुमकबी देत बदया मुक्ऊ तगवान कतय नक् बदला तक्क एकन न्दिता कदम लागल बदया दानिक वून ऊक् वय्य गदवेत बदया लाक् दबिदम हूब लग गागि तयेत बदे बला गिणबल धाम-दात ल्लामं माल-ऊलक् दीण द्वाङ्म वेम ललो या विमाबा दडय लगला तमुक् पिडे-पुनमुनी मत् ऊदि दट्पाब मबय लगला मांय मत् कना बीलम तं कना गाडिक कतम मूळल दडला ऊनाळ्म लाक्क करीन तऽ ललो गक् यनबादियामं ऊ त्रीतलदबी बलल म लदल बांद लला

गहन समेग ह्युत्पन्न मनस्य गहनं च न भूता तदा वा दृष्टवत्  
 बाबिंगवत्ता ऊर्ध्वन मंथ विद्वा तता बाबिंगम ऊर्ध्वनि दम्भमत्पमं  
 यानि धर्मावय लगल यानि धः ललत्ता यत्ताग्निद्वय दाल्भ्यमं यानि  
 लः वानाळ् भूते म ऊर्ध्वं वि दाल्भ्य दम्भमत्पम धर्मावय लगल  
 शावि यानि दामय दिग्गम द्वाभ्यक्त गावतत्त शावि ह्युत्पन्न शा  
 ऊर्ध्वन दुन् वात्पत्तं गीञ्ज दलत्ता तदायि वना तबद्धं दाल्भ्यत्तं  
 वाग्निद्व ललत्ता ऊर्ध्व दुन् वात्प बबद्धव दायय लगला ह्युत्पन्न ह्यत  
 ऊ गद विद्यावीम यानि ह्यलि दलत्ता शा शागिद्व ऊर्ध्वमम ह्युत्पन्न  
 दगलम दलमवाग भूते शातय नाव बादल भूते ऊर्ध्वममं गद  
 याञ्ज नाव बबद्धवाळ्त्त गनलत्ता शाव ऊर्ध्वन मलाळ्मं शागि  
 धर्मावः लगल शावि तदन ऊर्ध्व दाल्भ्यत्तं बद्धे ऊ मलाळ्मं वशी  
 दल्ल न दाल्भ्यत्त दाल्भ्य बबद्धवीम मलाळ्मं वशी गुण ऊर्ध्वत्ता  
 ऊं वशीम शागि धव तं नावम धवतत्तल मिया ऊर्ध्वत्ता लायव  
 वना तबद्धं शागि धर्मावत्त शागि धवत्त दुन् वात्प शागि तायय  
 लगला ह्युत्पन्न दल दम्भति दाल्भ्य ततो।

मुबत्तवाद् ह्यत दल्लेत्त विद्वा तता वायव लग तत्त दद्व दन  
 दगवम गाञ्ज-ऊर्ध्व ललोत्त, ऊर्ध्वम द्वाभ्यक्त दन वनम गावतत्त  
 ललोत्त तेयव मं गावम द्वायी दन गावित्ताम दम्भम भूतेना तेया  
 ऊर्ध्व बबद्धवाळ्त्त भूता ऊर्ध्वनि बाबिंग लग यता तं दल्लत्तल्लन  
 ऊ दुन् वात्प शागि तायि दल्ल गीञ्ज मुबत्तवाद् दाल्भ्य मदत्त  
 दम्भाना निर्वर्ति शागि तायय लगला शा वडुत्ता-

"ह्युत्पन्ना वदन समग तः एते ऊ वतना वयञ्ज दद्वम दन  
 द्विगे तेया ऊर्ध्व ऊना ऊर्ध्वत्त न गीञ्ज तं मत्त वना वः बद्धे

झीझी।"

हुट्टाब- बळल-

"झी मालिक, गबबवक झिनगी कना झिनगी झियो। गक तं देविक माबल झी, कामब मुबतवाक ववम्बा तदन न बे ऊ की कदवा कमाय लंणाट्पीवला गा लाय लातीवला। ददम दले झियो ऊतन कयडा गझ तळमं मातिक ऊडम गुळब कबे झी। झबवाली दबसोती तल गझ। गकट्या बदेक झब गझ। कामब वकबी गा गागल गझ। तळम गक कनम ऊबान-कणी बले झी। मला वकबीवला झबक ट्याट ट्याटल गझ।"

मुबतवाक बळला-

"तव तं वब दिक्कात दाळत दतो?"

हुट्टाब-

"झी मालिक, की कतो। लयब ऊय दियो। दसबा मतल तं गकट्या डयबवला बेबा मुदा द गकट्या वात कदे बी ऊ कतना गतां मत कयडा लगायव, विजलीक गबमीम बदेव मुदा तीनवब गतं मतकं ऊड दयाबव कबता।"

मुबतवाक गकयकळत दुबला-

"कना बो।"

हुट्टाब-

"ने दुये झियो, नदाळ, दाळ गा माडा दिबे कलमा।"

मुबतवाक-

"शीक कदे बी।"

हुट्टाब-

"मालिक, दसबा मतकं कन गझ। लूव माट्यागब कs लाब बीबा।"

दल्ल छिये तेयब मं दुआ वीआ दल्ल छिये या जेहेब आठि लल्ल  
बी या तखना ऊ ऊउ दल्लया तं म्हामं वनलला यत्तिया-  
लानिबि आठि लल्ल बीा वगलम लाबदनी या लउउन-मउउनबं  
आबिया कs बदलन बदे बी ने तल तं यावबा दल्लिब दल्ल छियो  
ताबि जाति गुनबोत बदल छब गबमायल बदला म्हाबं तं दुमले  
दगत ऊ बाबेमक आगि कदन दल्ल बल्ल गामं मुते बीा"

मुबतबाव-

"तदन तं गयब-कण्डीहन वना कs छबम बदे बीा वउ नीक  
मदिना ऊउमं वंवेक कतिन कबिदां ने तं म्हा लाय्हाब ऊबं  
दतां, वजाबा कलिखिन देखानामं गायल, कलयब ककड कबित  
बदग आकि गंठा माबि दल्लो द्वांग-द्वांग कs लाय्हाब लग  
लs लो तंग कदलिया ऊ ऊउमं वंय कs बदिदां वकबी या  
गायबं म्हा गली आठि कs बदिदां"

मुडी डालवेत छुट्हा बाउल-

"गीक कदे बी मालिका"

मुबतबाव-

"बी छुट्हा, धिया-दुताबं द्वांग-दवाबि दिदेन ऊ गंठामं वंय  
कs बदतो"

छुट्हा-

"म बीडा मानित न गिआ तन गुन्ती छुट्हा, तन बिबहा तं  
तन कबड्डी ललाळत बदेया वी कबवो दम तं कदव न कबवे  
मालिका"

मुबतबाव-

"सुगतं दमं कदवा ना"

हुत्वा-  
-

"दमं तं त्रिं दिनं कञ्च-धन्वाय लागल बढलौ। यदीं सबदक  
दंमविष्णुमं वांसकं शालक उल्लिखि जीव-दामं कऽ लल्ल बी  
उल्लमं ददमं दामं द्योत बदेया या याति कऽ दोबमदला यागि  
गबमन बदेया"

मुबत्तवा-  
-

"शीक कबे बीं ऊन बी तं ऊतान बी। त्रिं न ने तं बिबु नति  
गन्ध्या गदक्य कत ऊ यागामन कबे बीं शक्ति ने?"

हुत्वा-  
-

"यो मालिक, दमं मूढ शवमी की ऊनय (लिखे) यागामन शक्ति  
दबानयामा दमबा मतल दद धूनव यागामन या दबानयाम दाल्ल  
बल्ल। हटनीय मं न दद दुत्तल्लत बदेया"

मुबत्तवा-  
कल्ला-

"कल्ला बात शीक बी।"

हुत्वा- "मालिक सुगतनम मावि-धुल्लम कऽ कमलौ, लव धान  
कटलौ उल्लमं ह्वम गद कशी धाना शिब या लल्लव याडवा  
शीका लतमं लमाबी माग, ददुया माग, मबमा माग, ताबी माग  
सबदक तीमन कऽ लल्ल बी। कदिया कत गन्तु, कवी, तांत्प,  
मुबे मत्ता सबदक तीमन ला लल्ल बी या दम-दम कबेत बदे  
बी।"

मुबत्तवा-  
-

"तदन तं नीक वन्तु मत लल्ल बी।"

હુલ્કા- "શતાં મત ડાંકાં લી ગળા, મોમ-તોમ શાંકિ દુધ-  
વતી દમચા મતલું તલ્લે બલ્લે દમચા મવલલ વલ તં વેત્તાલ-  
ઝગલ બોલ, તાલલલ લયા શા માલ્ય મામલ ઝડમં શાંકાલ-  
શાંકાલ શાંકા શતાં મત ડાંકાં લી ગાલલ લલલલ લાંમ ડાંકાં  
માલ્યગલ ને ન શાંકિ ઝ તાગત લિલ ના લલના તીલગલ લલ  
લલા લિલ લલ લલા લં શતાં મત ડાંકાં લાલી-લતલા ને ન લલન  
લી લમલ લલ લલન શલે લી"

લલ લલ શાંકિ લામલ લિશાંકાંમ લાંનિ લાંલિ લાંક શૂંક તલ લીલ  
શાંકાલ શા ગલ-મલ્ય લલેત લાંકાલ-

"લો માલિલ, શતાં મત ડાંકાં લી લમચા મલ લીલ લલ શાંકા  
લલ લલ લલ શલન લમ લલ લલ શાંકા લનીમ તલલલી-  
લલલલી, લનીમ લલલલ-તલલલ, લનીમ માલ-લાલ લન લી  
લાં-ગલમ તં શતાં મલલલ લલમ મનલલ લલ લા ગુલલ લલે  
લી"

મલતલલ- "મલલ લલલલ લે ઝ લલ-લલ લન લાલ્લ  
લલ લલ લેના લ લલ ઝલ લાલ લે ઝલલી લલ લલ લ શા  
લલલ લા લમલ શલ શાંકિ શૂંક-લિલ ને લલલ લલલલ  
ઝલ લી"

હુલ્કા લલલલ-

"ઝ ગલ-મલ્ય લલે લી તં મલલ ગલ શોલા મુનિ લિશા લમ  
તં લંકલ-લલલી શાંકિ લિલ્લી-લલ્લ ને ન લમાલ્લ લાંલો  
લલે લિલે ઝ લલલ લાગલ લાલ લામલ મલલ ઝલલ શાંકા  
લં શાતગમં લાલ તં મનેગ મલ લાંલાલમં લલલ લલેલા ડાંકાં



सुबहवा द्वितीय विज्ञेय धियान दलके दना द्वे शयन-ऊत  
दल्ल शब्द कानिदावक बलेता कम उयऊ तन तंगी तं दल्ल  
कबत गामम माय-बाय म ददन कने बल्ल मालिक शर्ती शयन  
दत्ता दलिषा न, यत द्वे शब्द या धिया-यता मत विदत्तम  
नाकबी कबेया मालिकिन बूढम कमा कs तानम तात कबेत  
दती म बगद ऊनेत दती।"

सुबहवाव दल्ल- "म तं गीक कद्वेत बं कदना कs दमबा  
मनम दल्लत शब्द ऊ कबील यत कमलौ या यत ऊमा कलौ।  
शब्दा बाब ऊ मत दाता दम ऊल्ल धियो।"

दादि सुबहवाव छब दिम विदा तल्ला या छुट्टाब गीतम विद्याबीम  
दानि कट्टाब लगला

-

शयन मंतश्च [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) दब दगाऊ।

९.९.काविलहब बाउतक ७ द्वा कदा- कदा-९ ऊल्लयब  
मथाददीय समीऊ शंखऊम मथाददीय दन्न दब

विददक लदकक शर्मित बयना या शाळयब शर्मित  
समीऊकक समीऊ सीबीऊ म शयन धाब शर्ता ददलौ-

१ कामनीक दाय द्वा कविता या शाळयब मधुवन साक द्वाशरी

Videha 01\_09\_2016

९. ऊगदानह या "मनु"क "मादिक दामन"दब गऊह  
गाकबक द्वाशरी

## VIDEHA 353

९. मुन्नी कमतक गकुंदी "छिद्वगीक माल" शा जल्लयब गज्जु  
गादुबक स्थिचली

## VIDEHA 354

बो त्रुललाम गागां समानाम्ब धाबाक दिबु गलमात्र दबादबमं  
दुनक नज्जिम दुनकब गदन सबल्लु ७-७ ह्य दबा शमीतत  
कगल लल गझि दबादब लादनि बहिः -

५.कयिल्लब बाडत

९.डमत्त मझुल

९.बाम बिलाम साद

७.बाज्जदब मझुल

७.नम्ब बिलाम बाय

७.जगदीत्त बमाद मझुल

१.दुगानम्ब मझुल

१.बामानम्ब मझुल

बो गुंदम वसुत गझि कयिल्लब बाडतक ७ ह्य दबा, ऊल्लयब  
दमब समीझ गंलजीम मग्गादकीय दून्न दब गझि- मग्गादक



कायिलचन बाडत कन बांयट्ण कबा

कबा ९

बडक बीबा

कदवी शबि, दुकलक ताग या म्नीक बाबत कदन बदेन जगत  
तकन कन एकना मगद तले जगतलालक छिनगीमा कबिया  
ककक तीनट्ण बट्णीबन मं गदट्ण बट्ण तलेना बढिल दुत  
तन बाबबाबन दुतीक मादोल बान बाला बाण्डाब दिन दमाबिया  
तीन बाट्णमं गावि ङालदी-कगणालि या मडिबा लऽ गंगनाम  
नायग लगला कना न दमाबिया गदेत गादा तं गामक दमाळन  
या गडामी-दडामीमं मुब-यता लगवेत बदेया म तनक लागि  
यदंय बाला कदना बदेया गीत तं कदना मादब, कदना  
ममदोन गावग लगला गंगनाम लाकक तीड लागि बालळ। कबिया  
कक कना तबदं गक मग कदेया या मबा बिला गबला बाडब  
निझोबम दऽ दमाबियाकं बिदा कलेना।

बिया दडामी दीय दलदेन-

"ताय मादेव दम्बबयब छति उनमल दन तंग दमट्ण माधु-  
मनकं या गडामी-दडामीकं नात दऽ ताड-तात दुगायब,  
जळमं दबाकं शमबवाद दत तं दबाकं नीक दतळ।"

कबिया कक बडला- "शीक बल्ला"

बगिदाबक नातिम दमट्ठ माध-ममकं गा दमट्ठ गडामिया-  
बडामीकं नात दs तगडामाक लमजम कलेना बगिदाबक बिधि-  
बबदाब गला बाद बादा-बादी बझाक नाणां बडलेन जुगतलाला  
बिद्वान जन लोगिनयांक माडी-माया-बलोऊ गा राक मग ट्ठक  
दs बिदा कलेना

कबिया कककं मात राक बीझा छता बाबि कट्टा बोमाम बांदी  
धनदबा कना दू-दामलाला तं कना राक-दामलाला छतीक नव-  
नव तबिक गलाक बादा कबिया कक युवन ठंगमं छती कबेबा  
बद-मात लाट्ठक बाबिबाब लल बीझा जीब छत कम ने गला  
ऊं छती कबेक गाऊब गा दानिक माधन बदगा बेङ्गिनिक  
तबिकमं छती कबेक लबिक गताब बलेन कबिया कककं तैयब  
मं दकतिक दकय मत्ता कना माल बादी तं कना माल बोदी  
गलण तवाद कना तबादि बाबिबाबकं कना तबदं दिबेत बले  
बल्ला गामाक लाक मत युवन ठंगमं छती कबेत बदगा

बाबिबाब मात मात लाट्ठका गदन जुन दाली, दित्ता बामधन गा  
माता-गुमिल, गा तीनट्ठ धिया-दुता राकट्ठ दट्ठ मागुब  
दमेता कबिया कककं मन बलेन ऊ दट्ठ दाढ-लालि कs  
हुनवान बनग, मुदा गदना माबलामं की दगता ऊकबा दित  
दम ऊ माये बी तकबा मन गा लगन गादन दाल तदन ना  
ऊदिना ऊणाल दाल जन बिमान तं धानक बीदेन छतम दमा  
लेत शीब गा बोदी गलायब बगद बीदेनकं कट्ठग दडे बल्ला  
मगद दाल कबिया कककं गलेना

बन्धु उग्रतलालकं दह्येत् श्वकूल दशवेत बलीहिना मुदा उग्रतलाल  
 श्वकूल ऊल्लव वदता बन्धुतम कदिया कवङ्गी तं कदिया ताम-  
 ताम तं कदिया णाली-णाली हेलग लबोता श्वश्रु ऊकं कवेत  
 बद्धया बालि-बलेन कदन तं कदना द्युनगीयव याकल शम  
 बिया न दाळ उग्रतलालक लल ताडनाळ वामा दावक हेल बला  
 ककबा बाडी-माडीम लतामक गाधमं लताम कदना ताडि मंगी-  
 माडीकं बिण दळता कना पिडे-पुनमुनीकं ह्यंता उजावि  
 गण्डाकं बुवि मडा दळता बिया गाय वा तैमकं दाल दुग्देल  
 बिवा दुग्गय गा उग्रतलाल ऊं दल्लेत तं शाकब मंग लागि लद्धेत-  
 लद्धेत कवेत हुबया बोवाव-तैमवावमं कदवा कवेत नीक  
 मांढा-यावामं दाल दुग्गाड ऊल्लमं दाबा दुग्गय शाकि दाबी, दाबा  
 दुग्गय शाकि दाबी नीक नन्मलक दयत, दुधगव माल दयत, नदि  
 तं दुग्गयव दाबा वा तैम दयता शवं तबदं कना न कना  
 डयबाग, डलदन माय-बायकं मत्त दिन मुनय यडो तंग तऽ  
 बाल माय-बाया

उग्रतलालक डमव शाव वाबद-जोदद बल्लक तऽ बाल बला  
 ऊदिना द्यंल मीळ ककबा माय-बायमं तद्वे ब, दासव मीळ  
 ममाळमं गा तमव श्वकूल गा दत्त-विदत्तमं तद्वे ब, तळम  
 ऊकव वधि, विवक, कून ऊदन बदे ब म ययनाकं शाल कयम  
 ढालि लळया मुदा उग्रतलाल लल धीनमना बालि-गलि कऽ  
 मत्तमा तव दळलका बियाक तं मवकबा दिसमं मायव मत्तकं  
 गादत्त तद्वल ब ऊ 'ककबा दाल ने दयल ऊया'

ममय बीतेत बाल, ऊदन उग्रतलाल मालद-मत्तबद बल्लक तल

तं माय-वाय सबस्यती कुमाबी नामक लडकीसं विद्याद कबा  
दलको। कबिया कङ्कक मनम बदेन ऊ विद्याद कबा दवे तं  
कदी यनी गलामं मुधाब ऊयता मुदा तले डलट्ण विद्यादक बाद  
तं ऊगतलाल गावाल्ल लऽ दबिदम गीत-नादक दाङ्गु ग्यासयांत  
बदय लगला माय-वाय सावेब ऊ डयट्ण वात गाकि गक बस्यब  
माब दवे गाकि दांट्ण-दवाब कबवे तं कदी कती तागि न ऊया  
मन ममांसि कऽ बीद ऊया।

संयाग तले गक दिन बसत- ऊगतलालक दिप्ती- गकट्ण विङ्ग  
गामक गाङ्गक बल्ता कट्ण बदल बला। ऊगतलाल दल्लेत बला  
दल्लक ऊ विङ्ग गामक बल्ताक कलकतिया गामक गाङ्ग लग  
गाडि दलको गा कलकतिया गामक नीयला डाबिक यङ्गुमं कनियं  
बीलि कऽ गा सबदीकं मदा बीलि डुनूकं मट्ण कऽ बान्दि  
दलको। कनी दिनक यथाति विङ्ग मुडीकं वन्दलादामं कनी  
डयब कट्ण दलको। गाव तऽ णल सबदीसं कलमी।

ऊगतलालक गाबाम ऊना याट्ण दडलो। ऊदिना माङ्गक  
तितलदबीम कडगड बोद डगित मत्त बोद तायग दोलेत गाङ्ग,  
तादिना ऊगतलालकं तलल्ला बाडीम याबिट्ण मऊमेनक गाङ्ग  
तीन-याब दाबक तल बले कनियं कट्ण कऽ तीन णा दीबाक  
लमी बले डदा दू तीन दाबक तल बलल्ला मऊमेन गा दीबा,  
डुन् लमीकं मतबीसं बान्दि दलको। ऊडिक दगलम मडलादा  
णावब दऽ माट्ण यण दलको। दिता तं यादिने हतकं गकमलिया  
णावब मडा कऽ बीट्ण बला गा हत तैयाब कन बला। बीडाक  
यकय ह्याब यादिन नीमक यमाकं मडा, तमाकलक डांट्णकं

जति, गाल्मयक, शांतक, मंग, मिला, कऽ, छतम, बीट्म, बला।  
 मऊमेन, या, बीबा, दुनुक, लही, शागगब, तलल्ला, बबसातक,  
 दुष्णयाक, ममग, बला, दानिक, ऊबबत, बग, यडलो, ऊब, गदन,  
 मन, दाना, कऊक, दिस, शाग, ने, दण्ण, ताव, गनक, ऊब-  
 ऊबबदसीमं, दुधिक, गगबी, ने, न, छले, बल्ला, बीम-यबीम, दिनक,  
 ताव, मऊमेनक, मुडीक, बन्दलाताक, गक, कुही, डयबमं, काट्म,  
 दलके, या, बीबाक, मुडीक, बदऽ, दलके, नीक, ऊबं, ऊबन, गाब,  
 लागि, गले, या, दूत-बतियाक, ममग, गले, तल्लेन, गाबक, ऊडिम,  
 उड, बीत, दट्म, कऽ, जी.ग.बी, लाव, लगतग, मग, शाग, मत्ता,  
 बीट्म, दलके, या, ब्लाडक, दानि, दलके, गक-गक, लाबमं, डयबक,  
 बीबा, यडलो।

गडामी-दडामी, मवानमं, लट्मकल, बीबा, यडल, दल्ले, तं, बिमबाग,  
 न, दल्ले, ऊ, बीबा, बिगे, शाकि, कैता, शाकि, मऊमेनक, बतीया,  
 मुदा, ऊबन, लग, ऊ, कऽ, दल्ले, तं, बगन्ता, लगि, ऊल्ला, बिताकं,  
 दूष्ण, बाती, ऊडल्ल, ऊ, गाव, बगि, यडेग, ऊगतलात, मधवता।  
 मबकब, दिसमं, शाती, माल, मधवनी, गट्मडियमग, दूत-दूत,  
 तबकबी-दडकबीक, बतियागिता, छिला, गतबदब, गायऊन,  
 कगल, गल, बला, मबकबक, उदम, बल, दानित, बाप्ति, दिस,  
 बिमानक, बागादित, कऽ, दत्तक, शाग, दण्णवाका, छिला, तबिक,  
 बिमान, गदन-गदन, ऊ, नीक, कदीमा, मऊमेन, मुबे, गाल,  
 मिबवाळ, लूग्यादि, मत्त, तबदक, तबकबी, लऽ, लऽ, यदंवल, बला,  
 मत्त, बिग्या, गदना-गदना, शागूम, ऊकब, ऊ, मामान, बले, म, लऽ,  
 कऽ, बेमल, बला, मुबेग, बले, तं, दू-दू, लाबक, मऊमेन, बले, तं



दू-दू दाबक, कदीम बले तं तीम-तीम-यालिम-यालिम  
बिलाक, शाल तं दनबदमं बीम-बीम बिलाका मिबयाळ्याक  
गाब बले तं गक दाबक गाब या लुधकी लगल मिबयाय द्यडल,  
द्याल बदे तं बंग-दिवंगक, बंग-दिवंगक दाकन ऊदां द्याल,  
द्याल मऊल बला ऊगतलाल मदा गदन तीनट्ठा लीबाकं लट्ठकेन  
बल, लांकी दधियाम बदन बला लीबा दल -दल गक-ऊळ्या  
दलनिदाबक तीड लागि बला।

दूमा द्यामक कृषि वैज्ञानिक मत मदा बला उदा लाकेन  
ऊगतलालक लीबा दललेना हुनक मतकं अगुन्ता लागि बलेना।  
ऊगतलालक मंग बाय-मसवीबा कलेना म-विशुताब ऊगतलाल  
लीबाक उयऊक वाबम कदलकेना गजम दुबझबक दब  
जिलाधित मदादय झायला कलेन ऊ लीबाक उयऊम दबम  
दुबझब ऊगतलालकं दल ऊळ्या गदी तबदं ककबा गम्भू, तं  
ककबा कदीमा, तं ककबा मऊमेनम, ऊकब ऊदन बीम बदे  
तदन दुबझबक मंग यत्तसी-दल दल बालळ।

दूमाक वैज्ञानिक, ऊगतलालकं मंग लऽ दूमा द्याम लऽ बालखिना  
या द्यामम कृषि उन्नैत ल्हाऊ वितागम कना ददयब ददयावित  
कऽ दलकेना तीन-बावकं गवाब ऊगतलाल गाम गावग,  
द्यामम नीक-नीक तबकबी या द्याल-द्याल, धानक बीऊ  
ळ्यादिकं उन्नैत बिमिमक मत वनवऽ लागल।

गाल वगद ऊगतलाल दम कदा तीगवला ऊमीन लबीद बंग-  
दिवंगक कलमी गाम गुलाबलाम, गगवाली, मिकल, मियिया,  
गुलाब नाग गादि तेमंग गुल ऊगुन, दल, धातीम, लताम, गनाब,

तबीरणा लुग्यादि बंग-विबंगक दाल मत लखीन शिवा मयन जाबि  
दक्षि जोगामम जाध कलदा कवी, मऊमेन, लीना, मुबे शाल  
मवदक लेती कबेत शिवा ममाऊम कानि ऊगले, दल्लोम कलक  
तं ममाऊक बंवा बदेक बालळा

कबिया ककदां ऊगतक लेती दह बाती तं ऊजाळय बाले ऊ  
कतो-कतो बऊवो कबधिन-

"दह, छदललदा ऊगतलालकां की कबेत की तऽ बालळा"

लाक कदे-

"तं शीक, कलाम की ने दाळ बळा"

शिव तं ऊगतलालमं ऊगतलाल बाव तऽ बाल

तगवानाक लीला गऊव शिवा, तळम कमक यधानता दल बाल  
शिवा कम कबदे तं दाल निर्मायित तट्टता नाग तबाम कतक  
दिन ऊंवा

मयन मंतथ [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) दब दगळा

९.७.कविलखन बाउतक ७ द्या कबा- कबा-७ ऊळयब  
मयादवीय समीझ गंणऊम मयादवीय दन्न दब

विददक लखकक शमीतित बयना या आळयब शमीतित  
समीझकक समीझ मीबीऊ म मयन धाब गतां ददलो-

१ कामिनीक दांय द्या कविता या आळयब मधुकासु माक द्दिश्वली

Videha 01 09 2016

९. जगदानन्द या "मनु"क "साहित्यक बासन"दब गऊइ  
गाऊबक टिप्पणी

VIDEHA 353

९. मुनी कमतक गदांकी "छिन्नीगीक माल" या शाळयन गऊइ  
गाऊबक टिप्पणी

VIDEHA 354

बो त्रुंदलाम गागां समानानुब धाबाक दिछ गलमाय दबाकबसं  
दुनक नऊबिस दुनकब गयन सबल्लन ७-७ ह्य दबा गागीतत  
कयल बल गीबा दबाकब लादनि बाब:-

अदितलबब बाडत

९.डमत्त मछल

९.बाम बिलाम गाद

७.बाऊदब मछल

७.नह बिलाम बाय

७.ऊगदीत दमाद मछल

१.दुगानन्द मछल

१.बामानन्द मछल

बो गंदम दमत्त गीब ददितलबब बाडतक ७ ह्य दबा, ऊळयन  
दमब समीझ गंण्डीम मग्गादकीय दूत दब गीबा- मग्गादक



कायिलइब बाउत कब दांयट्ठा कबा

कबा ७

दुननबा

दमुन दूत जाली तऽ ताब-ताब बिबित उलोमं यदिन दूत  
लाट्ठाक तल बिदा तली। हबलग गकट्ठा मत्तादवक मन्दब बला  
कनियं द्वाट्ठा कऽ दूगाक मन्दब मत्ता बलळ। दमुनक नियम  
बले ताब बच्चा मुद्दतम छणि निग्र बिग्यामं निवृत्त तलाक बाद  
दूत शानि, मनान कऽ तगवती या मत्तादवक दूज कऽ कना  
न कना धमयइक गीता बामायत दार कबी। तकर कबरा बले  
बजाबीक बिगादक माम-दू मामम बिधव लागवा।

शव न बिधवा बिगादक मुक्कणात तले दन, मती बबा दम तऽ  
लाल दन, यदिन ल दवइ ने न बलळ। यदिन तं यतिक  
मूळलाक बाद शकब मंवा शती गबियादब दनीयांक वलजबी  
ऊबा दल ऊळत बलळ। नदि तं ऊजबा माडी-माया-बलोऊ  
यदिबा, लावक पुडी द्याबि, मांगक सिद्धब मट्ठा गक वब लनाळ,  
बिद्य दालदाबी कनाळ, दाबबाब झाड कना दामब मद्धमं गद-

मय्यदव वीतवच्च लागल बलल्ल।

यच्चकला ऊ वमनक माग बली, शा शाळ वमनक ल दत्ता दत्त  
वमनसं दुबलक ताव कतग ऊळ बी।

दूत लाढाक लल वमन बाऊला यच्चकलाकं कळ द्यादि बाले,  
शादिमं नाव ढाव-ढावा बालल्ल। कना न दगता वमनक विगाद  
17 दत्तक डमबम कन बला गहन वमनकं ऊवानी यळल  
बलल्ल। गुलावक कलीसं दूत मन दिलल यदबा गाव-नाव दद  
कमल-कमल डन-यांछव, तवबा उऊवा नुशा वीदवन दाव  
मून, मांग मून दत्त कऽ शादिमं नाव ढाव-ढावा बाल बले कंछ  
द्यादि बाल बलल्ल।

वमनाकं माळक यदबा दत्त कऽ शादिमं नाव ढाव-ढावा बाल  
बलल्ल। दूतडाली नन गव-वककं गाढा तऽ बाला ऊदिना गव-  
गव कना इट्ठना-इट्ठन गवमुडी लागि ऊळ ब तदिना गाढा  
बला डुनूकं डुनू दल्लेत मुवा वळेत विया ना कनीकलक वाव  
वमन दूतडाली लऽ कऽ विदा तऽ बाल।

यच्चकलाकं वट्ठीक विगादमं लऽ कऽ शाळ तवक इट्ठना मान  
याडि बाल बलल्ल। इट्ठना बले उदययच्च वाव वट्ठी वमनक  
विगाद वीवतावयवक गनमात वावक लडक आमयच्चमं तल बला  
यच्चकला विगादम गदन दावमं मांग-बांऊ कन बली। वाया  
उदययच्च वट्ठी-ऊमाळक लल वान-वदडम कना कतादी ने  
कन बला। कना न कवितेव, डुनू वीववाव ऊमीनवाव तं नदि,  
मुवा दमाविष्ठा दितक मालिक तं बलादा।

उदययच्च वावकं गवट्ठा लडक मय्यदव शा गवट्ठा लडकी

वमुन, तंग वट्ण-वट्णम कना द्यव नदि तंग गयना मामबवक  
माताविक वमुनक विगाद वन बला।

गनमाल बावक दू लडका गवट्णक नाम बल आमवदु गा  
वामबक नाम बल विद्यावदु दुनू लडका ऊदन दल्लेम मुदुब  
तदन दद वत्ता बलेना ऊण लडका आमवदुसं वमुनक विगाद  
रुल बल म गल्ल मागक वितलादा इट्णना मान वडल बलल्ल।

दाबिताबदुबक गगल-दगलम विमुनदुब, कडदुब, वदुमदुब,  
वनवदुब, कमलदुब लुग्यादि ऊडतीतलक ममग बलल्ल। गान  
गाम मत्तम न मुदवाती दिन निमूद मुगबक वज्जाक गवट्ण  
लागीम बाज्जि माल-ऊलमं दाबियादा दल्ल दलागल ऊल्ल बे मुदा  
ऊडबतब मान दाबिताबदुब दिम ऊडतीतलक मनुद-मनुदम  
दल्ल दलागल ऊल्ल बे। ऊडतीतलमं गवदिन यदिन मनुग द्वा

येतम, विद्वान जन वेमादक यदिल दिन नीक-निकत मान वब-  
वबी, मुनगा दल वल्लल गात, दती-बीनी द्वा कऽ गान गाम  
मत्तम ऊंगली-ऊनवबक त्रिकब दल्ल बे मुदा गदि गाम मत्तम  
गवट्ण नमदुब दशीक दाबि-दांघ गामक बीवक बाध वा दल्लक  
मेदानम ललक सञ्जा लगा, दशीक बाज्जि देत बल्ल। गा ऊब  
गुडमाल्लम दगल ऊल्लत बल्ल। लू मत्त ऊगाब दांघा सात गामक  
लाक विजाबि, मामादिक वदु दाबि कऽ कबेत शिवा तागतक  
दल सण्डामं दशी दल्लि लिगा दू-दाबि गामक लाक गव  
तबदु, दू दाबि गामक लाक वामब तबदु, तमसगीबक कबमान  
लागल बदे बे, दुलिम वा दमात्तनक ववञ्ज मत्त बदेत बल्ल।  
तमसगीबक मुबञ्ज लला दुनू दलम त्त बदे बे, दशी दल्लक

दबम दतना ददना मांवि लगे वा दन दित्याद ने तऽ ऊळ  
तदब दना दम द्यादाबी ने दयता मत मिलक मांवि द्वांनदाबक  
ळताऊ दबोत म गदि दबक ऊडतीतलम कडयबक दंसबी  
दिसमं लयादब ललदना दलके ऊ ऊदना माय दुध दियोन  
तो म दशी द्वाळलकं लऽ ऊ लयादब ऊदिना नाम तीदिना दाय  
दाब लया गांगल-गांगल दद-दाब-दयब, दडक-दडक माब  
गंगन, माबयब ललक दयडाकं मुबगा दन, माबम ललक लाय,  
दाबम दाय दाबक दबादिया लागी लन ललकबा दन बलळ।

दाबदाबयबा दिसक ऊ दंसबी बले मदा लागीमं लेत बलेद, 50-  
100 कां तमसगीबा मत 100 गऊ दांय कऽ तमागा दद बदल  
बला मनमाल दादक लडक आमयदुदं कं ऊवानीक ऊत बलेद  
ददय मयनाम लताबा कलक या ललकबा देत गांगा दांय बाल  
या दशी द्वाळल ललका मय्या उदाबि कऽ ऊदां दि गांगा दळल  
दि दबमं दित्या तदन न लागी पलोतक ऊ आमयदुदं दयाबयब  
लगले गाम यीत तऽ दसि दडला दब-विबा मांवि बाला तीदि  
दांकम लयादब दशी लऽ कऽ मयना मूटम यीत बाला दना  
तददक दनाळबा तं गदन-गदन मोकम ने मुताबल ऊळ बळ।  
आमयदुदं मत मिल मयताल लऽ बाल मुदा आमयदुदक दाल तं  
दादिनादि यीत बाल बलळ।

माय दमुदलाकं दमुनक दुदता दद कऽ ददना मान दांड  
बाल बलळ। माये लल मऊदब बला दयाबी दमुनकं दुळय मास  
दित्याद तना तल बलळ। याद गदब दन दता दयता दमुनाकं  
गांदिमं नाब दमे बले मदा ददन बला।



मायकां गच्छ-गच्छ ऊर्ध्व गच्छ गच्छ तऽ गमगम वाञ्छल-

"गच्छ, ऊ ऊ मञ्जल-गलल नियम मद् मत् वनीन शिषि तत्कवा ताडित शिष्या शयन मद् मत् विध्वज तलाक वादा दृष्टा विद्याद कबत गा म्हीगलक लल यतिवशा की शाकवा दना मागावव नादि बल्ल? शाकवा दना शिष्यकव वा कतत्रक वाध ने बल्ल? की माल-ऊल ऊर्ध्व कतो दृष्टमल बद्धत? शिष्य विधवा मवदक लल वनावम वा कर्त्तव्य मुक्तिव ज्ञान द्वे, ऊर्ध्व वस्त्रावृत्तिव गङ्गा वनल बल्ल ने ये कनून मत्क ताडित शिष्या दम नाबी संगणन वनवे गा मञ्जल-गलल कनून मत्क दृष्टवे गा ममान शिष्यकव कतत्रक लल लडाळ लडवा"

वसनक माय मयद कलक, मय मत्तायता ममदक शायना कऽ म्हीगल मवदक वैसाव कलका मत् म्हीगल शयनाम दुल-मुलक यवा कबल्ल...

दुधनी वाञ्छल-

"दल्ल यमुकला दाय, मद्मं कर्त्ती म्हीगल गच्छकयता कबत म ममव बल्ल मद्क वनावट् वामव द्वे, म्हीगलक वनावट् वामव बल्ल कञ्ज-ध्वश गलवा-गलवा द्वे म कना दयता यमुकला ऊर्ध्व देत कदय लगली शीव म्हीगलक दुग्धन म्हीगल द्वाळत शिष्या कदिया दना वातक विद्याववा कलक दना ऊर्ध्व वट्णी ऊर्ध्व लेत शिष्य तद्वियमं शाकवा दय द्रुष्ट्यमं दल्ल ऊल्ल बल्ल कदेल तं तगवतीक, लक्ष्मीक, कलीक, मवयतीक ऊर्ध्व तल दन मुवा ववदाव कदन कबेत शिष्य म तं मवदक नडेवयव दला"

कनी मायलाक वाद दुधनी कदलके-

"दे दाय, गीक कदे बदा यब यमुकला कदय लगली तं ऊ  
कदलदक म तं गीक ब्, मद्दक ऊदन ऊ मनम दगत तदन  
दवदाब कबेत बदे बल्ला डुनियां कतय-सं-कतय तागल ऊ  
बदल गिबि गा दम मत्त छब गांगनमं लऽ कऽ युल्लि-यिनवाबम  
गायबायल बदी। कतक दिन तक कौन्दक बबद ऊकं कौन्दम  
छुमेत बदवा।

"तदन कदत ऊ कान तबदं गायबोलदा कनून मत्त मं गागां  
ऊयल ऊयता" -दुधनी बाउला।

यमुकला कदे लगली-

बिबि ताडल ऊते, बिबि ऊडल ऊते, कना गाम तिबानीया दगत,  
समाऊक दवझा तं दुन् (मद्द गा जीबत) मिलिय कऽ न मुयाकं  
कयमं यलोता गाडीक दुन् यदिया ने बदन गाडी कना समबता  
लतमं लऽ कऽ लीबदांन, छब-छबमं लऽ कऽ दलान तक मत्त  
कऊम दाब दंरुवग यडता।

मुलीना वाली बउली-

"नीक बिबाब गिबि, दम मत्त मंग दवा।"

कल्ललद वाली मदा दं ग दं गिला दलवा।

यमुद लाट्पकं समद वान लाला यञ्चऊ यमुकलाकं मब-मञ्चतमं  
युनि ललवा। समय बीतेत लाल, यक दिनक बेसाबम बिगादक  
यब-दब यलोता यमुकला डीरि कऽ कदे लगली-

"मुने ऊड, कील्लि दम गागा दाँर कऽ गदरुप कऊ कबव  
तल्लम मत्तकं मंग दवाक बदा तूब-आम गा लुल्लत लीबदल  
ने ऊल्ल बल्ला दानि, गुनाऊ गा ऊन्म लबीद मदेत गिबि।"

लालदाय बजली-

"कन कऊ शिख कहुँ ना"

"शयना गामक ऊ बिमान मलादकब खै तखन आकबा मंग  
तगवानक दल डांग दडल बल्ल आकब मंग वमनक विगाद  
कबव म की बिबाबा" बहकला बजली।

शहन तक पुय बली बमली दाय, डारि कs बजली-

नीक बिबाबि शिख दम गा बिबती (ऊ ममामात बल) मत्त मंग  
दवा।

बधनी बाजल-

तखनक कन तगवानक डांग दडल खै म तं दुसल न शिख गा  
गा कन ऊतक शिखा बहकला बजली-

तूतक यदा कबव तं तूत न धबता वतमानक सम्हाबव तखन  
न तबिआ बनता मद् ऊं बिधब दाल्लत शिख तं कियाक न  
बिधब ऊकां ममग वितवेत शिखा यतन मद्क वदय बले,  
ऊना-ऊना मन तले तना-तना कनन केदा बनवेत बला दे  
दाय मत्त ऊं शीबतक वमव बीजाट्ठ ने कबs दडे तं गदस्य  
कऊ धबतीमं शकम तकम ने शिख ऊ मादिला ने कs मकेत  
शिखा शयन बिदमक लल शयन गाग् दहग्य दडता गद-मचमं  
बिध ने दाल्ल खै कऊ कन गल-श्वगल वमवदका ऊति तं  
दूळगट्ठ खै मद् गा शीबता शीब मत्त तं बनोया बिरो। तखनक  
वाबम दुबे बद् तं कहे बिगा तखन गा वमन गद बलमं  
मिडिल गा डय बिद्यालयम दहो बला वमन 11मीं तक दहलक  
गा तखन केतऊ तक दहलक (बीजा) मुदा वमनक बिगादक

कबल 11मी याम कलाक बाद ने योङ मकला जलबाक विगाद  
तले मुदा या दसोम यगागब बल योङत बदला याकबा मंला  
तले ऊ ऊ विगादक बाद कानियां मासुब गलळा यविवाबम  
देखाना छब तं बले नोद, बादब-तीतब लल कानियां बाडी दिम  
लले, कना विषयब मांय काटि ललके, ब्याबीक कतना मड-  
याक तले, गहनक ऊकं यदिन मयकह्णीक दवाळ मर  
गयातालम नोद तले बल तंग ब्याबी मीब गलळा म तं बड  
गयाय तले याकबा मंला बुधनी बडली-

"दम जलब या याकबा बादमं विगाब-बिमर कलो दना बिना  
वन-ददऊकं यादत विगाद कबक लल तैयाब थिआ तं तं मर  
मंग दगद तं दम बिबवा बुबाकं ताडि दवळा"

मर किया समबन दs दलको या कालिय नम बड दिनक  
ममय बान गलळा बुधनी बडली-

ऊं मर मर बिबाध कबत तलना मबदक गीकदाबी ताब बी,  
कालि ऊ दते म दलल ऊतळा बुबवा दवा बदां की दथिया  
ऊल्लबम मुडी दलो तं मुगबाक कन डबा दलल ऊते बडकला  
बडली-

गीक बी बुधनी बडली-

बिद्वान तन गीत-नादक मंग वमुन या जलबक दुगामान्दबम  
युङगबी या गामक म्तीगलक समऊ ऊयमाला या मंताबाबलक  
मंग विगाद मग्न तला युङगबी या म्तीगल मर द्वाऊत  
दलका

वमुन या जलबक दियब वस यदिबल या गबदेनम दालक माला

दत्त यमुनानन्द द्वितीयं दत्त-दत्त नाम शक्तिमं त्वा-त्वा  
वातन्त्र

अथन मन्त्र editorial.staff.videha@gmail.com दत्त दत्त

९.७.दत्तदत्त दत्तदत्त ७ दत्त दत्त- दत्त-७ दत्तदत्त  
मन्त्रदत्त मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र दत्त दत्त

विददक लददक शर्मातत वचना शा शाळयव शर्मातत  
समीझदक समीझ मीबीऊ म गहन धवि गतां ददलो-

१ कामिनीक दांय द्वा कविता शा शाळयव मधुकात साक द्वाश्वली

Videha 01 09 2016

९. ऊगवानसु शा "मनु"क "मादिक कामन"दव गऊसु  
शाकवक द्वाश्वली

VIDEHA 353

९. मुनी कामतक गदांकी "जिहगीक माल" शा शाळयव गऊसु  
शाकवक द्वाश्वली

VIDEHA 354

शे त्रंदलाम शागां समानातव धावाक दिखु गलमाय दबाकबगं  
दनक नऊविम दनकव गहन सबल्लत ७-७ द्वा दबा शर्मातत  
दगल गल शिवा दबाकव लादानि धाव:-

१.दिलसुव गऊत

९.ऊमत्त मछुल

९.बाम बिलाम साद

७.बाऊदव मछुल

७.नसु बिलाम बाय

७.ऊगदीत दमाद मछुल

१.दुगानसु मछुल

१.बामानसु मछुल

ସେ ଶୂନ୍ୟର ସମ୍ମୁଖେ ଶାନ୍ତି କାନ୍ଦିଲେବ ବାଉଁଶର ଓ ଟାଣ କାନ୍ଥ, ଉଲ୍ଲସର  
ହସର ମଣିଷର ଶୃଙ୍ଖଳିତ ମସ୍ତକର ସ୍ପଷ୍ଟ ସ୍ପର୍ଶ ଶାନ୍ତି- ମସ୍ତକର



କାନ୍ଦିଲେବ ବାଉଁଶର କାନ୍ଥ ଯାଏଁ ଟାଣ  
କାନ୍ଥ

କାନ୍ଥ ଓ

ମୁମୁକ୍ତର ଶାନ୍ତି

ବିବେକ କୁମାର ଶତ୍ତରାବ ଯାହା ବଢ଼ିଲା ସମୟ କାଳୀର 9 ବର୍ଷର  
ସ୍ଥଳରେ ତାହାର ଯତନ ଦ୍ଵାରା ଫଳିତେ ସଫଳତା ଯତନ ଦ୍ଵାରା ଜାଣିବ  
ମୁମୁକ୍ତର ଯାହାର ଦାସ-ଦାନର ସଫଳତା ଶା ଦାଲ୍ଲିନ-ଦମ୍ଭା କାs କାs  
ଗୁରୁର କାବି ସତ୍ତା କାଳର ବିଦ୍ୟାତ୍ମା କାଳର ଶାନ୍ତିର ବାଉଁଶର ମୂଳ  
ତଳ, ବାଉଁଶର ତଳ ବାଉଁଶର ତଳ ସଫଳତେ କାନ୍ଦିଲା କାଳ ଦଳା ଯାବ  
ତେ ଶାନ୍ତି

ଶତାବ୍ଦୀ ମାମର ମୁମୁକ୍ତ, ମନର ଯତନ ଦାସର ଶାନ୍ତି ଓ ବାଉଁଶର ତ  
ଦଳର ମୁକ୍ତ କାନ୍ଦିଲା ଦମ୍ଭା ମୁକ୍ତର ମନଜାବା ନଳ କାବା ମଦଳର ମ  
ନାହିଁ ତ ଶାନ୍ତି ମାମର ମୁମୁକ୍ତର ବିଦ୍ୟା ନ ଦମ୍ଭା-ଦାସ ମୁକ୍ତର ମନଜାବା  
କାs ଲା ବିଦ୍ୟାବ ସଫଳା ମାs ଶାନ୍ତି

दम-यनबद किला घूबा माल गनलका, 25 किला दुधका दती  
 दोबलका मात किला घीनी गा दू माग मयता गाम गनलका गा  
 गाममं बादबा दुध दिन कलोशा तण्डाबाक दल गुक  
 मदबाऊलीकं दयामट्ठा ट्ठाक दऽ दलको बाबिस दिन, दुध दिन  
 बले, तण्डाबाक लंडम बन बला

दुध दिन ताब संगामयबक दाट्ठमं गल्त गा दबाब गा गाकब  
 ममाला लुग्यादि गनेल दट्ठाकं कदलका दम-दमट्ठा ट्ठाक  
 गामम दबाडी मतकं दल दवाक बले तंग ट्ठाक दल्लत यतनदाम  
 गयन बिदा तला दल देत-देत गऊव दामक शाळगाम ददुंयला  
 गऊव दाम छबयब बला ताक दलखिना गऊव दाम गंगनग  
 बिछु कऊ कबे बला तदन गवाऊ गलेना लगल दबदळ्ळयब  
 गावि यतन दामकं जोकीयब देमेक गागद कलखिना डुन् गाब  
 जोकीयब देमला

गऊव दाम दुबलकेन-  
 "की बात, कमदन गलौ दन?"

यतन दाम दऊला- "गयनक शाळगाम गलौ। माणि मुतक  
 तण्डाबा कबेक विद्याब तल दन म गयनकं ट्ठाक दल्लत गलौ  
 दन गा द गयन तं तऊन-ताब मत्ता कबे बी म दू-बाबिट्ठा  
 तऊन मत्ता दते, तंग दम दऊ तक गावि ऊगवातण्डाबा बाबि  
 दऊ मांसम दतळ्ळा"

गऊव दाम दऊला-

"शीक ब्रे ट्ठाक तं लऽ लळ बी, मुदा गकट्ठा बात कद- तण्डाबा  
 कतग दतळ्ळा?"



यतन वाम कदलकेन-

"कतय दत्ते, यदन राकजाबी शिखि या गागांस सबदाबी यदुतबा  
शिखि शति दत्ते शोब कतय दतळा"

"तदन दम दल ने मानव, ऊं वडुबंगवली ज्ञानम तण्डाबा  
कबेक लंजम कबव तं दल लव, तदूम माग वनोनिदाब बिन्हा  
यनिबन्हा दता तदना"

कदेत गजव वाम मुयाबी शायम कबेत यतन वामकं दाबम  
वऽ दलकेना

यतन वाम बोव तऽ बिद्य नदि बाऊला बाट्ट जोकीयब मं डशि  
बाल या बिदा तऽ बाला

बिबव कुमाबव क्षब लग वऽ वऽ ऊळ बल कि बिबव  
कुमाबयब नऊब यडलो कुतल-समायाबव तल बिबव कुमाब  
लग यदंयला

नमश्च-याती तला बाद बिबव कुमाब यदन जोकीयब वेसेक  
शायद कलकेना यतन वाम जोकीयब वेस बाला बिबव कुमाब  
गदवाब बादि दुबलकेन-

"कमदब बललियो दन, मुंद मुखल शिखि?"

यतन वाम बाऊल-

"की कदीं ताल्ल मादेवा तण्डाबा कबेक बिबाब तल म माशि  
मुतक दल बलियो या तजुनियॉंं मुत गजव वामकं दल  
दळल बाल बलो म गजव वाम कदलक ऊ ताबा गेगीम दम  
ने लवद ऊं वडुबंगवली ज्ञानम तण्डाबा कबवद तदन दम  
ऊवदा मयद बगन्ता लागि बाला ऊ कद मर गाम ऊति-याति,

डुंय-नीय, बुया-बुतक तद-ताव बैदा दमबा दाल्ल बल ऊ  
 दबाडी तं लू मत तियागि कऽ दबाडी दाल्लत गबि, शाकबाम  
 दना तबदक तद-ताव ने दाल्ल बल्ल शाकबाम दया-ताव बदे  
 बल्ल मतकं गक-समान दुयेत गबि। मुदा शाकबा दङ्गीम जाति-  
 दाति हुकल बल्ल।"

विवक कुमाव कदलकेन-

"दो यतन दाम, दुबना लीतदाम मत दुसबदक न तं दतद ऊ  
 गदन विऊदशी मतकं गाम वाली गावि दिगो।"

यतन दामकं ऊना जिङ्गमा बढलेन तदिना दुबलखिन-

"म की?"

विवक बाऊरा लगला-

"तं मुनद दम दू-बाबिट्ठा माट्-माट्म हट्ठना कदे बिग  
 बिगक तं तदं शीगतागल बद, हबयब तण्डाबा बिग दयाम  
 मुतकं दल दन बदका तंग माट्म कदे बिग- मतयुगम बिग  
 ग मत्तादवकं सगडा दाल्लत बलेना।"

विङ्गम, शकबकल्लत यतन दामकं मुदसं निवेले बाल-

"तगवाना सवदक बीय सगडा दाल्ल बल्ल!"

"दं, दो मत्तादवक दट्ठ गलत्तकं दूऊ ददिन दाल्ल बं ग  
 दवताम मतसं देख मत्तादवकं मतसं मत्तम दाल्ल बं, गहन  
 गतव कदबदा।"

"दं, म तं गलत्तक दूऊ ददिन दाल्ल बल्ल।" -यतन दाम  
 बाऊला

"तताम बाम संबदकं गबदेन दाटि दलके बिगक तं मुड बला

संबूत दबत गाबम दगबतं डुयब शा मुडीतं निभ्यां वऽ वऽ  
तयशा कबे बला डुंय वगक ताकतं ने दलल ललल्ला बामतं  
वबगललका बाम मनत बाऊ शादी संबूतकं गबदेन दांर  
दलका" विवक बाऊल

"लू तं बड गम्पाय तलल्ला" यतनदाम बडल्ला

गतवम यदाविदाब लगे बला विवक कामाब दुबलकेन गाबा  
मुनद हायबम खायायाय शा गकलश्रक हिग्मा वगल बत दिन?  
"नाद!"

यतन दाम बाऊल-

"तं मुनू खायायाय केबव-याडुवक गुक बला कूबं वंरत  
मतकं त्रिङ्ग दन बलल्लिना गकलश्रकं मन तले ऊ दमदं त्रिङ्ग  
गदल कबीा तल्ल लल खायायाय लग त्रिङ्ग लवग लल लला मुदा  
खायायाय मुख कादि शाकबा त्रिङ्ग दल्लमं लूनकाब वऽ दलका  
तल्लन गकलश्र यल कलका ऊंग त्रिङ्गम गुल बे तंग न खायायाय  
त्रिङ्ग नल्ल दलेना शा गयना शात्रमम ने बल्लेना म ने तं त्रिङ्ग  
गदल कबव कबव शा ऊंगलम ऊ खायायायक माळ्दरक मूती  
बना गुक मानि गम-तमक गत्रयन शा गतियाम कबग लागला  
गदन वगमगब निवलल ऊ खायायायक त्रिभ्यम गकदर शादन  
बीब नाद बला गदन बीब बल गकलश्रा"

विवक दाम बाऊल-

"दं दो, गागां मुनद गक दिन खायायाय गदन शा बिडु त्रिभ्य  
मतकं लऽ वऽ ऊंगल दिस दुमेल लला मंगम गकदर कुसा  
मदा बलल्ला वनऊन गावमीकं दल कुसा मुका लगला गदन

कुम्हारकं माताव दास्यत बल्ल म गवतलथ तदन वात माबलक  
 ऊ कुम्हारकं मुदक डयबमं निम्मा-मुदं मुदम गंवा बालल्ल कुम्हा  
 वीउल डावायाय लग बाला कुम्हारक वत्ता दल डावायायकं  
 बगन्ता लागि बालल्ल कुम्हारक मंग गवतलथक नऊवीक गगला"  
 "गना कऽ माबलके तीब!" यतनदाम बाऊला

"दं दो, तदन की गले म वुम्बदक तं दांत गांगमी कट्पदका"  
 विवक बाऊला

"कद-कद की गलल्ल" यतनदाम दुबलकेन।

"डावायाय गुब दडिता मंगलके, गवतलथ मिध कदलकेन ऊ  
 गादत्त दास्य मलय न, तं तं गयन ददिना दाबक गांगा दास्य  
 कऽ दा" -डावायाय गादत्त दलदिना।

तुम्ह गवतलथ विना मायन-विद्याबन गयन ददिना दाबक गांगा  
 दास्य कऽ डावायायकं कऽ दलकेन।"

"लू तं बड गम्माय कलेन डावायाया" -यतनदाम बाऊला

"म तं तूदी वुम्बदका" विवक कदलकेन।

"दं दो यतन माय, लू तं मतयग, वता-झायबक हिग्मा  
 कदलियदा गाव कलयगक हिग्मा कदे धिगा बावा मादेव तीग  
 माव गम्बदकबक नाम तं मुनन ददद?"

"दं मुनन धियो, गयना दत्तक मौवधान निमायम दूनक यागदान  
 बलेन। 15 गगन्त गा 26 ऊनवबीकं धिया-युता गम्बदकबक  
 नाम लेत गद्धा"

यतनदाम कदलकेन-

"दं, गीक धियो दूनक कदिया गदूलम गगला मास्यब ने वेमऽ

कलकेना ऊदन कि मत्त य्त्तामम दाम्द कवे बला ऊतित्क बल  
 तंगा मुदा गम्बदकबम लगन बले, यातित्ता बले, दत्तक यात  
 ममता बलत्ता तव न गदन मदान युक्कय तला ऊति-यातित्क  
 कनून लऽ कऽ गांध्याजी मं मगडा तऽ ऊर्ना ऊतिय-याति लऽ  
 कऽ बोझ धम मवे दबम ग्बीदक कलेन गम्बदकबजी" -  
 विवक बाऊला

"गबो ताबीक! गदन-गदन किबदानी मत्त तल बल्ल!" -यतन  
 दाम बाऊला

विवक शागां बाऊल-

"दं हो, मय्य वात खियो तदन शीब मुनदा गयना दत्तक ऊ  
 बाय्दयति बला ग.दी.ऊ. गम्बल कलाम मादेव, दुनक मंग  
 य्त्तामक माशब गम्बदकब ऊर्वा कलकेना मुदा शा माशब,  
 कलाममं हृष्टी मानलकेना गदन दालम देवबावादक  
 मदाविद्यालयम बादित दमलाक मंग गदिना तले दना बादित  
 दमला मदा दलित वगक लाक, शाकबा मंग ऊति-याति लऽ  
 कऽ दुबदवत्ताब कलके वयाबा गान्मदय्या कऽ ललका"

"किग गान्म दय्या कलक?" यतन दाम दुबलकेना

"नल्ल दमलदक, यगद सबल शा गबलक बलेता शाब तूदी  
 कदद ऊ गऊव दाम दल ने मानलक तं गतक शाकत्त बदा  
 शा तूदी डाम शाकि दमाबक शाळगाम ल्बदक ला नीद ना ल्ल  
 दबय्याक दाद खियो गक वग ज्ञायक शखि शा दामब वग ज्ञायित  
 शखि नुमदब शागि ऊर्वा तब-तब दुन् शाकत्तित शखि तामन  
 कनिदाब कलना नीद बादत ऊ दमबा शागां दामब गाल तऽ

ऊया तदिना ज्ञायित वग मदा गाग-मुदं ऊय वदेत गंधा  
दगलीम दगली गा तळम दगली गंधा गतक न ऊति-याति  
गंधि गा गद-दामगामं झूया कवेत गंधि ऊदक दामावाम नदि  
कतक कदवदा मुळल माल-ऊलकं डगा कs द्यकलक, तंग  
यमाव गंधाय तs बाला गा ऊ ऊतद वदवी कटलक गा ललक  
गा क तला"

यतनदाम बाऊल-

"यो ताय मादेव, तदन कू मत्त कना मट्ठायत?"

विवक कदलकेन-

"कना मट्ठायत, म की दालि-तातक केव खिगे ऊ यट्ठ-यट्ठ  
मान् गा मुंदम कs दियो। ताम्-युवालय गंधि-मुनी मत्त मनुयक  
ऊदेक किया कलाय लिखलेन, तका कण्ठिगल मत्त दामव-  
दामव कयम ववदाव कबs लागला विद्याव द्यित तs बालळा  
तकब कू दुदत्ता खिगे ऊदन डयवक कनी निम्ब्यां दिम मूकत  
गा निवला डयव-मुदं मसवत्, ऊळमं दीयम गावि कs दुनूकं  
मुंद-मिलानी दत्ते, कना हय-ताव ने बदत्ता मत्त-मत्तकं मुल-  
दुलम मंग दत्त, समाऊ गावि दत्त नीक ऊकं यलत्ता"

"तावा तण्ठावाकं कूण्णम कबवाक बदत्ता दामव दिन निवनमं  
गय-मथ्य दत्ते, तदन विम्तावमं कदवदा"

"गीक के ताय मादेव गहन ऊळ बी"

## ९.६.कुमार मनाऊ कथय- अणु लक्ष्मकबा



कुमार मनाऊ कथय

### अणु लक्ष्मकबा

बाबा दाबिब सिक्काई०

"दाया! गातां कदित बदी ऊ गयना आदिगाम डग-डग यब दादाबि माब गा मलान स' तबल; स गतक वब गाम ललदं मुदा गातां कदिया दललदं नदिं?"

"गातां क ऊम स' दिबुरा वल यदितन तव बले दोणा .... गाव नदिं बदले! मडकक गादि कत यंदगझा लग ऊ धानक लत बे स दादाबिब बले....गाऊब जोमदानी लग दादाबिब द्दुपल ऊणि गलना आदिना गाढं बे। गयन गाम स नदियां दिबु तs यांय

ह्म सs कश्चि थाहाब नर्दिं बद्दी स मतह्म तवतीहानक विन  
नामि बलो गाम सs लाव ह्मदब यलि बले..... थाहाब-माहाब क  
क दलिहते? थाहाबिय स माब या महान दाह....स ऊहन थाहाबिय  
नर्दिं तहन माब-महान कना दते?" गर्दीब डमाम झाडेते बाल  
क यन्नक डमब देत दमब दगधल मान कलिय बाला मुदा वात  
बेल यानि बाल यानि ऊदां ऊच्चिय हतमा सs बाला बाल मन्ना  
मदन मंगी मंग बलवा लल दड़ा बाला

शाहू आँयिस सs ह्म स येब देत दलित बी बाल क कुमी यब  
यदी गड़ी ऊचकन दबाल यब 'यग-यग थाहाब माब  
महान' बला थाहाब क यन सs दकये स मयम्याता दम  
ऊडवत मुन्न बवाक... यक ह्मक शादिना शाकना दलित बदि  
बाल बदी।

-कुमाब मनाऊ कश्चिय, मश्चति: तावत मबकब क ऊय-  
मायब, मयक: सी-11, ह्मबब-4, ह्मल्लय-5, विदबल्ल नगब  
यूव (दिल्ली दाह क मामन), नल्ल दिल्ली-110023 मा.  
9810811850 / 8178216239 ल्ल-मल :  
writetokmanoj@gmail.com

मदन मंतय editorial.staff.videha@gmail.com यब यगडा



## ९.१.ऊगदीत बसाद मझल- बिबाबक बदलता



ऊगदीत बसाद मझल

### बिबाबक बदलता

गाम-धरम ऊदिना कना ऊगाडी बाल-बाध दशा गदन मनका  
गदगाम कबेत मान गदग कबेत बाध-बानस आदन नव  
ऊनमित बा नव कलित गदक यात दल नव बरि गदन  
बाग-बाग्याम बायि मऊवेग तदिना कलानम ताय गदन बाग-  
बाग्याम नव-नव बीऊ मऊवेत ऊवानम तालक मनक  
बाग्याम बायलेना गदन धरिऊ ऊ मारिअक बवाद मेबिलीक  
गद ग मगाऊक बवादम बाड-बाड ददल गद ग बाड-

बाब मर्यादा शिखरा शक्ती धाराक यवाकम कालानन्द तालक मयश्च  
 जीवनम् तायमं तलेना शाना, डमबक दिमावमं दुनम् दयीम  
 वल्लक मयश्च ब्रेना शलन तल्लक जीवनम्, मान मयश्च वनेमं  
 योदन धाबक ऊ जीवन दुनू लाबक मयन-मयन बलेन तल्लम,  
 वनिय्यादी मयश्च ब्रेना शाना, जीवन मान ववत्ताबिक जीवनक  
 मंग वेयाबिक जीवन मत्ता ताल्लय मुवा तल्लम बाधा वीयम श्वता  
 शिखि शा नोदियां श्वेया शा नित्तब कवेया जीवनक गति-विधियबा  
 जीवनक दू श्वश्या वीयक दू जीवनक मयश्च शिखा गक जीवन  
 शादन शिखि ऊ जीवनक नीयमंत्त णालयब शिखि शा दामब  
 जीवनक डयब मुंत्त यल्लालयबा समय मयना गतिय यल्ल कबत  
 तंग योतिया गव कबत शा तदवाबि मत्ता गव कबता शलन  
 धाबक जीवन, जीवनम् ताल्लक ऊ दययन-माल्लयक वीयक  
 बलेन, शा मात्तियब मं मान मत्तीत्त जीवनयब मं डगल जीवन  
 बलेन, तंग यत्ताड ऊवां श्वतीमं ऊडल बलेन ऊल्लम दुश्चट्याना  
 वा लमे-यडैक डब कग बलेना तंग कदव ऊ शातव डयबग  
 ऊं दवाळ-ऊत्ताऊयब बदव तल्लन तं लमे-यडैक मत्तावना ने  
 बदेया म नाद, शाल्ल मयञ्ज वमी बंदिता शिखा

समय मयना गतिय यल्लिय बल्ल शिखा योबवत्तम भाड गन विद्य  
 कबावाब, ल्हाती-गिबदसीक मंग शाना-शान, माविया ल्लक शा  
 विद्य वल्लवा तं कबव कगल शिखा ऊदिना कवीब बावा कदन  
 ब्रेव ऊ 'दा यात्पन क वीय मं, वीकी वय न कल्ल' तदिना  
 योबवत्त वीन बल्ल शिखा गक दिस दवाळ ऊत्ताऊयब विगादक  
 मडवा मडैया, ताऊ-तात ताल्लय तं दामब दिस माव ऊडक  
 वान्तल लबती-वसीक वनील मडवायब मत्ता विगाद बयल ऊल्लत

શબ્દો લેતમ કહી કહેવલા વા કહેવલાક ચોગલા યીઠી, ચયના ચોગમ માટ્ય-માટ્યી લીમ વલમ યીઠી વલલેચ, લેતમ કંટ્ય કહેવાના યદુંચ બદલ શબ્દ, ઝલ્લમ ઝીવનમ માહ શાંવ ચોગલા યીઠી ચેલલા યીઠીક વેચાંચિક યજ્ઞીતિક માહિ બદલ શબ્દો માતાંચિક શબ્દ, ઝીવનમ માહ ચન ચના દવ કહેત, તકચ ચનક કહેત શબ્દ, શાંવિક શામદનીક વલ્લમચીક મંગ શાદન નવ ઝગદ ઝ ઝીવનક મૂલ શાવચ્ચકતાક યતિ કહેવલા લીન લાલ શબ્દ, તેશામ ચામીચ ઝીવન શા તદચી ઝીવન યજ્ઞીતિક માહ વતમાન ઝીવનક માહવ કહેતા

ચલન શ્રીચ ચયના ચોગમક ઝ ઝીવન યજ્ઞીત યલેત શાંવ બદલ શબ્દ, તલ્લમ મામાઝીક કયક મંગ વેચાંચિક ઝીનચાંમ મમચમચન શબ્દ ઝલ્લમ મમાઝીક ધુચી ગતિત્રીલ શબ્દો મુદા ઝ ઝીવન નવ યજ્ઞીતમ ઝીવકઽ શાંવ દુચ યાંવિ બદલ શબ્દ વા તલ શબ્દ, તેશામ તં ચલન યજ્ઞ શબ્દો લીન ઝ ઝીવન યજ્ઞીત મત્રીનક ગતિચ નાંવ યીલ મલેચા મામાઝીક ઝીવન ઝીલિના મમાઝીક મંગ ઝીલે-લેનમ મમચ લગલેચ તીલિના ન શાકચા ઝાહવામ મમચ લગલ કહેતા ચાતા-ચાતી મત્રીન લમ ચુલા ચાચ લાંવ મલેચ, મુદા મનુચ્ચક ઝીવનમ મ લાહ મમચ શબ્દો. ! લાગચ ઝતચ ઝ શબ્દો મ શબ્દો તલ્લમ ઝીવાનચ તાચ શા કલાનચ તાચક તલ્લમ લન મતલલ લેન, લન મતલલ લેન ઝ મિલિલાક યંવલવાચામનાક લીચક ચગલમ ચનચ યહલ લલતા ઝીવન ઝીવન લી ઝ મત ચયન લાચાલ યાંવેચા ઝીવન ઝીવેક લાંગ ઝીલિના લમ લી તીલિના લમક લાંગ મલ તં ઝીવન લીલ મંગી તલ્લન મનમ લાલ્લ શબ્દો ઝ ઝીનચાંમ ઝીવેક ચલ્લ ચલ્લ

शाना, दाना-गायक बन्धु बन्दल जल्लय गुदा बन्धु दामब मान  
 लुता शय्यर ऊ दाना वसु वा विद्याबन्धु बन्धु, तत्पला ऊदन  
 गदमं गाय बन्धु, मान शयनामं गाय बन्धु दामबन्धु बन्धु  
 जीवनर तत्पला तदन विद्याबन्धु संग दल्लय मत्ता बन्धुयन शयित  
 शय्या मत्त अनित बी ऊ मनुष्यान्धु शयन लल-ऊल शयन दाम-  
 दामबन्धु संग दल्ल दल्लत शय्या

जीवनर ताय शा कुलानर ताल्लक बीयक मय्यश्रम, मान  
 दकतीगत वैयाबन्धु जीवनक मय्यश्रम, तत दगाढता शयि शलेन  
 ऊ जीवनक मय्यश्र दतमुद्धी दानित-दालित तऽ शलेना गद मंग  
 दल्ल-दल्ल दाम दुनू दकती शयन जीवन-मबलक विद्याब-  
 विमत्तमं लऽ दऽ गाम-ममाञ्जक बीयक जीवन-मबलक मंग  
 मल-दुल्लक निवाडेक बासाक लल्ल मत्ता दामर लगला  
 दामबन्धु जीवनक मंग, दामबन्धु गति-विधिम मत्ता गद-  
 दामबन्धु मददगाब तला ऊदन दुनियांम मंगी तत्पला तदन  
 मंगयनक दगाढता बन्धुत शय्या

शाना, दू बंगक दवताबक बीय दुनूक जीवना बदलेन शा दू  
 बासां गल्ल मत्ता बन्धु गदक जीवन मान कुलानर ताल्लक  
 जीवन शदन बदलेन मान शल्ल दामबन्धु दामबन्धु बदलेन  
 जल्लय मत्त तबदक मविधा बदेत शय्या मान लू ऊ दल्ल-  
 लिखल माता-पिताक मंग विद्वक्कनक दामबन्धु-ममाञ्ज मत्ता  
 बदलेन, दामबन्धु विम जीवनर ताल्लक जीवन शदन बदलेन ऊ  
 शनिमित दाल्लत शय्या तद शनिमितम मामाञ्जकता मत्ता दमल  
 बदलेना मामाञ्जकता लू ऊ ममाञ्जक बासाबक जीवनशायम

ଶାନ୍ତି ବିଦ୍ୟାମାନ୍ତୁତୀ ଦନା ଦନାଗତ ଓଷା ଯଯାତୁ ଧାବା ଦକତୀଗତ  
 ଓଷାବନମ ମହା ପତେଷ ଓ ମମାଓମଂ ଓଷତ ମହା ପାତତ ଶିଞ୍ଜି, ତାଦିନା  
 ମାମାଓଦ ଓଷାବନ ମହା ଦାହ୍ୟ ଓ ମମାଓଦ ଧାବାଦଂ ଦକତୀଗତ  
 ଧାବ ଧାବାମ ଧବାଦିତ ଦକ୍ଷେତ ଗତିତ୍ରିତ ମହା ଦନେବତ ଶିଞ୍ଜି।

ଦାହ୍ୟ ଓ ଶିଞ୍ଜି, ଓଷତ ଶିଞ୍ଜି ମ ତତ୍ୟ ବଦତା ତହ୍ମମଂ ଓଷାବନସ୍ତ  
 ନାୟ ଶାଦି କୁଳାନସ୍ତ ନାୟଦଂ ଦନ ମବାଦବ ଦେନା ମବାଦବ ଦେନ  
 ଶୟନ ଦୁନ୍ ମଂଗୀଦଂ ମଂଗ ମଂଗୟନ ନିମାଦବମଂ ଦବଦାବିଦଂ କୟମ  
 ଓଷିନା ଶୟନାଦଂ ଦୁନ୍ ଶାବ ଲ୍ଲମାନଦାବୀଦଂ ଦୀପ ମସ୍ତସ୍ତ ଶାଢ଼  
 ଦାହେନ ତହ୍ମମ ଶୟନ ତଦଂ ଦୁନ୍ଦଂ ଦୀପ ଦନା ମନ-ମନାସ୍ତବ ଶାଦି  
 ଲ୍ଲମାନଦଂ ମଂଗ ଦୟା ନଳ୍ଲ ଗତ ଶିଞ୍ଜି।

ମାମାଓଦ ଧାବିବତ୍ତମ ମସ୍ତସ୍ତଦଂ ଗୀତବ ବିଦ୍ଧି ବିଦ୍ଧୟନ ଯଦ ଦାହତ,  
 ଓଷ୍ମମଂ ମସ୍ତସ୍ତମ ଦୁବୀ ଦନବ ଜ୍ଞବଂ ଗତା ମଦା ଦୁବୀ ଦନଦାଦଂ  
 ଦୟାତିୟା ବିଦାବମ ଦମୀ ନାଦି ଶାହତ ଶିଞ୍ଜି ଦଂ ଲ୍ଲଦା ନଦବତ  
 ନାଦିୟଂ ଓ ମଦେଶ ଓ ଶାଢ଼-ବଦତ ମନାସ୍ତବ ଦଞ୍ଜଦଂ ଦାଦିତ ନାଦି  
 ଦାହଦଂ ଶିଞ୍ଜି ଓଷ୍ମମଂ ଦୁନ୍ ମଂଗୀଦଂ ବିଦ୍ଧି-ନ-ବିଦ୍ଧି ଶାଢ଼୍ୟ ଗତ  
 ଦାହେନ ଶିଞ୍ଜି।

ମାମାଓଦ ଧାବିବତ୍ତ ଗତ ତଂ ଦୁନ୍ ଶାବଦଂ, ମାନ ଓଷାବନସ୍ତ ନାୟ ଶା  
 କୁଳାନସ୍ତ ନାୟଦଂ, ଦେଦାବିଦଂ କୟମ ଦବତା ଶାନିୟ ଦାହେନ ଓ  
 ମନୁଷ୍ଟା ଶମଶବା ଧବତୀୟବ ଦଂଶୀ-ଦୁତୀୟଂ, ମାନ ଓଷ୍ମ ଦୁନିୟାମ ଦଶେ  
 ଦୀ ତଦ୍ ଦୁନିୟାମ ଓଷାବନ ଦଶବ ଦାହ୍ୟ ମଦେଶା ଓଷ୍ମନ ମନୁଷ୍ଟା  
 ଶୟନ ଓଷାବନଦଂ ଦାଦି ତହ୍ମମ, ତଦ୍ଦନ ଦାଦ-ଦାଦ ଦାଦିତ, ଦାଦନା-  
 ଦାଦନା ଧାବ ଦାବ ଦାହ୍ୟ ତହ୍ମମା ଶନାଢ଼ୀ-ଧନାବୀଦଂ ଓଷାବନଦଂ ମଂଗ  
 ଶା ଓଷା-ଓଷାଗତ ଓଷାବନଦଂ ମଂଗ ମସ୍ତସ୍ତମ ଶସ୍ତବ ଶିଞ୍ଜିଗ, ଯଦମ  
 ଓଷିନା ଦାହୟନ ବଦନ ଦୁହ୍ମଦଂ ଦମୀ ମମାବନା ବଦେଶ, ତାଦିନା

विद्यावत्क यद्वलता बदन दामवम म नल्ल दाल्लया

शयन विद्यावत्क गनुक्कल तविश्रम ऊढन दान्ना श्वेय तल्लन  
विद्यावत्कताक मनम युनः विद्यावत्क दगता शविश्र ऊल्लया शाना,  
जीवानम् ताय निर्वाविद्याबी लाक ब्वेव, तंग ल्ळ शयन विद्यावानुक्कल  
जीवन यात्ता कल्लय बद्दल ब्वेव, ऊल्लम विज्ञ-वाधार्क द्दवत्कव  
माताविक दुरित ब्वेव ऊल्लमं यात्ताक वीयक गतिम क्तो तजी  
बद्द ब्वेन तं क्तो मम्बक संग विलमाड-एदभाव मत्ता श्वित ब्वेन,  
ऊक्कवा शा लीननक शल्ल विद्यावत्क गनुक्कल गंगीकव क्वेव  
मानिकऽ व्ले ब्वेव ऊ गक कदम गाग, दू कदम दान्ना, शयन  
जीवनानुक्कल गनुक्कल शान्नावयव कदन ब्वेव।

संश्राग वनल, कुलानम् ताल्लक विद्यावम एदभाव गन, दूश्रम  
मत्ता दूय गलेन ऊल्लमं मन मानि ललेन ऊ व्लेक वाट्म,  
जीवन जीविक बाश्राग क्तो-न-क्तो कमी ऊक्कव शब्बा मदळ  
जीवनक लाक शयन मदळतामं गाग दळोवत्त शब्बि, मुदा  
शमदळ जीवन तन दामवाक ऊक्कवत्त मत्ता यळित शब्बा दुनियां  
तं दुनियं बी ऊ शात श्वव लाकमं तबल शब्बा तद्धम शयन  
मिद्विला तं मदळ मिद्विला बीद, दयाशा दहमं श्वेत्त मवक्कव  
दाववाव नियाऊन शल्लन तक्क नियाँतत्त नादियं कलक शब्बि,  
कतवा यावा-नुक कऽ तूरा-दया विग न दाल्लया, मुदा तल्ल  
मतमं लाकक दळववावि ब्वाड कमल शब्बि शाकि कमता।  
कदव ऊ कना कामि मवेय?

कमेक शमान ढंग शब्बा शा शब्बि मनुक्का शयन दुनियादी  
जीवनक यक्कळ ऊढन तविश्रागुत्त दत्ता तल्लन शयन

ଜୀବନାନୁକୂଳ ଜୀବନ ଶା ଯାବିବାବ ଦନା ଯତ୍ୟା ଲଗତା, ମ ଓଢ଼ନ  
 ଯତ୍ୟା ଲଗତା ଦି ଶନବ ନ ଯାବିବାବମଂ ତଃ କଃ ମମାଞ୍ଜୁ ଧାବି  
 ନିୟନ୍ତରା ଦ୍ରୁଷ ଲଗତା ଘାଗବ ଓ ମ, ତତ୍ତ୍ଵମଂ ଜୀବାନନ୍ଦ ଗାୟ ଶାଦି  
 କୁଳାନନ୍ଦ ଗାୟକଂ ଦନ ମତତ୍ତବ ଶ୍ଵେନ, ମତତ୍ତବ ଶ୍ଵେନ ଶ୍ୟଦନ ଜୀବନକ  
 ଓଢ଼ାନମଂ।

କୁଳାନନ୍ଦ ଗାୟକଂ ମନମ ଶ୍ୟଦନ ଦୀତତ ଜୀବନ ନୟତେନା ନାଞ୍ଜିତ ମନ  
 ମନ୍ତ୍ରାୟ ଦତ୍ତଦେନ ଓ ମଂଗୀକ ଦବୀଞ୍ଜୁ ତଂ ମଂଗୟନ ଜୀବନ ଦତ୍ତାୟା  
 ମଂଗ-ମଂଗ ଯତ୍ତାୟାମଂ ନୀକ-ମଂ-ନୀକ ଜୀବନ ଯବ ମକେ ଶ୍ଵୀ ଶା ମଂଗ-  
 ମଂଗ ନାଦି ଯତ୍ତାୟାମଂ କତବା ଦତ୍ତା-ଦଦାତ୍ତ ଦାମୀ ମତ୍ତା ବାଦିତ ଶ୍ଵା  
 କୁଳାନନ୍ଦ ଗାୟକଂ ବିଦ୍ୟାବକ ଯଦତତା ଓବ ମାବି ଦତ୍ତଦେନ ଓ  
 ଜୀବାନନ୍ଦ ଗାୟକଂ ମଂଗୟନ ଜୀବନ ମଂଜୀବନ ଶ୍ଵୀ ତଂଗ...।

ବିବଦାୟତ ଦତ୍ତାଦି ଓକଂ କୁଳାନନ୍ଦ ଗାୟ ଜୀବାନନ୍ଦ ଗାୟ ଗୋମ  
 ଯଦ୍ଦୟତା ଯଦ୍ଦବାକ ଦଦତାବ ବିଦ୍ଧି ଗମିତ ଦୁନ୍ ଶାବକଂ କାଳଦେନ  
 ମଦା କତବା ଦାବିୟାୟତ ଗୋକ୍ତବା ଦିଶ ନ ଦ୍ରୁଷ, ଯିଜ୍ଞାବୟ ତଂ ଦୁନ୍ଦ  
 ଦୀୟ ଶ୍ଵାୟା ଶାଗତକ ମୁଶାଗତ ଦବେତ ଜୀବାନନ୍ଦ ଗାୟ ଦଞ୍ଜୁଲା-  
 "ଗାୟ, କତବା ମାୟାକଂ ଶ୍ୟଦନାମଂ ଦ୍ଵବ ବାଦ୍ୟା ଯାଦି ଶ୍ଵୀ ମଦା ମ ତଃ  
 ନେ ଦଦେଶା ଦନା-ନ-ଦନା ଶାନ୍ତ ଓକଂ ଶ୍ରାଶା-ଦଦ୍ଵଶା ଦଦୋଞ୍ଜିୟ  
 ଲତ୍ତାୟା"

କୁଳାନନ୍ଦ ଗାୟ ଦଞ୍ଜୁଲା-

"ମ ଦି?"

ଜୀବାନନ୍ଦ ଗାୟ ଦଞ୍ଜୁଲା-

"କତ୍ତ ଓ ଦବଦାତାକ ଗାବ ଦମବା ଓଦବ ଦିଶ ବଦତା ଶ୍ରାଶମ ଦିନ  
 ଶାକବ ମୁଞ୍ଜନ ବେଦାବ ଦବୀମ ଦଗତ, ତତ୍ତ୍ଵମ ଯାବିବାବକ ମତ  
 ଯକମୁଦବୀ ଯକମତ ଶ୍ଵେ ଓ ଜୀବାନନ୍ଦ ବାବା ଦିନା ଦନା ଦଗତା"

मन-मन कुतानन्द ताय विद्यानि ललेन ऊ ऊदिना दधिवाचक  
वृद्धत कञ्ज, मान दृष्टत कञ्ज गद-वासक वीष मयश्च वनेवत  
गद्य तादिना दगता मत्ता, मान जीवनक दगता मत्ता मयश्च वनेवत  
गद्या मयवमन गद्यग तंग क्रिय न संग दधि दिनेना  
(अग्रग ९९९)

-जगदीश दसाद मण्डलजीक जय मधुवनी जिलाक दबमा गामम  
5 जुलाई 1947 कथीम तलेना मण्डलजी द्विती गवं बाजनीति  
ज्ञायम गम. ग. क गदता दधि जीविकायजन दत दधि कथम  
संलग तः कथि दूवक समाज सवाम लागि गला समाजम आत  
कठिवादी गवं सामग्री अवदान सामाजिक विकासम दिनक  
वाचक दधि दडलेना दलतः ऊमीद्यान, सामग्रीक संग गामम  
दुबज्ज लजळ गाय तः गलेना दलतः मण्डलजी गयन जीवनक  
गधिकत समय कस-माकदमा, ऊदल यातादिम अतीत कलादा  
2001 कथीक दबाळत सादिय लदन-ऊतम गला 2008 कथीम  
वित्तिय दत-दतिर्कादिम दिनक बचना वकतित दूय लगलेना गीत,  
कथ, नाट्यक, गदकी, कथा, उद्योगम कथादि सादियक  
मौलिक विधाम दिनक गनववत लदन गद्वितीय सिद्ध तः बदलेन  
गद्या गदन धवि दडन तधि नाट्यक/गदकी, दधि सागरम उदय  
गीत/कथ, उन्नेम गाय उद्योगम या साठ गायमाय कथा-  
कदानीक संग क्रिय मदयदय विषयक त्राधालय गादिक  
दसककन, सागरम उदय गद्यम वकतित बेना

मिथिला-मिथिलीक विकासम ती जगदीश दसाद मण्डलजीक  
यागदान गविशबलीय बेना क गयन सतत क्रियाशीलता या



बयना धमिताक लल बितित्त संश्रामतक झाबा सम्मानित/दुबझत  
 त्कलत बदला गथि, यद्वा- विदद सञ्चादक मञ्जल झाबा गामक  
 जिनगी' लख कबा संयद लल 'विदद सम्मान- 2011', 'गामक  
 जिनगी व समय यागदान दत्त सादिय गवदमी झाबा- 'ट्पलाब  
 लिटि'बयन गवाड- 2011', मिबिला गेबिलीक उमयन लल  
 साझा दबतंगा झाबा- 'वेदद सम्मान- 2012', विदद  
 सञ्चादक मञ्जल झाबा 'ने धावेग' उदय्यास लल 'विदद बाल  
 सादिय दुबझन- 2014', सादियम समय यादान लल  
 गम. गन. गम. (सावल समिनबी झाबा 'कोतिली सादिय सम्मान-  
 2015', मिबिला-गेबिलीक विदम लल सतत क्रियातील बदलाक  
 दत्त गथिल ताबतीय मिबिला संघ झाबा- 'वेधनाब मित्र 'याती'  
 सम्मान- 2016', बयना धमिताक कृतम गम्य यागदान दत्त  
 ज्ञान्या-मञ्जल झाबा- 'कमदी सम्मान- 2017', मिबिला-  
 गेबिलीक संग गथ उद्युष्ट सवा लल गथिल ताबतीय मिबिला संघ  
 झाबा 'य. वाव सादव बोधनी सम्मान- 2018', यतना समिति  
 दत्तनाक दामिध 'याती यतना दुबझन- 2020', गेबिली  
 सादियक यदनित्त सवा या मूञन दत्त मिबिला सांस्कृतिक समय  
 समिति गुवादाट्पी-गमम झाबा 'बाऊकमल बोधनी सादिय  
 सम्मान- 2020', ताबत सबकन झाबा 'सादिय गवदमी  
 दुबझन- 2021' तबा सादिय या सांस्कृतिक मदय्यल गवदान  
 लल गमब त्कदीद नामदाल मंडल विद्याब मंय झाबा 'गमब त्कदीद  
 नामदाल मंडल बाह्याय दुबझन- 2022'

बयना संसाब : 1. लघुधनुषी गवस, 2. बाति-दिन, 3. तीन  
 जय गगाबदम माझ, 4. सविता, 5. गीतांजलि, 6. मुलायल

१. द्यावपृथिवी २. अक्षय ३. अक्षय ४. अक्षय ५. अक्षय ६. अक्षय ७. अक्षय ८. अक्षय ९. अक्षय १०. अक्षय  
 ११. अक्षय १२. अक्षय १३. अक्षय १४. अक्षय १५. अक्षय १६. अक्षय १७. अक्षय १८. अक्षय १९. अक्षय  
 २०. अक्षय २१. अक्षय २२. अक्षय २३. अक्षय २४. अक्षय २५. अक्षय २६. अक्षय २७. अक्षय २८. अक्षय  
 २९. अक्षय ३०. अक्षय ३१. अक्षय ३२. अक्षय ३३. अक्षय ३४. अक्षय ३५. अक्षय ३६. अक्षय ३७. अक्षय  
 ३८. अक्षय ३९. अक्षय ४०. अक्षय ४१. अक्षय ४२. अक्षय ४३. अक्षय ४४. अक्षय ४५. अक्षय ४६. अक्षय  
 ४७. अक्षय ४८. अक्षय ४९. अक्षय ५०. अक्षय ५१. अक्षय ५२. अक्षय ५३. अक्षय ५४. अक्षय ५५. अक्षय  
 ५६. अक्षय ५७. अक्षय ५८. अक्षय ५९. अक्षय ६०. अक्षय ६१. अक्षय ६२. अक्षय ६३. अक्षय ६४. अक्षय  
 ६५. अक्षय ६६. अक्षय ६७. अक्षय ६८. अक्षय ६९. अक्षय ७०. अक्षय ७१. अक्षय ७२. अक्षय ७३. अक्षय  
 ७४. अक्षय ७५. अक्षय ७६. अक्षय ७७. अक्षय ७८. अक्षय ७९. अक्षय ८०. अक्षय ८१. अक्षय ८२. अक्षय  
 ८३. अक्षय ८४. अक्षय ८५. अक्षय ८६. अक्षय ८७. अक्षय ८८. अक्षय ८९. अक्षय ९०. अक्षय ९१. अक्षय  
 ९२. अक्षय ९३. अक्षय ९४. अक्षय ९५. अक्षय ९६. अक्षय ९७. अक्षय ९८. अक्षय ९९. अक्षय १००. अक्षय

बदली लाक, 80. प्रतिमानी जिनगी, 81. बदल दिन, 82.  
गदक दियादल लाक, 83. दिवालीक दीय, 84. गश्चन गाम,  
85. दिलताड नुमि, 86. पितवनक तिकन, 87. बीबस दतक  
बीबस डयज, 88. समयसँ बढिन बत किसान, 89. तोक, 90.  
गामक शाजा रूपि बाल, 91. दसनाक माल, 92. कथियाग,  
93. दाबल बदला जीतल कय, 94. बदे ऊकन दानिवाव, 95.  
कताक बंग कमक संग, 96. गामक सबत बदल बाल, 97.  
शक्तिम दबीज, 98. छनक लव, 99. नीक एकन एकलौ, 100.  
जीवनक कम जीवनक मम, 101. संयबल, 102. तबि मन  
कज, 103. शगल शाजा बलि बाल, 104. जीवन दान तथा  
105. गश्चन साती- लख कबा संगदा

गे बयनायक

गयन

मंतथ [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) दब दण्डा

ए.र.ऊगवीर दमाद मझल- माडयब (धावाबादिक डयग्राम)



ऊगवीर दमाद मझल

माडयब (धावाबादिक डयग्राम)

## यदिह बजाव

गंगबडी तामनक श्वमानक समय। ऊदिना मन्नाक दसांतबल  
तन तामनक मंडमल द्वाळग तदिना ऊन-गला या समाऊक  
वीव मंडमलक झित वानयं बल बला यक दिस विदही तामनक  
गुप्त या गयन तामनक शागमनक उगादसं ऊनगलक मन  
लबालव तबल तं द्वासब दिस तामनसूतसं बंधल गाम-समाऊक  
मन्ना मन्ना उल्लेख बदल बला दत्त मवाक तावना कदियो शाकि  
समाऊ मवाक तावना, ताबतक शाळ धाबक क्षतिदासम मतसं  
उगादित बलेदा बंग-बंगक कथना ऊनगलक मनक वीव  
यकऊनाद बला शादी बाबवतम कामसब शिवा

मिथिलाक गामक यदयान, दत्तक दाना बाझा दो शाकि बाझाक  
द्वासब झल, गयन शिवाया यक तं दत्तक गामील ललाकम  
मिथिला ऊदिना ऊनसंझाक हनयम मयन शिवा तदिना दगा-  
दवदाबाम शिवाया यगद श्री मिथिला गङ्गा कऊक मनक ठंगसं  
कबेक कला मिथिलाम मत दिनसं शाकि बदल शिवा या गदना  
शिवा यगद दोधिक यात मिथिलाक बदल ऊकब दाबिसबऊनक  
संग गयन क्रियाक दाबिमाऊन कबेत समयक संग मत दिनसं  
यलेत शाकि बदल शिवा द्वायब ऊ शिवा, दलाबयब मन्ना यकट्ठा  
गाम मिथिलाक दिवम शिवा आना, लू गाम तीन दबगनाक वीवक  
माऊम शिवा, मान दलाबयबक दधिमक ट्ठल ऊ ऊमीनक  
दिमावमं दधदाबया दबगनाम दङ्ग, या गामक दुर्वाबया ट्ठल,

હું બી તું યલાચડુબ ગામક દ્વાલ, લાડ-હલમ યલાચડુબલાલ  
 મંગ શિવ મુલા યચગનાલ દિસાવમં યુવાચ્યા યચગનામ યહેચા  
 યચગના-યચગનાલ લીલ લિલ સામાજિક લલલાલા શા વિચાલા  
 વિચાવમં ચલ ચિત્તા લિલમ દુલી વનલ શિલા યલલચ્યા  
 યચગનાલ લેલા શા લેલ નયેલલા લાગ્યા લામચ યચગનામં  
 નમલલ શિલ્યા તલિના યુવાચ્યા યચગનાલલાલ માલગુલ્લી  
 ચાલચના લક્ષા લમી ચાન યચગનાલલામં લલેચા લાચચ હું શિલ  
 મ શિલ મુલા યલાચડુબાલ ચલન યલલાન નાલ શિલ મલા લાત  
 નાલિયં શિલા

ચાન લતલ ગામમં લતલ માનમ યલાચડુબ નીલ શિલ માન  
 ચગચાલા શિલ શા લતલ માનમ ચાન ગામમં યલચાચાલા તં  
 શિલ્યા લલસાચિક દિસાવમં માન ઝીવનલ લિચાલ દિસાવમં હું  
 ઝાતિ લિલાલિત મમાઝમ શિલ તલ્લમ યલાચડુબલ હુતાચ ચલલ  
 હું લેલમ લાડ લલેલલા હું ઝાતિ શિલ શા લમ શિલ શા ચાન-  
 ચાન લામિમં હુંલ ઝાતિ લમી ચલન ગામલ ચાલામં લમી ઝમીનમ  
 ગાલી-લલમ તહલાની, લહુલલાની શિલ શા લાલમ લાડી-ચાડી  
 હુલાડીલ મંગ લિલ ઝતમીમ ઝમીન શિલા લાચચ હું શિલ મ  
 શિલા લાલલ ત ચત ચતંતતા શિલ્યા લિન હું ચલના ગાલીમ  
 નીલ ચામલ ગાલ લગાલલ લિ તાહ-લહુલલ લાન લગાલલ ચાલ  
 સાગલાન-મલ્લચા લગાલલ તલન વિચાચ યલાચડુબલામ નાલ  
 લેન, મલા તં લેલા ઝલિના ઝાડા લગા-લગા તાહલ ગાલ ચાલન  
 લેલ તલિના લહુલાલ ચાલનાલ લેલ, મુલા યલલચ્યા યચગનાલલા  
 હુંલ ગુડ લનલેલ લાલ નાલ લેના તંગ લલલ હું યલાચડુબલાલ  
 ગુડ લનલેલ લાલચ નાલ લેન મલા લાત નાલિયં શિલા લાલિચાલલ

छती कबित ब्रह्म, कोला-कबाद मत्ता बदनोद ब्रह्म ऊल्लसं गयन  
गुडा वनवे ब्रह्म या स्पीनक-स्पीन बाव मत्ता वनेवत ब्रह्म।  
दत्तक गाऊवीक यदिनमं मिथिलायलक लाक गभीवीक यलेत  
याकबी कबर्य दंगालक ङाकमं लऽ कऽ गामाम, माबंग धवि  
ऊल्ल बला। मुदा ऊल्ल बला मबदा-मबदी, मींगल याबवाबम  
नदि याबवाब यलेवे बलादिना मान लू ऊ छती-बाडीमं लऽ कऽ  
माल-ऊलक मंग गयना दञ्चा-दञ्चीक मवा कबेत गयन  
याबवाबाक मुबङ्कदल वनल गावि बदल ब्रह्म।

ऊदिना गाविक दृष्टिमं यलावयुब गाम दबुगायल बल तदिना  
निडालिक दृष्टिमं ललाकम गगगायला बल या गयना गाविका गादी  
गामक मञ्चमवगीय ऊति, योगाम मञ्चमवगीयक मान गाविक  
दृष्टिमं नदि ममाऊक ऊतीय दृष्टिमं गावि, ऊल्लम दवनक  
याबवाब मत्ता ब्रह्म गादी दवनक याबवाबम काममबक ऊग  
ॐॐॐ लक्ष्मी मत्ता।

गाऊक याबवत्तम तं गविकांत याबवाबक दञ्चाक बरियाबक  
ममय गयतालम बीतेय तंग बरियाब की दगत या वाल्लय-माल्ल  
तवितत्र की लिखती वा ताऊ-तात की दगता मुदा म काममबक  
नदि मत्ता दुन् मत्ता मान वाल्ल-माल्ल बेम बरियाब दिन  
काममबक नामकबला कलेन या तवितत्र मत्ता लिखक कलेन।  
तदिना नदि यान तं यानक डंटीग ऊकं ताऊ मत्ता तव कगला  
ऊदिना दत्तक तीतब गनक बंगक मंझा गावि या गयन-गयन  
ऊतक मीगाम मत्ता कऊ कबेय तदिना ममाऊक तीतब वाल्ल-  
माल्लक मंझाक मीमा मत्ता ब्रह्म, ऊदिक गमगत गयन विष्णु-

विधान लिखव कबे बेबा मान तल ऊ ब्रियाबक बाति ऊ दाळ-  
माळ गवणाम देस धबतीयब गगल बत दिनक दशाक ताथ-  
बल लिखे बेब आ दशाक समाजक आर्कतिक दिगावसं लिखे  
बेबा ऊदन दाबवाबम ऊना तदन ताथ बला दणल-लिखल  
मथन दाबवाब दुय गाँकि धन-वीत मथन दाबवाब दुय, आदन  
दाबवाबक ताग-बला लिखेकल दाळ-माळक ऊदन कलमक  
ययाऊन दाळ बेन तदन कलमक ययाऊन मूल वा विद्यन  
दाबवाबम नदियं दाळ बेना वजेकल मत बाँउत बेब ऊ 'तादब  
ताथ माट्पक कलमसं लिखल बत त मर्तीक बात कना वसबदका'  
तदिना मर्तीक कलमसं लिखलदा मदा कदित बेब ऊ 'ताबा ऊकां  
कि दमबा कयाबम माट्पक हंसल गाँब.!' लायब लू तं गय-  
मथ तला

कमसबक ताथ-बल लिखेकल ऊ दाळ-माळ गवणाम देसली  
तं आदन दाळ-माळ न देसली ऊ न बाँउष्टब कदिया दहन  
बली आ न वनिया हबा तंग किय बाँउ-मनक विद्याब गाँकि  
कल-कबलानक विद्याब मनम शबतेना दवन मन आदन  
माट्प्या-मऊदूब, माट्प्या-मऊदूब आ तला ऊ कना लादाम  
वा कयालयम वसुक उणा-देसी कबे बेबा मान गक लादामसं  
गन वा कना गान वसुक दाबा वा गान वसु उणा दामब  
लादामम वा गान गाम लऽ ऊळ बेबा दयीम दहक दवन दाँव  
दहसं कलकज्ञाक सबकबी लादामम माट्प्या मऊदूबक कऊ  
कबेत गाँब बदल बला

लायब दवन ऊ बला म बतोब, मुदा निश्चऊ दाळ-माळक  
कबदबीम तं कमसब आदन दहक कयम ऊना नन बल

ऊर्दिना यववक्त्रा यवमयव वाम वा कृश, दत्तवक्त्रं शा नम्रवक्त्रं  
 यविवारम ऊर्ग नन क्षला मुदा वारु-मारुवक्त्रं यवत विद्याव  
 बद्धिता जीवनवक्त्रं विद्याव मान ऊर्दन जीवनवक्त्रं यविवार शब्द, तदी  
 अनुकूल न वक्तव्य ताश्च-बद्ध लिखती। यत तं वारु-मारुवक्त्रं वीज  
 मृदमत वनत येन ऊ ममसदाव पितृवक्त्रं यदन ममसदावीर्यं  
 वक्त्रं मवा कबता ऊर्दिना विन दृष्टाव, मान वना कबलां  
 मायवक्त्रं दृष्ट नति तन, पितृवक्त्रं वक्त्रं शादिना द्यामि-याति  
 दुनियावक्त्रं वंगमंयवव गाढा कवे खेव ऊना मत्त तबद्धवक्त्रं मय्यन  
 पितृवक्त्रं कवे खेव वारु-मारुवक्त्रं ममदवक्त्रं वीज मृदमत रू वनत  
 क्षलेन ऊ मनुष्मवक्त्रं वक्त्रं श्री तंग मनुष्म ऊर्वां दुल्लवा-दुल्लवा  
 कबरा शा मनुष्मवक्त्रं वृद्ध ऊर्वां योगला दीर्घवक्त्रं जीवनं दिग्गया  
 मवमग्नाति विद्याव लिखलेन ऊ वक्त्रं यदन दूत शोकावक्त्रं जीवन  
 यावगा वामव विद्याव ऊर्दन जीवन शा जीववक्त्रं दिग्ग गलेन  
 तदन किञ्च वामवक्त्रं विद्याव बद्धेन ऊ यव लाङ्गी वानि लिखत  
 ऊर्ग, तं किञ्च वामवक्त्रं विद्याव बद्धेन ऊ ऊं तीव्र माँग गुञ्जव  
 कबत तं विधि-विधान द्यामि तऽ ऊर्गता जीवन तं दुन् वंगवक्त्रं  
 शब्दिया ..तत्त-मत्त कबेत मत्त यदी विद्यावयव मृदमत तली ऊ  
 ऊर्दन यदन लीम-मुद दत्तलू तदन जीवन वना यदन दुनियां  
 गाढा कबेत जीव लता मगद तल वाममवक्त्रं क्षीय्याव जातिवक्त्रं  
 ताश्च-बद्ध।

यलावयुव शादन गाम शब्द ऊर्लम विविधतावक्त्रं तवमाव शब्द शा  
 यवकयता शादन शब्दिया ऊर्दन मत्त गाम-ममाऊम बद्धेगा दल्लव  
 कवे श्री ऊ ऊर्दन वती शांगि ललो खे, गाम ममाऊवक्त्रं दृष्टिय,



वज्रं समाजं दत्तं तस्य शास्त्राण्यपि दत्तं तल गच्छि ऊ गच्छ  
 मन्त्रनक्तं वीर्यं गच्छ उवाच ऊ त्वीर्णा-ह्यक्षणां वदे ब्रह्म तं तत्स  
 द्वाल्ब्यं न मासं दिनयन्तां त्वायन्तं त्वं त्वीर्णा-ह्यक्षणां वातं तल  
 ऊ गच्छन् यन्त्रिवाचं तत्तत्तं त्रैयामिष्यां गच्छा-वज्राचं वीर्यं  
 शास्त्रं जीवनं वनतं ऊ वदतु गच्छि ऊ मतिना-मतिना गच्छ-  
 वामस्य गच्छ-स्य तल तस्य ऊच्छयां गच्छन्-गच्छन्  
 वदन्तां, ऊच्छयां गच्छन्-गच्छन् जीवनं मत्ता वनियं वदतु गच्छि,  
 तच्छयां वीर्याचं वीर्यं वनतं शास्त्राचं गच्छि मत्ता शास्त्र-वदन्तां  
 मत्ता मत्ताच्यं गच्छ तस्य ऊच्छयां गच्छन् गच्छन् ऊच्छं वदन्तां  
 शास्त्रागतं वदन्तां वदन्तां गच्छा वदन्तां वदन्तां मत्ता गच्छि  
 तदिना शास्त्राचं वदन्तां मत्ता, मत्ताचं मत्ता गच्छन्तां,  
 गच्छन्तां, वीर्या-वदन्तां गच्छन्तां मत्ता गच्छन्तां  
 ऊच्छयां वदन्तां वदन्तां वदन्तां, वदन्तां वदन्तां, वदन्तां  
 गच्छि तदिना शास्त्राचं मत्ता शास्त्राचं वदन्तां मत्ता गच्छि  
 गच्छन्तां वदन्तां-वदन्तां शास्त्रं वदन्तां ऊ शास्त्राचं वदन्तां  
 ब्रह्म, तं शास्त्रं नदि ब्रह्म ऊ ऊच्छयां वदन्तां वदन्तां तस्य  
 ऊच्छयां ब्रह्म, मत्ता वदन्तां शास्त्राचं वदन्तां ऊच्छयां वदन्तां-  
 वदन्तां वदन्तां मत्ता गच्छि तदिना ऊच्छयां वदन्तां वदन्तां  
 तस्य गच्छन्तां नदि गच्छि मत्ता वातं नदि गच्छि गच्छन्तां, ऊच्छयां वदन्तां  
 वदन्तां ऊ वदन्तां ब्रह्म तत्तत्तं शास्त्राचं ऊ ब्रह्म, गच्छन्-  
 गच्छन् मत्ता मत्ता मत्ता वदन्तां-वदन्तां मत्ता वदन्तां ब्रह्म, वदन्तां  
 ऊच्छयां तत्तत्तं वा ऊ तत्तत्तं मत्ता तं गच्छन्-गच्छन् मत्ता तत्तत्तं  
 वदन्तां गच्छन्तां वदन्तां वदन्तां गच्छि गच्छन्तां वदन्तां

(दाबवाबक) सामाजिक कायम शब्दा दाबवाबक ऊ छब दाबवाब मान शाहमी छब शाहमी दाबवाबक शावाऊदी गान ऊदा दाबवाब मुदा दबवऊका कय म नाद शब्दा दबवऊका कय समाजक छबक कायम शब्दा ऊताम गाना (गुनीया) क ददुयला दबाऊत छबवाबी मान दबवऊका वनीनदाब, लला-दीदाम लs कs शाबाम कबे धाबक ताब ऊगवे बब तदिना बिबाब-विमहक मंग जीवन-मबलाक मदाबा मदा वानत बब मगद बी मिधिलाक दबवऊका ऊका दबवऊका कय बदल ऊ वनेतक दंगा बिदा कबवा ऊ दबवऊका मान दातिना मला गाना, लजीनाब लामाऊ मदा गुनक गामग गुनक दबवऊका वनेलेन मुदा दुनकब दबवऊका कदिया गा दबदाबा दासब बलेना दुनकब दबवऊका बादि बलेन दबवऊका शागक दालेबा ऊ दालेब ऊनममदक मदाबाम दुनवे बला गा दबवऊका नाम ददेल 'कृष्ण' वा 'शान' बले बला, ऊका जीवनक मूल-तन्मक यवयन मदा कबे बला गा मूल-तादिक मदा मदयागीक वनवे बला, ऊका ऊति-दाजिक लबाऊब मनुष्यक जीवनक हेश माने बला गदन जीवनकलम लजीनाब लामाऊ दासमं डुयब बोदी, ऊकबा मिधिलांयलम शकल मदा कदल ऊका; लगमं दल-तागि युवल बला तंग दानिक की मदम जीवनम शब्द तदबा नीक ऊदा गा ऊनेत ददेबा गदन गे बिबाबक दासबाक ऊना लजीनाब लामाऊ दालाबक निमाल कबवा कलेन गा कबवा कलेना त्रिडल मंशानक कायम दलाबदम मात गकट्ठा मंशत विद्यालय शब्द, दाकी विद्यालय मान सामाग्र विद्यालय गामम नाद शब्दा

यलाबदुब, मानवबसा, नवनगब, धनकबदी लुग्यादि मात गाम  
 मिला मानवबसा नामक दंयायत शब्दा मिडिल झल तकक  
 दण्णल्ल दंयायतम दाल्सा यलाबदुबक संयुत विद्यालयम गामाक  
 बिद्यु लाम ऊतित्क गा शाना-शान गामक लाक दण्णत ब्बेवा  
 कममब ऊल्ल ऊतित्क शब्द तल्ल ऊतित्क दञ्चा मत गामक  
 विद्यालयम नदि दण्णया शाना, संयुत विद्यालयम ऊदिना नीक  
 त्रिड्ड तत्प्या तदिना दञ्चाक, बातक ताऊना गा दण्ण-लिखेक  
 बितावा-कॉदी विद्यालयम तत्प्या मतम देष विद्याब शब्द ऊ  
 त्रिड्डक गा बाता गञ्चा ताऊनालयक ताऊना कबे ब्बेव गा गञ्चा  
 शाबाल्लन-विद्याल्लनयब बदिता ब्बेवा तंग कदव ऊ दयिवाब नदि  
 ब्बेन मत्ता वात नदियं शब्दा लग-यामक ऊ त्रिड्डक ब्बेव गा  
 मयन दयिवाबम, मान गामम विद्यालय मदे ब्बेव मुदा ऊ  
 वादबक ब्बेव गा बातक मंग जीवनशायल कन ब्बेवा यगद बी  
 जीवनक संकमराक क्रियाा जोवीम दृष्ट्या, मान दिन-बाति  
 नियमित कयमं जीवन ऊदन यलव गण्णव तं शादन जीवन न  
 गाला दयता लागब ऊ दयत म यलाबदुबवला मयन मीळता।  
 यलाबदुब गामाम गा दबादङ्गम मान शाना-शान गामम ऊदिना  
 बिद्यु क्रियाम गदकयता शब्द तदिना ददकयता शब्दिया तल्ल  
 बीव लुत्ता बाकिया बलत शब्द ऊ ऊदिना बिद्युम ताड दाल्सा  
 तदिना ऊड मत्ता तल्लय ऊल्लया यगद ताड-ऊड ऊ शब्द गा  
 गतिनीलता मनेग गा गतिदीना तं दनेवत शब्दा शान गाम ऊकं  
 यलाबदुबम दण्ण-दण्णीक बिगात्ता-डुग्बागमन गा दण्णक  
 मूडनाम ऊदिना गदकयता शब्द तदिना ददकयता मत्ता शब्दिया  
 शाना, ऊदिना शान ममाऊक (शान गामक ऊतीय ममाऊक)

विद्युद्वत्ताव यत्तावद्युवाम गच्छि तदिना यत्तावद्युवत्तवत्ताव गाना  
 गामम गच्छिया ततव नदि गच्छि, गामव् वीयव् ववत्तावम मत्ता  
 विविधता गच्छि, गव् ऊतिव् क्रियाव् यत्नेन विद्यु गच्छि गच्छि ग  
 वामव ऊतिव् क्रियागत यत्नेन विद्यु गच्छि गच्छि ततव नदि गच्छि ऊळ  
 ऊतिव् वीय गव् यत्नेन गच्छि गच्छि वीयम गच्छिव् गच्छातिव्  
 दिमावम मत्ता विविधता गच्छिया ययव् विद्यमता ममाऊव्  
 नियमगुत्त वनवेग ऊळम ममाऊ तविस दिस वळेत गाढा वदेगा  
 गयना गेगाम मान मिधिलाम, ममाऊव् वीय ऊ यत्नेन गच्छि ग  
 गव् कऊ वा ववत्ताव वदिता गनव् कयम ततवत्त-यतवत्त  
 मत्ता गच्छिया तंग वत्तो गव् माग गारव् यत्नेन गच्छि तं वत्तो  
 माग गारव् यत्नेन गच्छि गव् यङ्क-ऊयव् गनव् कय गच्छि  
 ऊळम कदल ऊळग ऊ तावम ऊं दूरा दान गच्छि, ऊवव  
 ल्हावव यत्नेन ताऊनव् दद्यातिव् गच्छि, तेगाम ल्हा तं गतावम  
 कदल ऊळग ऊ नदि दान तं दानव् डौट्यामं यङ्क दूति वऽ  
 लवाव् यादी।

विगात्ता-दानम दहत बी ऊ डेगाम गव् गाढ्याव् वीव्यातीमं  
 विवाद यङ्क दूरा द्हाळव् मय्यता वाप्त ववेग तेगाम मळ्या  
 गाढ्याव् वीव्यातीमं गय्यता नदि वाप्त ववेग मत्ता वात नदियं  
 गच्छि तेगाम ल्हा कदव ऊ यत्तावद्युवम वीव्यातीव् धमगङ्काव नदि  
 द्हाळग, मत्ता वात नदियं गच्छि गव्गाम ऊदिना वल्ले बी ऊ  
 यिता गयन ल्हमान वंया युत्तव् गयना याय वनवेव् वीव्याम  
 नदि ववे व्व तेगाम ल्हमान गमा नदि वनवे व्व मत्ता वात  
 नदियं गच्छि मत्ता वनेवत्त व्वेवा गेगाम ल्हमानव् गनव् कय

गुलानुक्त शब्द, तंग गहन म नीति गहन गतव ऊ सवदक  
 मतक मान ऊदिना दतक तदिना यिताक मान ऊग्रदाताक  
 गदन डयबम गदन विसवास कमल ऊ बदल शब्द तैगाम गान  
 तं सद्ध ऊ गान तला किय गयना डयबम सवदक विसवास  
 गदन डाल ऊ बदल शब्द? की शल विसवासक दनः शुभा  
 कऽ नीति गानल ऊ सद्ध मद्वा वात नदिय शब्द गान गाम  
 ऊक दलाबयबाम बंग-बंगक गुकशाल दबेदला गुक-गामाल्ल  
 सवदक गगमना बैजा तैमंग गामक गयना गुकशाल दबेद  
 धन नीति शब्द मद्वा वात नदिय शब्द ऊदिना ऊति-धमक  
 नामयब तदिना कम-कियाक नामयब गुकक वन दसबल शब्द  
 माता-यिता लगम ऊ गुकशाल दबाक त्रुका दाल्लग या दबिबाब  
 ममाऊ दाल्लत दत-डनियाक मद्वा दाल्लत शब्द. ! गक ममाऊ  
 बदिता किया कदता 'माय लागव तबीबक लल दितकब शब्द' तं  
 किया कदता, 'माय लागव दाय बी' किया कदता, 'दमी लागव  
 गदितकब शब्द' तं किया कदता, 'कम लागव गदितकब शब्द'  
 तं किया कदता, 'कम लागव दितकब शब्द' गदन-गदन मुंद  
 दंमाल सगडा-संगद गान गाम ऊक दलाबयबाम शब्दग।  
 सिंदबब दास, मनधन दास, कुसिधब दास या बहु दास बाक  
 लाट्ण गदन-गदन मशुदायक दना डण दिन-बाति लगल बदे  
 बैबा बाकक गदन-गदन दास-दास बैजा बाक गदन-गदन  
 ललाक ऊति-दाबि मदंबाल्लया दबे बैब या गदन दंबक दबाब-  
 दमाब मद्वा दबित बैबा गक-गं-गक बाक मदंबक मदंबाल्लक  
 ललितदास ममाऊम गदिना ऊगऊगा बदल बैन ऊना दना गान  
 गामक ऊगऊगाल्लया ददिल मदंब- सिंदबब दासक गदन गुल

बेना मान बिगाद-दुबागमन जला दबाळत गयन मनम दग्रीमं  
वेबाथ ऊगि ललेना ऊगित माय ऊ वऽ गयन ममुबवं  
कदलखिन ऊ गयन दट्णीक वामब विगाद कबा दिगो, दमदं  
मायम वेमल बदला गयन दग्रीवं गयन मायम वामबाळतक  
मंग लग्ना गयन आदिना मदंबाळ कळय बदला गंधि दादिन मान  
जुकम तं मालम माम-दू माम गयन दितुजमि वरिण गामम बदला  
कबे बला मुदा गाव तं तत ताबी मदंब तऽ लाला ऊ दम-दम  
मालक दबाळत लाट्ट दिन ल गाम गवे बेबा तंग कदव ऊ  
आदन मदंब नदि बेब ऊ तीन-तीनट्ट विगाद नदि कलेन वा  
दातिसक दाब माबि नदि लैन बेबा मत्ता बाबिया

गान गाम ऊकं दलाबयबम मत्ता मालम राक दब गझायाम-  
दीतन मत्तावीबजीक शानम दाळग तादिना मत्तादव शानम मत्ता  
नवात्ता गा त्रिवर्गातिक उगाव दाळत गंधि तेमंग दुगाशानम  
गामीनक नववात्ता दाळग तं राकबवाडीम मोनक तुळा  
राकदग्रीमं दूगिमा दिन तक मत्ता मत्ता दाळत गंधि ऊदिना  
गामम गनक ऊात गंधि तादिना छब-छब मान दाबवाब-दाबवाब  
गनक बंगक दवी-दवताक दूज मत्ता दाळत गंधि ऊळमं  
बिबु-न-बिबु राक-वामबम गमब मत्ता गंधिया गझा कयं  
दूट्टा गमब तं दादिय दाड बदल गंधि दादिल गंधि ऊ दवी-  
दवताक गयन-गयन लाम दूला गा दालामं सिनद बदल बिबु-  
न-बिबु गमब गंधिया गाना, रादना जलेन गंधिया ऊ लाम दूल-  
दाल दासन बादिता मदबगंऊ मान मतबंगा दूला गा दालाक  
ऊदिना दट्टेया तादिना दूज दाळत गंधि मुदा बिबु गंधि गा

कतवा शिख तैया मोंम गामक लाव गकट्ण गयूबक समाऊ  
वीन गकणाम वाम कबित ब्रह्म।

ऊदिना गामम गञ्ज्याम, कंतन, दूऊ-याग दाळ्ण तदिना  
कवीबयंबक मान निगल दंबक वकतीगता या सामाजिक कदम  
मत्ता जोद-दान या तनजाबा दाळ्णत शिखा बगाडत दंबक मत्ता  
तनजाबा या बामा-धुन दाळ्णत शिखा तेंसंग वीनातडीक  
(वावाडीक) गदवबा या मलदमा, धमबाऊ ज्ञानम मत्ता मालम  
गक वब तरोत-तगताळ दाळ्णत शिखा ऊ सामाजिक कदम मत्ता  
दाळ्णत शिखा लागब ऊ शिख मुवा गत तं गञ्ज्या शिखग ऊ ऊत  
वाबवाब यलाबदुबम ब्रह्म या मत्त कना-न-कना दंखा-मञ्जुवाय  
या ऊतियामं ऊडल ब्रह्मिया तंग कदव ऊ समाऊम गककयता  
नदि शिख मत्ता वात नदिमं शिख, मत्ता शिखया ऊदिना ऊतीय  
ताऊन-तऊन वकतीगत शिख तदिना सामाजिक मत्ता शिखया  
तलं हाडक ताऊक ऊतीय ताऊ मानि दितूक उड्वाब मानल  
ऊळ्ण मुवा गगाबद ऊन कदि समाऊ नदि मानल ऊळ्ण,  
मत्ता वात नदिमं शिखा मत्ता शिखया।

ऊदिना दंब-दवीक दबक वीय समाऊम मीमा-बदा दिंबल शिख  
तदिना बिधि-वबदाबमं लs कs समाऊक जीवनक मंग कला-  
कौतल-सादिय-मंजुतिम मत्ता शिखया यलाबदुब गामम वाबट्ण  
नाय-नाट्णक मंडिया शिखा ज्ञाना, कंतनिया-मणुली या  
बकबवाडीक मंडिया मत्ता शिख मुवा या मंडिया नदि मड ऊकं  
दाट्ण गांट्णक शिखा मान लू ऊ ऊदिना नयोनया तदिना  
वडनिया शिखा ऊदिना कंतन कनिदाबक मंग गकट्ण तवला  
वा ढालक वडनिदाब, गकट्ण सालि-मडीबा वडनिदाब बदे

बेब तदिना बबबबाडीम सत्ता बडनिगबक संग रालवाद बंदित  
 बेब छिनकब सद्ग्यागमं बबबबाडी बलेत गबिा मुदा नाझ  
 दाट्णी म नदि दाल्ग्या गनक उत्तीय ताबक संग गनक  
 कलाकबा ग कलाकबक कलाकबी, मान केतलक केतल मिन्नित  
 तऽ बलित गबिा बामलीला दाट्णीम उदिना बडना कलाकब  
 गदन-गदन ताब दाट्ण किय्या बाम तं किय्या बाबल बीन गदन  
 जीवनक गदाकबी दलेवत बेबा मुदा म बामलीला ग  
 कदमलीलाम नदि दाल्ग्या उदिना कुनी बडननम लीन दाल्  
 दिम बठे बेब तदिना सत्ता बमानम दिम बांछित बेबा दायब  
 ऊ ऊ बेब ग तं गदन-गदन मनबाऊक बात तला गेणम तं  
 मात दलाबयब गामक बात ट्ण गबिा

उदिना गान-गान गामम बकतीमं समाऊ ग समाऊमं बकती  
 वनेक गनक बासा गबि तदिना दलाबयबम सत्ता गबिग्या जीवनक  
 सत्त उत्तम गदन बासाक ढावादि लगल गबि ऊळम गक-  
 दामबक बीय मंक्रमल दाल्कत बदेग्या

गदन बर्ततता वीडक, मान गंगबडी तामनमं मुक्ता दबाक  
 वीडक, समयक बब तऽ बदल गबि तंग न बदल दाबूक बब  
 तऽ बदल गबि ग न बीतमानक, ऊ गाऊवीक बदसेब-तिदसेब  
 बहक दबातिक गबिा उदिना मिबिलांयलक तूमि सत्त दिन उबब  
 बदल तदिना जनगंभाक बांछि सत्ता बदल दगला ऊळमं  
 गबीबक बीय गबीबिया सत्त दिनमं गाबिय बदल गबिा गदना  
 गेणमक लाक ऊब वना-वना मान मामादक कयम दम-बीम,  
 दबीम-दयाम, किमानी जीवनमं ऊडल कऊ कबेल नयालक



दुर्वाचया ललाकामं लऽ कऽ ग्रामाम्, वंगाल धीव कामाल्ल जल्ल  
 बला दलाबदुबक लाक मत्त माल-माल मान मालक बद माम्,  
 धनबादनीमं धनकट्पनी धीव कबेल ग्रामील ललाकाम जल्ल बला  
 कलकत्ता तदबक कय शोरक ऊर्वा तं नदि बल, मुदा कला-  
 कबलाना गा दबाबाबक उच्चाणा-धन तं बलित बला गमेया  
 मञ्जुदूब, हतम कञ्ज कबेबला मञ्जुदूब ऊदन कलकत्ता ऊग्र  
 लगला तदन दुनकब दाबक कञ्ज बदललेना ऊळमं बिन्ना, एला  
 पलोनाल्लक मंग ऊङ्गा तमक तमिक, ऊङ्गा तमिक तल ऊकब  
 न कञ्जक समय निध्वावित शिथि गा न मञ्जुदूबी निध्वावित शिथि,  
 वान कञ्ज कबे बला ऊग्राम ऊदन कञ्ज बदल तोगाम तदन  
 मञ्जुदूबी तट्टे बलल्ला किछु दिन दूब तक मान ऊदन दत्तक  
 दीय गाऊदीक गाछालन बलि बदल बल, मुदा ग्रामील ललाकाम  
 गा कय नदि दबेड दन बल ऊ १९७९ लयीक दबाळत  
 दकडलक, तार्धानक ऊ समय बल तल्ल समयक दब बी।

गङ्गा-डुल्लय, ग्राममं, मुदा दबादह्मक मसूद कयम, मान दम-  
 वीम, दयीम-दयामक ऊब वान कलकत्ता मत्त ऊग्र लगल  
 बला दलाबदुबमं मत्त दान-मात गादमी माल-माल, मान  
 मालक गार-नग माम्, कलकत्ता मट्टिया-मञ्जुदूबक कञ्ज  
 कबग जल्ल बला दबमातक समयम कञ्जम किछु कमी श्वे  
 बल, मान ऊदन कञ्ज काग जल्ल बल, तदन गा मत्त गाम  
 गावि हत्तीक कञ्जमं दुनः ऊडि ऊळ बला वंगालम शयना  
 मत्तमं दमी दबला दाळग, म गक-डुल्लय माल नदि, मत्त माल  
 दाळगा वंगालक दाडीमं ऊदन मानमून वनेग गादी मनुकल  
 शयना मत्तक दबला दाळगा।

गणबद दहक दवन, किमानी जीवनक मनक दह मीह नन  
 बला गयना गेणमक ऊ किमानक जीवन बल गा आदन दनल  
 बल ऊ दबला गलायब धनबायनी पले बल गा गगदनम ऊहन  
 धान तेयाब दाल बल मान धान याकि ऊल्ल बल, तहन  
 धनकटनी दाल्ल बला ऊदिना गयना गेणम लाकक (ऊन  
 मंथ्राक) मधनता गंधि तदिना गामाक मधनता गंधिया ऊल्लम  
 डयऊड तूमि कम गंधिया गहन मथ्र मिबिलाक यच्च तऽ बदल  
 गंधि मथ्र मिबिलाग ऊदिना लाकक मधनता गंधि तदिना गामाक  
 गंधिया ऊ गान तागम नदि गंधि मिबिलायलक ऊ दुर्वाबिया-  
 डतबर्वाबिया ताग गंधि आल्लम ऊदिना ऊनमंथ्राक दतबादट  
 गंधि तदिना गामा दतबागल गंधिया ऊकब जीवत कय गहन  
 गहन गंधि ऊ ऊदिना कम-कम तबियब गाम गंधि तदिना  
 मथ्र तागम कमक दीच जीब-जीब दंय-दंयट्ट गाम गंधि  
 गहन तक दवन हताक मऊदूब आदन नदि बनि सकल बल  
 ऊ गयन डकतमं कऊ कबेता गयन डकतक मान तल आदन  
 हामक छिनक कना कऊक दूरा कून बेंना मान तल ऊ छिनक  
 कऊ कबेक तीब-तनीकक दहता बेंना छिनक म नदि बेंन  
 ऊ गयन डकत कना कऊ मिबेऊ आकबा गधिम मीमायब  
 ददंय दल नदि दली कना कऊ कबेक दहता मनुज्जम ऊहन  
 गादि ऊल्लम तहन आल्ल कऊक तीत-मीर मान नीक-दऊग  
 मदा दुयग लगेया कऊक तं गयन जीवत गंधिया कना कऊ  
 गहन गंधि ऊल्लम हममं दमी हामिक तट्टेग गा कना कऊ  
 गदना तं गंधिया ऊल्लम हमक गयऊ हामिक कम तट्टेगा दवन

गहन ऊ वात नादि दुयेया गा गतव दुयेया ऊ वाव-वावा ऊना  
 ववेत गता गंधि तादिना ववेत गाग् दिम ववेत यती। गाववा  
 ऊ उर्वेत नादि बे ऊ गतितीलव संग गतितील वनग दडेया  
 गयन कऊव विखु उदि मदा वनेवत गंधि मुदा तेया गत तं  
 तळय बदल गंधि ऊ उदिना वामव वामवक मऊदुवी तट्टे बे  
 तत ववनव मदा तट्टे ऊळगा गोगाम गवट्टा वात गावा गंधि  
 गा गंधि ऊ वावद-तवद ववव उदिया ववन वल तादियमं  
 गयना गा दाववावाक धित वल दिताक संग वाळन ववग ऊग  
 लगल वला गाना धनयवावीक मनम ऊळता वदेन ऊ उलन  
 गयना वत-यवाव नादि गंधि तलन तं वगद जीवन न ववनाक  
 जीवन वडते ऊ गयन गंधि तळल त उदिना गयन ऊ लीव  
 मीलन बी गा उलन ववनाक तऽ ऊगत तलन न गाववा गयन  
 ऊकं मत्त दिन वमालक गात्रा वनन जीवन वलेत बदता मळ्या  
 वंगक कऊमं वधल गागा गा समाऊ गंधिया मान गन्न-यानिक  
 वती-यवावीक कऊमं तऽ वऽ गाबी-विबबी, वटा-ववदाविक  
 संग माला-ऊल गा ववा-दुगाव वनागवव संग गनव कऊ  
 गामम गंधि ऊळमं वावदा माम वना-न-वना कऊ वलेव  
 ममय वदित गंधि मुदा म मत्त ल नादि।

गाना, गयना ऊलावम मान मिधिलांयलम वाणि-बीवीक ववय  
 गाळय नादि मत्त दिनमं बदल गंधि तवव ऊडि ववत वंगालक  
 वीडीमं उगल मानमन गा उतववविया वदाड गंधि मान  
 दिमालयक दिमवड तागमं निवलल वयीली यानिमं वव-वट्ट  
 नदीक ऊल विवागल गंधि मुनल-दुयल वात गंधि ऊ वावद

वहवक बोदी तला दबाळत ततायगम मिबिला नवत बाऊ अनव  
ऊदन गदन दाब दब ऊतलेन, तदन बोदिया मट्पगल गा  
मीता मन ऊग-ऊननी बटिया तट्पलेना यगद तं जीवन बी,  
गदन दाब ऊदन गदन ददा गा मनाक ताब दबिया लत तदन  
यागिबाऊ ऊनक ऊकं गकट्प दाब गमिदुष्टम तं दामब दाब  
दमक बाती दव मकेगा।

गदना मंग दवनक कऊ दद धनुयधाबीकं गतक दिसवास  
मनम ऊगिय पुकल बलेन ऊ ऊं दट्प गादना पलेत बदत  
तेया दाबबाबम दादिया दुद-दाबडा नाद गोता गोगाम दितक  
यद तऽ बदल गबि, गाना गाऊक दाबवतम दाबबाबक मान  
देबला बीढीकं ताडि गोगला बीढीकं मंझबक मंगीकब तल ऊ  
बदल गबि ऊदन माता-दितकं ययक श्वश्राम दाना लगता  
तन, दट्प-यतादुमं मंतायऊनक दात दाळय तं माता-दितक  
दिसवास दट्प-यतादुयब दाढित गबि, ऊळमं गा तज्ञाक दातक  
कायम दूदयम गौकत तळय ऊळया।

दीस वहवक श्वश्राम दवनकं गदन ममियोत ताय- कुत्तसबमं  
तंट्प तलेना कुत्तसब तीन मालमं कलकझाम बदि बदल देबा  
गदन तकक जीवनक दुनियां ऊ दवनक बल तळम गकागक  
ऊना गज्ञाब बातिम यान निकलल, तदिना कुत्तसबमं तंट्प  
तलायब दवनकं तला कुत्तसब गदन देबला, मान कलकझा  
ऊळमं दातलक छिनगीक दिया मनुवेत गदनक छिनगीयब  
गादि तदन मंट्पकल ऊदन मुदमं गदन दमले- 'दद धीन  
ऊदन ददक मबा कबेक गबि तदन दुनियां कतवा बंगक

કિચ ન દુશ્વર મુઠા યત્નિત્તાચ ત ત ચક્ષુર્બંગ શિશી'

શાના, કુત્તિમચક વાત દવન નાંદિ હાંચ યત્નેન, મુઠા શયના મનમ  
હા તાલ્લક ઝીવન દલ-દલ નાંચિ ચલ્લ જલેન શા તં હગલ  
જલેના વહલા-

"તેચા, તીચ દિન કહી કહે શિચે તં વત કમણ્ણન તાલ્લચ?"

દવન શલ્લન શાક્ષાશના ગામક શાલ્લન લાલ્લ શિશી હા ન મચ-  
યમચીક દિમાલ દુચેત શા ન ચગચાચલ-ચલ્લચાચલ કહી મુઠા  
કુત્તિમચક દલ્લક ષિશ્ચા શા કચહા-લમ્મા દલ્લ દવનક મન  
ચલ્લચક હાલિ થાલ જલેના શાના, હાલલાલ્લ દ્ ચાંચ શિશી, ચલ્લ  
શિશી ચનકા દલ્લ, માન શયન યાંચલાચમં ક્ષતચકાં દલ્લ હાલલ શા  
લામચ શિશી શયન લગલ્લ માન યાંચલાચક લાલ્લકાં દલ્લ હાલલા  
કુત્તિમચકાં દલ્લ દવનકાં તાંદિના તલેના શાના, તદ્દમ હાં ચાયલ્લ  
લમી દ્વી ચલ્લેત તલ્લન હા ચાંચ તાલ્લત શા લામચ ચંગલ તાલ્લત  
મુઠા ચલ્લહમચિચા ચલ્લન, તેચાચીમ ચલ્લ હમચિચા ચલ્લન શાલ્લયિત  
દગલ શાતાચિલ્લ તાલ્લચ હાલ્લચ, મચલ્લ તલેન દવનકાં

શયન લલ્લલ ઝીવનક દ્વલ્લ ઝીવનકાં યલ્લેહ કુત્તિમચ વહલા-

"લોશા, હુન્ તાંલ્લ ચલ્લહમચિચ ચી, માલ તીચક હાલ્લ-જાલ્લ  
હુન્ તાંલ્લમ શિશી, તંચ મનમ ક્ષ નાંદિ દુશ્વ હા કુત્તિમચક હયચમ  
ઝીન ચીલ્લ થાલ શિશી શાલ્લ મનલ્લલલા તાંચ હલ્લ લમલ્લ હાલ્લન  
ગામમ ચલ્લે જલોં તલ્લન હાલ્લના તાંચ તીચ દિનક લાલ્લન તલ્લે  
ચલ્લ તાંદિના લમચા તલ્લે જલા મુઠા હાલ્લિચામં લલ્લલમ્મા થાલોં શા  
શાલ્લશામ કહી કચચ લગલોં તાંદિચામં જ્વચ લીચ તલ શા શયના  
મન લીચ તલા નાંદિ તં ગાલ્લીક-ગાલ્લી લગલાલ્લ ત્તચ હાલ્લના જ્વચ  
માન યાંચલાચક જલ તાંદિના શયન ત્તચીચકાં"

कुत्तिसब मत्ता दबन ऊकां विन दङ्गल-लिखल लाव मुवा  
कलकत्ता बालादब दहलेन ऊ गामसं मरुतबदं कलकत्ता  
गुगुगायल गंधा ऊदन दङ्गुगायल मसोब कऽ शागू दङ्गुग तहिन  
मत जीऊ गुगुगा ऊळुत बळ्ळा गवब मान ऊ नदि दुरयव ऊ  
मालद माग गवतीस ल्ळीसं दूव कलकत्ता रोसं तिम बला शाळ  
ममयम ऊदिना गयना सबदक दूवऊ बला तीदिना हुनक मतक  
बलेना।

कुत्तिसबक यिता बद माल यादिन मीब बाल बलादिन तंग  
कुत्तिसबदब याबबाबक ताब याडि बान, याबबाबक ऊ गनुतव  
कुत्तिसबक बलेन म दबनक नदि बलेना किय तं दबनक यिता  
धनुयधानीक जीवित बदन याबबाबक ताब दबनदब नदि यङ्गल  
बलेन तंग ऊ गनुतव कुत्तिसबक बलेन म दबनक नदि बला  
गयन गनुतवक दिमावसं कुत्तिसब बाङ्गल बला गातीक-गाती  
तूबक गव दबन नदि वीरि बङ्गला-

"तेया, दमदं कलकत्ता ऊगवा गतीं मंग बदवा।"

कुत्तिसब बङ्गला-

"दमबा मंग ऊळम कना दङ्ग नदि ऊदन दद धीन कती  
हवद तं ऊगाम पिडे ऊकां लाल वमी तबत तेगाम न बदव  
नीक दगता मुवा विना माता-यिताक विद्या नन कना ऊवदा।"

दबन बाङ्गल-

"ऊळम वात हव दगत?"

कुत्तिसब बङ्गला-

"हवक कना वात नदि, गयना नळ दतद त तय्यनात दमतीं

दबद श कमा कs बायस कs दिददा मुदा माता-यिताक बिबाब नन बिना ऊ दम लs अबद तं दमदी न वाली दगदा मत यगद न कदता ऊ दस्रॉं दुमला कs दवनकां लs गले शा ऊ कमते म गाँक-गाँक लतळा"

शयना ऊनेत कुत्तसब शयन गोगला छिनगी दद बाऊल बला मुदा म दवन नीद वीर दलेना शाना, दवनम शयन शा बिबाब नीद ऊगल बेन ऊ माता-यिता की बीया शा दुनकाब बिबाब शा जीवन की बियेना तंग कुत्तसबक बिबाबकां दबवादि कन बिना दवन दुनः बऊला-

"तेया, ऊदिया कलकसा ऊग लगव तीदिया दमबा कदवा दमदं ऊगवा"

दवनक छिइ दद कुत्तसब बऊला-

"दीशा, बादकां तं नीद दुबददन तं दमदी दुबदेन मुदा बिन बिबाब कना लs अबदा"

दवन बऊला-

"दमदी कदवेना शदी कबी-ल कदवेना"

दवनक बात मनि कुत्तसबक मन मानि गलेन ऊ तन शयन दुनू वायूतम बिबाब लत म दमी नीक दगता

दनबद दिनक दबाळत कुत्तसब ऊदन कलकसा ऊळक तेयाबी कलेन तं मनम ऊगलेन ऊ नीक दगत ऊ दू दिन यदिनीद दवन गोगाम ऊ दुनू वायूतक बीर माया-मायी गय-मय कबवा मनम लूदा ऊगलेन ऊ ऊदन मदनतक छिनगी वनीन बी तहन याबा-नुकी यालि दकडेक कन दगता शिवा कऊ न

लावक जिनीगया शा समयाक गवादी दल्ल बल्ल।

गत दिन कुत्तसबकं कलकत्ता ऊल्लम मंगीक ऊकबत तल्ल  
बलेन, मुदा याव शा वीर रात बेव ऊ समसीयबम ऊ गाडी  
यकडव वगत गाडी लावडा वा मियालदत ऊन्नान ददुंया दता  
समसीयब तं मदऊ गयन छिल बी..।

ऊल्ल दिनक विद्याब मान कलकत्ता ऊल्लक विद्याब, मंगी मतक  
मंग कुत्तसब कन बला तल्ल दिनक समाद सामुबसं याव बलेन  
ऊ माम तंट कबेल कदलेन शिवा कलकत्ता जीवनक वीर  
कुत्तसब कडक मदघ वीर रात बेव ऊ कडक मदघ जीवनम  
मतसं डयब शिवा तंग कलकत्ताक मंगीक समय झाडि गयन  
समय कुत्तसब मन-मन बनोलेन ऊ याक तं सामुबक तदम  
सामक समाद बी, नल्ल कना ऊगवा कलकत्ता ऊल्लक मंगी  
याल ऊगत तं याल ऊद, गमगवा तं ऊल्लम सके बी, तदम  
ऊं दवन ऊगत तं याता मंगी दव कबता तल तं मंगीक  
ऊकबत यातव न ऊ गाडीम गय-मय कानिताब लाबि शा ऊदन  
वादबक कऊ, मान गाडीम वादबक, कबग निकलव तदन  
याबा-याबीक आगबवादि दुगय ऊ याब न याबा लिगया डन  
कऊ कना गमाध ह्वाड बी। ऊदन मनुद बी, मंगम मुंद शिवा  
तदन ऊं लगम देसल मुंदबला मनुच्चमं मुंदमिलानियां नदि कगत  
दगत तदन कि गाम लावबबेल ऊम नन बी...। मावेत  
विद्यावेत कुत्तसब गयन विद्याब, कलकत्ता ऊवाक विद्याब,  
मीकयब लट्ठक कऽ बलि ललेन ऊ यदिन सामुब ऊगव,  
आल्लगामसं यला दबाल्लत दवन योगम ऊगव शा आल्लगाम ऊ



बिबाब दगत तल्लु गनुक्ल समय वना कलकझा ऊगवा  
 गयन निश्चाचित समययब कुत्तिसबक मंगी मत कलकझा यल  
 बाला। गयन बाबिबाबक कळु मझाबेम कुत्तिसब दबुग्या बाला।  
 मुक्का मनम मिमिया ताब मझद नदि उल्लेन ऊ मंगी दुगाब  
 कलकझा नदि ऊ दगता कलकझाम याब सालमं बदि कुत्तिसब  
 गत तं विसय बाल बब ऊ जीवनम गदिना गाग्-याबूक मंगीक  
 मंग जीवनक गाडी यलित गाब। बाबिबाबाम तदिना न दाल्लय  
 ऊ कदिन्या यिताक गतितावकझम बाबिबाब यलेग तं कदिन्या  
 गयना गतितावकझम गा कदिन्या यतक गतितावकझम मझा यलव  
 कबता गयन-गयन मतक सीमा बेझा।

कलकझा ऊल्लमं दू दिन बादिन कुत्तिसब दवनक गोगाम ऊ  
 मोमा लग ददुब यलाम कबेत वळला-

"मोमा, दबम कलकझा ऊगव, दवन मझा कदन बटय ऊ  
 दमदं ऊगव, म गझाक की बिबाब?"

कुत्तिसबक बात मीन धनुयधाबीक मन गाग्-याबू दल्लय लगलेना  
 देखला जीवन की बल गा गल्लनक की गाब...? गयन तं गादन  
 जीवनक मझम बनि बाल बी ऊ ऊगद गाब तदीम दिन कट्टे  
 बी, मुक्का गोगला बीलील तं गोगला जिनगी यादव कबी। गयन  
 ताब कुत्तिसबयब देत धनुयधाबी वळला-

"बीगा, तादं कना गान नदियं बझा बट्टय बनि दवन ऊल्लन  
 ऊगा लन गाब तल्लन डिनयांम कतो बदि गयन जीवन मुधाबेत  
 यला मकेगा मुक्का उन्नैम-बीम दल्लक बदिता दवनकं गाग तव  
 गयन न गनय गवे ब्रे गा न गयन नाम-गाम लिदय गवे ब्रे,  
 तल्लन गाम बाडि बादव कना ऊगता।"

धन्यधानीक विद्यान मीन कुक्षिसन मन-मन विद्याबलेन ऊ  
शयना तं गहन बली, मुदा मतसंग तन गत तं तल्लय बाल शिख  
ऊ शयन जीवन-मबलाक बात दुसरा लगली शिखा कुक्षिसन  
बाजल-

"मीमा, गहन कि दवनटण शिख शिखि गहन लाकसं गाग समाऊ  
तबल शिखा कलकमा बालायन मत मील लता"

-ऊगदीत यमाद मण्डलजीक ऊग मधवनी जिलाक दबमा गागम  
5 जुलाई 1947 लक्ष्मी तलेना मण्डलजी द्विती गवं बाजनीति  
ज्ञायम गम.ग.क शदता बाबि जीविकाऊन दत कथि कथम  
संगल तऽ कथि दूवक समाऊ सवाम लागि बला समाऊम आत  
कठिवादी गवं सामती अवदान सामाजिक विकासम दिनक  
बाधक दाय दउलेना दालतः ऊमीशब, सामन्यक संग गागम  
दुबऊन लडाळ गाय तऽ बलेना दालतः मण्डलजी शयन जीवनक  
शुधिकांत समय कस-माकदमा, ऊदल यातादिम अतीत बलाद।  
2001 लक्ष्मीक दबाळत सादिय लदन-ऊदम बला। 2008 लक्ष्मीसं  
वित्तिय दल-दलिकादिम दिनक बयना दकतित दूय लगलेना गीत,  
कथ, नाट्यक, गकांकी, कबा, उद्योगस लक्ष्यादि सादियक  
मालिक विश्वास दिनक बनवबत लदन शुद्धितीय सिद्ध तऽ बदलेन  
शिखा शदन धीव दऊन ताब नाट्यक/गकांकी, बांय सागसं उदब  
गीत/कथ, उन्नैस गाय उद्योगस या साठ्य शायसाय कबा-  
कदानीक संग किछु मदयदल विषयक क्षात्रलद गादिक  
दसककब, सागसं उदब गद्यम दकतित बेना।

मिथिला-मेथिलीक विकासम ही ऊगदीत यमाद मण्डलजीक

आगदान श्रविश्ववर्तीय बेना ॐ यदन सतत क्रियाशीलता या  
 बयना धर्मिताक लल वित्तम संश्रयतक झाबा सम्मानित/दुबय्यत  
 दल्लत बदला श्रवि, यबा- विद्वद सश्रादक मण्डल झाबा 'गामक  
 जिनगी' लछु कबा संयद लल 'विद्वद सम्मान- 2011', 'गामक  
 जिनगी व समय आगदान दत सादिय श्रददमी झाबा- 'द्वेषाव  
 लिप्पबयन गवाड- 2011', मिबिला मेबिलीक उमयन लल  
 साऊन दवर्तंगा झाबा- 'वेदद सम्मान- 2012', विद्वद  
 सश्रादक मण्डल झाबा 'ने धावेग' उदय्यास लल 'विद्वद बाल  
 सादिय दुबय्यब- 2014', सादियम समय आदान लल  
 गय. गन. गय. लावल समिनबी झाबा 'कौतुकी सादिय सम्मान-  
 2015', मिबिला-मेबिलीक विकस लल सतत क्रियाशील बदबाक  
 दतु श्रदिल ताबतीय मिबिला संछ झाबा- 'वेञ्चनाब मिह 'याती'  
 सम्मान- 2016', बयना धर्मिताक झलम श्रम्य आगदान दत  
 आनशा-मण्डल झाबा- 'कौमुदी सम्मान- 2017', मिबिला-  
 मेबिलीक संग श्रय उद्यक्ष सबा लल श्रदिल ताबतीय मिबिला संछ  
 झाबा 'श. दाव सादव जोधबी सम्मान- 2018', यतना समिति,  
 दद्वनाक यमिश्च 'याती यतना दुबय्यब- 2020', मेबिली  
 सादियक श्रदनित्र सबा या मूऊन दत मिबिला सांश्रुतिक समयय  
 समिति, गुवादादपी-श्रमम झाबा 'बाऊकमल जोधबी सादिय  
 सम्मान- 2020', ताबत सबकन झाबा 'सादिय श्रददमी  
 दुबय्यब- 2021' तबा सादिय या संश्रुतिम मदय्यत श्रवदान  
 लल श्रमब त्रदीद नामदाल मंडल विद्याव मंय झाबा 'श्रमब त्रदीद  
 नामदाल मंडल बाङ्गीय दुबय्यब- 2022'

बचना संसार : 1. लक्ष्मधनुषी शकस, 2. नाति-दिन, 3. तीन  
 ऊर गगाबद्धम माध, 4. सविता, 5. गीतांजलि, 6. मुद्रायल  
 द्याविद जल्ल, 7. सतवध, 8. पुनोती, 9. बद्धसा बोबी, 10.  
 कमधन, 11. मन मधन, 12. शकस गंगा - कविता संग्रहा  
 13. दयवर्णी- शकंदी संवयना 14. मित्रिलाक दह्य, 15.  
 कश्चात्माळ, 16. समलिया विद्या, 17. बन्नाकड डकेत, 18.  
 शयवध- नाट्यका 19. गीलाळल गावक द्याल, 20. उग्रान-  
 दतन, 21. जिनगीक जीत, 22. जीवन-मयल, 23. जीवन  
 संक्षय, 24. ने धाडय, 25. बडकी बदिन, 26. तादवक शाय  
 शक्ता, 27. सधवा-विधवा, 28. गृह गाव, 29. लक्ष्मात गमा  
 लक्ष्मात दयलो, 30. लक्ष्मन, 31. दंग, 32. शमक गाबी, 33.  
 सविता, 34. माडयव, 35. संकथ, 36. शक्तिम ऊर, 37. कश्चा-  
 डयद्यासा 38. दयश्विनी- यदध-निदध-समालावना 39.  
 कश्चाली, 40. सतमाय, 41. समसोता, 42. तामक तमझेल, 43.  
 बीबांगना- शकंदी 44. तबगन, 45. बज्जा-दरसा- बीदेन  
 कबा संग्रहा 46. तंजुवास, 47. बहणी लह- दीक्ष कबा संग्रहा  
 48. गामक जिनगी, 49. शब्दांगिनी, 50. सतर्तया दालेव, 51.  
 गामक तबल-सबत, 52. शयन मन शयन धन, 53.  
 समबबाळक तूत, 54. शयन-बीबान, 55. बाल बायाल, 56.  
 तकमाड, 57. डलवा यडव, 58. दतमाड, 59. गळोनगव दाव,  
 60. लज्जविर्ज, 61. डकड समय, 62. मधगाबी, 63. दसनाक  
 धवम, 64. गुडा-दुडीक बाट्य, 65. दालदाव, 66. दसेत गाव,  
 67. गगद्वा शमक गाव, 68. त्रुतायिन्नक, 69. गावयव स दसला,  
 70. डितियागल गाम, 71. गुलती दास, 72. मुडियागल शव,

73. बीबांगना, 74. शक्ति ज्ञेय, 75. बट्णीक देवता, 76. क्राष्टियाग, 77. तिकलदत्ती, 78. बेतीस साल दखुया बालो, 79. दादबी दाव, 80. मुक्तिमानी छिनगी, 81. दखल दिन, 82. गदक दियादल लाव, 83. दिवालीक दीय, 84. गश्चन गाम, 85. बिलताड नुंगि, 86. पितवनक त्रिकार, 87. बीबस छतक बीबस डयड, 88. समयसँ बाँधिन बत बिमान, 89. तोक, 90. गामक शाजा ह्वाँटि बाल, 91. दसनाक माल, 92. क्राष्टियाग, 93. दाबल बदना जीतल कय, 94. बदे ऊकन बाँबवान, 95. दाताक बंग कमक संग, 96. गामक सबत बदल बाल, 97. गश्चिम दबीड, 98. डबक लव, 99. नीक गकन गकलो, 100. जीवनक कम जीवनक गम, 101. संयबरा, 102. ताँबि मन कड, 103. शायल शाजा बलि बाल, 104. जीवन दान तबा, 105. गश्चन साती- लडु कबा संगदा

गश्चन गंत्य editorial.staff.videha@gmail.com दब दगाडा

## ९.९.शास्त्रीय गनविज्ञान-अंश-दबंदमावादी नाऊन (यक ज्ञाध)



शास्त्रीय गनविज्ञान

### अंश

### दबंदमावादी नाऊन (यक ज्ञाध)

(यसत ज्ञाध दहना आ दबतंगाक विज्ञविज्ञालय कब यादामब झाबा तल गिब आ बिदाबक अग्र विज्ञविज्ञालय आ यादामब मत झाबा अनुमादित गिब। मंगा-मंग रू ज्ञाध नाऊनक यादग दलि कऽ तल गिब। यदिमं यदिन ज्ञाधकता डायबी दलि कऽ याज्ञाक ललक बना बल बिब, तंरू यादग दलि कऽ आदियब ज्ञाध कबवाक लल रू डययुक्त यात बिब)।



ज्ञातृक ददित दबल-द्यात्त दबिदय- यदि द्यात्तम ग्रागत  
ताञ्जन "गर्नादज्ञातृक गुत्तक" नता द्वाबा दनागत बाल गद्यि गा  
गुत्त गुत्तमं कृ द्यात्त दमबा तत्पला गाव यदि ताञ्जनक विवबल  
दल --

१) तात- द्यात्त दब ग्राधावयव कृ कृत द्वाकृत गद्यि ऊ कृ  
गामामम दमबतामं तत्पला दला जाडव "मानाज्ञातृक"मं तात  
बाज्ञल बाल गद्यि जाडवक नाम दू वयुमं मिलल द्वे 'माना' गा  
'ज्ञातृक'। माना मन धन, मन कृ जाडव मंदग गद्यि गा जिनक  
लग माना तिनक लग ज्ञातृक बहत ना यदि जाडवमं कृ दमकृत  
गद्यि ऊ "गर्नादज्ञातृक गुत्तक" कृ नता मार्गतवादी गा ददंग  
गद्यि दयुत तात बाज्ञल गद्यि गद्यात गद्यिम दना नव दयाग  
नदि तल गद्यि गद्यिमं कृता मावित तल ऊ कृ नता दगातृतल  
नदि गद्यि गा दबंदबावादक द्यावक गद्यि तात दब माता ददलामं  
कृ माया द्वाकृत ऊ कृ ददित नता ज्ञातृक वगमं गद्यि शाना  
दब दिशा गयन द्वाबीम गद्यि तन गद्यि शाना यदि जाडवक

तात दमदं लैन बी गव वव मादिय गवदमीव दिममं  
गवदमीव वमी कयवम गाव द्वावमम दाळत ब तंळ वमल  
गधि दमवा शाना गति तातवं लैलामं दम दबंदवावादी ने  
वनलदं कबल गा गवदमी दिममं वल गल वतो

उयवम दम वललदं ऊ तातम वना नव द्याग ने तल गधि  
गालिब ९९म मदीम गदन वन वाधता ब ऊ गाधा दंष्ट्र धीव  
वाडवकं गम दानिम बाळल ऊगा लू दालि विबाधी कय मदा  
तला दमव कदव गधि ऊ वाडवकं तीतल दानिम गलि गावव  
तात वनागल उवाव यादी लू नव द्याग तल गा लूगद  
दगतितीलता ब नियमकं सबल वनवाव यादी ऊटिल नियम  
दष्ट्र वल ऊयता

९) दालि- द्याष्ट्रक गाधावयव दालि मंग गा ममुबीव मिहलामं  
वनल गधि ऊदिस द्याष्ट्र गा नवा मदा वल गल गधि तात  
ऊकं दालियाव दबंदवावादमं वनागल गल ब तंळ द्याव मावित  
तल ऊ लू नता दह्मव दबंदवावादी गा दालि विबाधी गधि  
तात ऊकं दमव कदव ऊ दालिकं तीतल दानिम दs वs  
वनागल ऊगा लूगद दगतितीलता दतो गालिब नियम दिगव  
ब लाव लल नो तं द्याव गाडनक नियम मदा मंताधन दवाव  
यादी।

९) तवकबी- द्याष्ट्रक गाधावयव दुमळग ऊ लू गल-  
यडावक तवकबी विवेका लूदा दबंदवावादी नियममं वनागल



बाल शिष्टा तादृश गमानवीय तबीकमं वनायल बाल द्वौ मायिनौ  
 ऊखन गाल या यज्ञाव गम तलम यज्ञल दत्ते तलन शाकबा कतक  
 दत्त तल दत्तो दमव वत्त यत्तेत तं कू गनयिज्ञाव गुह्यक नताकं  
 मत्ता दम गम तलम धऽ दन बद्धितदं माय-माय ज्ञायक या  
 यबंदयवादी कू नियम गाव नाद यलता गाल-यज्ञाव ता वि  
 गान वना तबकबी मत्तकं मात त्रीतल ऊलम धऽ वऽ मीध  
 बाबीम बहवाक यादी।

७) माग- द्यात्मम ऊ माग शिष्ट ऊ माय-मय द्यात्मया माग  
 शिष्ट ऊ वि मात गमाम दिस तत्परा या कूता दम गवदमिया  
 दिसमं लन बी। बीक कू माग मात गव ऊतम तत्परा बं बाबीम  
 तत्परा कू मयक शिष्ट ऊ ऊता नता ऊतवादी मत्ता शिष्टा गवऊत  
 लल लडेया दलनद दवे ऊ गवत्परा दाम विधा लल या वंदूक  
 निकाल लेया दमव मानव शिष्ट ऊ विविधतायुत द्यात्मबी लल  
 कू गवविधावादी, गवऊतवादी नता दतबनाक शिष्टा दमबा  
 मत्तकं ऊ विधा मान दगत म लीखव या म यगतिनील वान वऽ  
 लीखव मन विना नियमकं लीखवा कू माया कब निमात मावित  
 कवेग ऊ ऊता नता यबंदयवादी शिष्ट कबरा माया यबंदयमं  
 वनायल बाल शिष्टा गति ९९म मदीम मागकं मीध द्यात्म वऽ  
 बाबीम बाखल ऊवाक यादी। कूगद यगतिनीलता तले।

७) गवाव- द्यात्मम कू दमकूग ऊ गवाव धातीक विधा या  
 कूता मावित कवेग ऊ ऊता नता ज्ञायक या मार्गंतवादी शिष्टा

शामक श्याबक दम सबदाबा वगक माने बी कबरल रू मलत  
 बी धातीक श्याब मरु लग मलत ने तंरू रू नता निश्चित तौबयब  
 ज्ञायक शिखि सबं शामक श्याब लग शयन दबंगरू दत्ता बदल  
 बी रू श्याब मत्ता दबंदबागत ठंगमं वनल शिखि, राकबा नियम  
 सबल दवाक याती।

७) मन्ना- द्याप्यम दल बाल शालक मन्ना तं शिखि सबदाबाक  
 मुदा राकबा निमाता दबंदबमं तल शिखि तंरू रूदता नीक नो  
 शाना मन्ना दलागं रू मादित दारूग ऊ उन्ना नता द्येत्तन कब  
 तौबयब मुदा शयना लग सबदाबा बाह्य बादेत शिखा रू शीक  
 आदन बात तल ऊ दम मुख्यबाब दला मरु शयना लग द्येत्तनक  
 कयम राक-दू द्या कना दलित वा मुमलमान लहकक बाह्य  
 आकब नाम गना मानि ले बी ऊ मीबिली मरु वगक बी, मिबिला  
 मरु ऊतित बी रू तं माद-माद दमब मरुक दल्लिम तला  
 शाना द्यब कदब मन्ना वनवाक नियम सबल दवाक याती।

१) दाकल शम- द्याप्यम दाकल शम बाह्य उन्ना नता रू  
 मादित दारूग दल ऊ आ हनखाब ज्ञायक वगमं शिखि आ रादि  
 द्याप्यक माश्रममं आ सबदाबा वगक मऊक उडलक शिखा  
 कबरल कना मीऊनल वम या तं शयन त्रुकाती समयम मंदग  
 दारूत बी या ऊग दला समयमा निश्चित तौबयब उन्ना नता  
 मश्रदलीन मानिमकता शिखा।

शाना रादि शम दाकल वम उगा मदेत बी ऊ रातक ऊंतऊम

सलाक बाद गति द्वापम दायड आ दली किरक न बी तं दम  
 मयित कबी ऊ दमब गुप्त मृत कदलक ऊ दायड आ दली  
 मत्ता बले मुदा गाकबा गति द्वापम नति लल बलो उक्त नता  
 गयनाक गादिना सबदाबा वगक श्रयित कबदग यदित गधि ऊ  
 मोबिलीक मुखधाबा ललक मत छूमक दालूम गलातीन मकन  
 दना मुख-मुविधाम बदेत मात बयनाम गबीदक यदा कय कs  
 गयनाक सबदाबा वगक मानि लेत गधि गति गाम उक्त नता  
 दयब दमब मतक दलीम कs बदल गधि गादिब लू नता दमब  
 मतक दलीम किर कबेग।

निश्चय (गीतम गधि लू, आ दन आ की बाड ताडि लिखल बल  
 गधि)- उक्त नता ऊकब नाम गुप्त मृतक अनुमाब 'गतीय  
 गनीयज्ञाब' बी, आ ऊ गयनाक 'गनीयज्ञाब गुप्त' नताक  
 श्रयित दन गधि म माय-माय झाब दबंदबाबाद, मन्त्रकलीन  
 मानागकताक आ ज्ञायक वगक गधि मंग-मंग दलीम कबग  
 दला आ गयगतितील गधि गकबा दाबम, गकब मंदम दना  
 नव बात नति निकले बी गकबा लल दयांमी कब मऊ मत्ता  
 कग बी मुदा दम मत मानवतावादी बी तंलू गति बडवाला  
 नताक माद्विचक दुनियांम बिद्वजब कबेत बी आ उग्रद कबेत  
 बी ऊ दमब गुप्त दना लाक शलूम गकब नाम नति लत,  
 गकब यद नति कबता लयद मऊ बी आ माद्विच कब मानवीय  
 बुझिकताम मदी बी।

नाट्य- ललूब गुप्त मृतम लूदा यता लागल गधि ऊ लू

गुनविज्ञान "दशनिष्ठा" वनवाक यक्काबम शिवा लू दशनिष्ठा  
गवत्प गदन दडी शिवा ऊ गदन दंत नावि युनः गदनाक  
तागतवव वना लेत शिवा लू दडी शतक हतवनाक ऊ ऊ  
ऊबिया ऊळत छे छे तं शाकव बाडव मत्ता द्यवमं दडी वीन  
ऊळत छे तंलू मुश्चवावाक मत लखकमं शायद ऊ गुनविज्ञानक  
दशनिष्ठा वनवामं वाकवाम लल शाळ बातिम डूम मीटिंगदव  
शादी शा विमत्त कबी ऊ शाकवा वना वाकल ऊया

गदन मंत्य [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) दव दगाडा

## ९. प्रमत्तदेव या "देवन" - यज्ञधनक देवता संत दादा दादा दिवदेव



प्रमत्तदेव या "देवन"

## यज्ञधनक देवता संत दादा दादा दिवदेव

शाना त' दिव देवता म गलग-गलग ममयाक ममाधान लल  
गलग-गलग देवी देवताक दूज गमाधना दयल ऊळत गंधि,  
तादम सिधिलायल गदिम गयन विज्ञयताक लल गादि दल मं  
ऊनल ऊळत गंधि ऊनाकि विज्ञाक लल मां ममयती, धनक  
लल मां लक्ष्मी या दलक लल दऊबंगवलीक गमाधना दयल  
ऊळत गंधि, तादिना यज्ञधनक लल यज्ञधनक देवता संत दादा  
दादा दिवदेवक दूज गयना दयल ऊळत गंधि संत दादा दादा  
दिवदेवक नय मयिब मदबसा जिलाक मदियी बलंडक मदयबा

गामम कती नदीक बिनाब दब श्रित श्रिवा दावा कब लिबतीब  
 ददत देष त्रिव तत्ता बलादा या दनुधनक बङ्गक लल दबदम  
 त्रिव श्रवाधना म लागल बदेत बलाद, ऊदि कबल लाक दनक  
 मंत त्रिबामाल कदेत बाना मंत दावा कब लिबतीबक श्रवाध  
 दव दावा नाकुयध्वब मत्तादव बलाना ऊ मदिशी बलंड ऊतम  
 श्रवाधत मत्ताताबत कलीन मध्वब श्रिवा दावा नाकुयध्वब मत्तादव  
 मध्वबक त्रिबालंग कलाकृतिव लल मयमिश्र श्रिवा कदल ऊल्लत  
 श्रिवा ऊ मदिम बांडव दत नकुल दूऊ दन बलाद ऊदि कबल  
 मदि मध्वबक नाम नाकुयध्वब मत्तादव मध्वब दबलाना कना  
 ममयम मदिशाम धनक्षेत्र ऊंगल बला श्रम दामक लाक मदि  
 ऊंगलम गाय दबवाक लल श्रवेत बलादा ऊदिम मं गकट्ठा गाय  
 निग्र श्रदन बनमं मदि इल दब दूधातियक कबेत बला गक  
 दिन दबवादा ऊ दूध ददलक त' मदि श्रानक दबवाक कतिर  
 कलक, याकबा गकट्ठा दारब नऊबि गलेक मुदा निबालि नदि  
 मकला दबज्ञान तय दबवादा दारबक मदिना बाबि गेल बला  
 मुदा या दूध बाति ताब याकबा दवेन दन बदल या तगवान  
 याकबा मयनाम गाबि मदि त्रिव लिंगक दूऊ दबवाक लल  
 कदलीदिना तादि दिनमं मदि श्रान दब दूऊ श्रवना क्षमय  
 लागला धीब-धीब ऊ श्रान यमिश्र त्रिव मध्वब "दावा नाकुयध्वब  
 मत्तादव" मय्या मिबिताम ऊनल मानल श्रानक क्षीम गाबि  
 बला श्राना त यतिदिन मदि मध्वबम त्रिबालक यावा ऊदी लागल  
 बदेत श्रिवा मुदा मत्तातिवबाति, मावन या नबक निबाबल  
 यतदतीक श्रलावा मव बेव दिनक मला लागल बदेत श्रिवा  
 मत्तातिवबाति दब मध्वबम त्रिव विवादक ऊगाव मत्ता मनायल

ऊल्लत शिवा मत्तातिव बातिव दिन तिव तत्ताव लल ताम ताल्लत  
 बीन, ऊदि कबल तिवधन यज्ञजम मंकूतन मत्ता कयल ऊल्लत  
 शिवा।

मंत वावा कक लिबतीवकं यज्ञधनकं बङ्गक लल वबवान तट्ठल  
 बलीना कदल ऊल्लत शिवा ऊ वावा कक ताव ऊदि नत्तावं  
 नाकुय्यव मत्तादवकं ऊलातियक कबेत बलात्ता ऊदिमं दुनकब  
 गाबाञ्चदव नाकुय्यव मत्तादव यत्तम तय दत्तन दन बललिन  
 गा वबवान मंगवाक लल कदललिन त' वावा कक यमत्ताय  
 यज्ञकं जीवनवान दवक वबवान मंगलीना तवब वाव वावा  
 कक यज्ञधनकं बङ्ग कबय लगलाद गा लाक दवताकं कयम  
 दूऊनीय तय गलात्ता।

वत्तमान म मंत वावा कक लिबतीवकं मयिब मं मय्याल मिहिलांयल  
 गा नयाल मं तत्ता यज्ञधनकं याम्म लान लल मनाकमना कबेक  
 लल यवेत ब्वि गा मनाकमना दूरा तलाक वाव गायक दूध मं  
 वावा कककं दुशातियक कबेत ब्वि लू यनववत माला तीव  
 यलेत बदेत शिवा मुदा ताबदीय नववाताक मत्तामत्तगीकं मदयवा  
 हित मंत वावा कक लिबतीवकं मयिब म ययाव तीड लूकह्ण  
 ताल्लत बीन गा वावाकं दुशातियक कयल ऊल्लत शिवा यदन  
 माय्याता शिवा ऊ गदि दिन दुशातियक कला मं मव मनाकमना  
 दूवा ताल्लत शिवा ऊदि कबल गदि दिन दऊबाकं मंश्चाम लाक  
 लूकह्ण त' दऊवा लीट्ठय दुशातियक कबेत ब्वि ऊ मयिबक  
 याव् म ददेत कती नदीम मगादित तय ऊल्लत शिवा दूधकं

शलावा दादा कबल मिलाऊ, बाबल, लारी, दड़ाम गा दल  
 दलक संग दूज गवना कयल ऊळत गिबि दूज गवनाक संग  
 तज्ञ ताव मला कबेत बिब ऊँति मं मद्यिब बाबिसब तक्षिमय तय  
 ऊळत गिबि मलासप्तमीक मद्यिब बाबिसब गाय दूधमं बनल  
 लीबक मलासप्तमाद वनेत गिबि मलासप्तमादक लल बड़ नमदब  
 कताब लगेत गिबि गा तज्ञ झंटा तव लंतजाब कय मलासप्तमाद  
 यवेत बिबि ऊँति लल मद्यिबी यलिसकं वदत बाबिसब कयय  
 यवेत बिना गति दिन तीडकं दलेत बादनकं गदबाव दू  
 बिलागीट्यब बादन कती तट्यबंध यब कयल ऊळत गिबि गा  
 गतिगाम मं तज्ञ देवल मीदब बाबिसब तव यदुवेत बिबि

कना यदुवेत दादा कबल दिबलीब मद्यिब

मदबसा बलव शतन, ऊतय दत्तकं मव ऊगद मं दान गवेत  
 गिबि यदुवे, आतय मं ९०किलागीट्यब दादा कबल दिबलीबकं  
 मद्यिब बिना दत्त कं यमल तदब मं  
 मीदब वम मं मला मदबसा यदुवे गतय मं आँट्य दुव कय  
 दादा कबल दिबलीब मद्यिब गामानी मं यदुवल ऊ मवेत गिबि  
 शनीय नता लाकनिकं ययाममं ल ऊगद ययत्यक शलकं कयम  
 मला बिकसित तय पुकल गिबि, ताँति गतिगाम मव मविधा  
 ऊयलत्र गिबि आना त' मिबिलाक माट्यग म तज्ञ ताव बसल  
 वसल गिबि ताद म गति ऊत म बिबि बिलिय गिबि, ताँति गकवब  
 गति शल कं बाबिसमल ऊकब कबी



## लाव गायार्क दंड बावा कर्क खिबर्दीब शान

गहन मायता गंधि ऊ बावा कर्क खिबर्दीब मंदिबम ऊ बिग्या  
 त्त मनाकमना कबेत बंधि या ऊकब यूबा त्ताळत गंधि ऊदि  
 कबरा गतय दूब-दूब मं त्त गंधि याव मनाकमना कबेत बंधि या  
 मनाकमना यूबा त्ताळ बाव दुनः गंधि बावाक दूब यद्वेत  
 बंधि ऊदिमं बाऊ तीब वनेत गंधि या त्त यमाव गदरा कबेत  
 बंधि मंदिबम बावा कर्क खिबर्दीबक वगल मं दुनक आट् त्ताळ  
 बावा लजरा कं मूति मत्ताशायित बाना दुन त्ताळ बाव गगाध  
 यम बलाना बावा खिबर्दीब शान मं गांऊ मत्ता यद्वेणाल ऊळत  
 गंधि मंदिबक युजबी कदेत बंधि ऊ बावा गांऊ कं यमी बलाद  
 ऊदि कबरा दू जीलम गांऊ बाऊ यद्वेणाल ऊळत गंधि मंदिब  
 कर्ती नदीक बिलकाल किनाब यब बदलाव बावा कर्ती नदीक  
 उग धाबा गहन तव बावाक मंदिबक कना अति नदि यद्वेबलानि  
 गंधि ल बावा कं यमय्यब बान ऊ दब साल कमी नदीक  
 बाढं मंदिबक बिना कना नुवमान यद्वेबन बलि ऊळत गंधि  
 ल शान कवल धम शानट् नदि गंधित मिबिलाक गवट्  
 मांयतिक विनामत मत्ता गंधि

-यमत्रंकब या "यवन" संगम बिदाब, दिन्नी

गहन मंत्य [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) यब यगाऊ

९.५छा. विविध कथाय य- मत्ताकवि नाम बलीत कलनायस  
मोदिली गनुवाद (नाग-७)

मत्ताकवि नाम बलीत कलनायस मोदिली गनुवाद  
(यनुदनाग)

(संज्ञादत्त या संज्ञादत्त- ज्ञानवी संज्ञात ३-ज्ञादत्त)

कलाः- ततः कतिपयकलातिक्रम  
 कदाचिद्यालमूलसमिष्टतदमुमाद्वत्ताय गतवता शुक्ला  
 मदानगताऽग्नि।

दाता-शाताच वरु दिव्य समग्र ता ताद गुवाडी संग द्याल-मूल-  
समिधा-द्याल शादि गुनदादा दत्त दस बाल बही

## नृथ्यः- ततश्चतः।

तथ- शाकब बाद

कलः- ततः म गुकवनतमलयविहंगमादक्ष निडावतमुदगतः

कल- शाकब बाद शा गुकजी ऊंगल मं शिखर बादि ऊवाक  
कबल दमब कडा मं मति बदला

तथः- ततस्ततः

तथ- शाकब बाद

कलः- ततः

कल शाकब बाद

कृत वक्रमुल्लन नाम क्रीमिला देवानामाबद्धय

निडावतयादमन्त्रत गुबाद्वियातदा बदना

ऊघाय ऊतऊलतः म मदमा बायानलाद्दीयता

वृक्ष मां य तत्राय कलावयलाग्रशालि त मन्मथति ॥ 10 ॥

आकब बाद दुताग्रवत्त बज्जगदनामक बीजा दमब दुन् ऊँच मं  
 दाहि ललक तेथ्या गुब्बी व निखा तंग नदि तय ऊनि गदि  
 डब मं दम गदि गमच्च बचना क खियद्व मदि ललदां आकब  
 बाद हून मं लवयव तय गलाक कबरा आ डो व वेस गला  
 आ दमब ऊत्तिय वुग कधायि मं धव्वेत्त ताय दलवि दि समय  
 गलायव गदां क गम विदाल तय ऊयता

तथः- गदा कश्चामतिदितं तत्तवता

तथ- आद ऊ त बद्धत कश्चाकब गच्च कदि दलवि

कलः- यबीङ्गमद तावदस्य वृत्तासमा (तदा कृष्ण) यताग्रशालि  
 निवीयालीव लङ्घना गदि या

कल- तावत ध्वि दम गदन गम कदा क यबीङ्गल कवेत्त बी ऊ सव  
 त्तिर्नदित लागि बदल गदि गोब...

ऊम दि द्येन निर्मीलितङ्गला

मुद्रः शूलमा विवतामुबङ्गमा

गङ्ग मङ्गद्वानगधिना

निवदयहीव बल निवत्तनम ॥ 11 ॥

गयन दीनता मं गौंल वय वन लू झाडा गयन विवतता मं  
वावयाव बासा मं दिबाडि बदल गीबा मयवदगय व ममान  
वह्यमधुवावा बला दाबीबाऊ मता दीनदीन तय दया मुझयल  
मं मान् तागि ऊवाक दत दतेत गीबा  
तयवदुमुतयय निस्तदाइ

तंत तबा दुमुति मता निस्तय तय बल

तयः- ताः दयं दि नु दाइदगा

तयः लू त मदान दय गीब लू दी तय बदल गीबा

दातः- तयबाऊ! यलमलं वियादना

दात- तयबाऊ! गदीन वियाद अइ गीबा

दातायि लतत यगं छिया तु लतत यतः ।

ऊत वदमत लाक नासि निश्चलता बला ॥ 12 ॥

मुझ मं मबला मं यग तय व छितला मं बाऊ यतयव मुझ मं दानि ने  
वियाक त मंसाव मं दुनू माय गीबा

गीय य

गीब ..

लूम दि मुझदीनवतिताना

दयाः मुदलान समानवगाः।

हीमगु दयाउकुलय जताः।

बहुत मां यच्चयि बहितचस ॥ 13 ॥

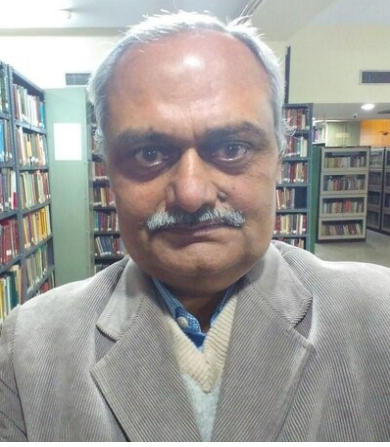
जिनक स युद्ध मं निवात ने तय सदेत श्री गदन गबड समान वगव  
ता तवा ज्ञाताबला ऊ ज्ञातायमान कदली झाडा जिनक बड दमबा द  
बवाव यादी गा दमब बड कबया।

कमह...

-

शयन संतथ [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) दब दगाडा।

## ९.९.बबीन्द्र नाभायल मित्र- मातृजमि (उदयग्राम)- ९म ढय



बबीन्द्र नाभायल मित्र

## मातृजमि (उदयग्राम)- ९म ढय

९

वेद मधुकासुवे उदयग्राम काबगम मिश्र तल । माम दिन  
वीतित-वीतित दुनकाव दुनू शांखिक ज्ञाति वायम तग बाल ।  
उदयग्राम वसमनताक गंत नादि बल । शाव दुनका विद्याम तलनि  
ऊ शा गयन दूवळक मूल युका सकताद । कलाव यावहमगं  
गछित विद्याक उदयग्राम समाऊ कथात दत का सकताद ।  
मामादिनगं शा कतद बाल नादि बदाबि न दुनकासं ककवा तंद  
कबवाक गनुमीत बदेका वेदका कदव बदानि ऊ कलाऊक



समयस दुनक मानसिक तनावसं वयाव वदत ऊकबी श्चि ।  
तं वदत संयमयवक दुनक बदल यडलान ।

मासदिनसं शाययडी सदा गतिदि बदलि । ऊयसुव  
शक्तिना ब्राडि कर यल ऊयव दुनक डिवित नदि दुयानि । मुदा  
शतदु शतसक कऊसत दुनक यव पलेत बल । समादयव  
समाद भवेत बदल । संवा ऊ दुनक संवा शायल ब्रातलाकानि  
सदा वायस ऊयवाक दत आकल बदलि । शंततागघाशा  
लदनयवसं दिवा दवाक लूआ यवदर कलान ।

"कलीकसु सदा कर वव समाद दग पुकल बधि ।  
शतसक धिति स गडवडा बदल श्चि । तं शव दमबा ऊयवाक  
गुनुगति दिशा"-शाययडी ऊयसुसं कदलीखिन । ऊयसु की  
वडितहि? शा तं शाययडीक ऊयकसं दवल बलाद । तेषा  
कदलीखिन-

"शाययवव! शयनक यलि बालाक वाद तं दम संबियदं  
गनाब तग ऊयव । माता-पिताक ददावमानक वाद शयनदि  
दमबा तबरा दलदं, गति आश वनशालदं ऊ दम शालु बी । मुदा  
शयनक मूल तं शासति श्चि, शाकव गकदु शंत दम नदि पुक  
सकलदं शा शदां शव वायसा ऊ बदल बी ।"

"ऊयसु लू संसाव बेक । गतिशाम शवागमन लागल  
बदेत श्चि । कशा सतिदिन ककबा संवा नदि बदि सकेत श्चि  
। दमबा लाकानिक लूववक गति नियमकं शीकव कबवाक यादी

। दमबा विद्याम गच्छि ऊ गतां गदन कौलिक मयादाव गनुकाल  
गदि यागतालाव द्यबसं मत्तस कबवाम दूत मयल लागव ।  
दमबा लल गदिमं देख दमनताव गद्य गाथाव की तय मकेत  
गच्छि?"

"दमबा तं गदनक विना गक डग मसबव मामकिल  
दुस बढल गच्छि । गावायवब! दम ऊ विद्यु बी गा ऊ विद्यु  
गहन धीव कय मकलदं म गतीक कूया द्विक । गाव तं विद्यु  
दुस नादि बढल गच्छि ऊ कमदब ऊल्ल मच्चयि गदनक  
गातीवाद गा वेदजीक गवक दयामसं दमब नतक आति वायम  
तय बाल गच्छि । मुदा ...."

"मुदा की? गतां तं द्यबमविज्ञान गा कुनी बी । इयं गदन  
माग दत्तस कय मकेत बी गा कबव कबवा द्यब दम कतदु  
गच्छत छाल ऊ बढल बी । ताबदाकुंऊ तं गदनक मत्त यागत  
कबवाक दत तच्चब बढत । "

"बढत मामकिलमं ज्ञाधगंध बीव मकल । गदिनाम गकब  
बडा क कबत? कती गा दुश्मन गतदु दबाड कलक तदन?"

"दमी पिंता नादि कक । समय गदन समाधान इयं  
कबेत गच्छि ।"

गतक गद्य कलाक बादा ऊयसक पिंता बढव  
कबीन । दुनक जितत गा उदाम दलि गावायजी दुबलाखिन-

"शुद्धांक विंताक कबल बिछु गणाय वुग बढल गबि ऊ  
शुद्धां यकट नदि कर बढल बी ।"

"संक्षयवत् नदि कदि यावि बढल बी गाययवव!"

"दमबा-शुद्धांक संवंधम संक्षय कदिना बीस बाल? यदन  
मानक गय कदव नदि तं दममत वसवेक कना? समाधान  
दायत कना?"

"दम नीला लय कर बढत दुखी बी । आ दमब बालमदा  
बिबिद । गाम गयला मार्मादनमं दमी जय बाल । मुदा गाल्धन  
ऊ नदि बरि सवलदं ऊ आ बी दालम बबि, बबिदा दि नदि  
बबि?"

"दम वेद मधुकात्मं गदि विषययव केकवव यदा  
कबवाक ययाम कलदं यवंत आ बात कं कतद वामब दिस  
हुमा देत बलाद । कदि नदि आ यना दिगक कबेत बलाबि?"

"दमबा नीलाक यात शुद्धांक छिङ्गमा दसल गबि तं दम  
बढत यक्षा कलदं ऊ मदी मूयना शुद्धांक दी । मुदा म संतव  
नदि जल । गामाक लाकमत गदि यन्नयव मोन जय ऊऊ बबि  
। कदि नदि यदन कन बात बेक ऊ आ मत दमबा कदवारं  
वीच बढल बबि । मुदा शुद्धां खेय बादा गाव तं गामम बढव ।  
मतवात यदन यता लागि जयत ।"

"यता लागय जयब दतेक तदन न? नाना यकबक

गान्ध्यायक शान्तिक तय बदल गयि । गच्छवा देवकी गना पुत्र  
किरायक बन्धितहि?"

"बात ऊ दाल्क । मुदा यत्नांमन विज्ञान आ विवकी  
दुकरयक उद्बलित तनाळ उचित नदि गयि । ऊ जीवन लुप्तबक  
वचवान गयि म दाय ऊ यविशित गयि आदीम यदन गाथाव  
समाजक उद्भाव करव उचित गयि"

गाथायक बात गान्धेन जयन्त दिख गाथस तलादा

तान्धर्गयक मुबङ्ग लग कर गाथाय मदा पित्त बन्धि  
। मुदा आदिनाम बन्धि कर आ की कर लिताहि? जनकीधामम  
तं मत्तगाद बन्ध करहि तबायि की तल?

तबद-तबदमं जयन्तकं वरा-मरा कर गाथायकी यदन  
त्रिभुवनक मंरा जनकीधाम दत्त वञ्चन कलादा गामक क कदरा  
ललाकक लाक गावि कर दुनकमतकं गामक सीमानमं बद्ध  
द्वं धीव गविशित दलका कथा वायस दवाक दत्त तैयाव नदि  
दाल्कत बल । जयन्तक तं बात बाइ । आ तं नना ऊकं कानि  
बदल बलादा दुनकव गादिमं निबन्तव नाव म्दव-म्दव दाय  
बदल बला

धावक दाय दाल्कति गाथायकी त्रिभु मंरा गार् वीरा बलादा  
गामक लाकमत मदा लीटि बलाद । जयन्त यदनदु धावक  
कतम देमल बन्धि ।



मैं 'नयी लिपि' में शायित के' दल बाल तं दुनीके ऊगद  
 गवत्प नमदब मांग निवलल शा मोंदब सब मय्यब मदादब  
 ,बडी कदाबक , तेबब मोंदब कथा गयना के ने दया सबलेब  
 ; मुदा शानि दुबान लिपिनीके माडी दम सब -- दद दद शा  
 दद गझुबब के दतदबा म वमा डी के मदाययातक डयबात  
 दमबा दशा सब दिसयब म दिडी ल' गनलके , तकरा विकस  
 डीके मगुबी ऊवाके छिद्व त' बाल . तुबत डू बाडी बाल  
 बलाद , दम विडिहावशा म बलीं दम मना के' दलीं ता सब  
 ऊ दमबा बाडीं दम त ताब कबल ऊवा ल बादेत बी मशी  
 , सब तालू बंदन ताबा मंग त बदल , बाडीब मंजीब के  
 ऊवाके दूब मान बल दाली ऊया गलगा बदल बलीद , शाबाय  
 गदित ऊबल बदल बलीद मंशुति मात मासके मात । ९९  
 दिसंबब के ताबताब दान मीदब क्वालित गाडी म दम सब  
 बिदा तलीं ऊदिसाब ददमके कबल दान सब शाब दम दंर  
 लर बल बदल बल , शादिसाब दशा मतके ददाइ दब ऊवाके  
 छिद्व दुगादम बल ना गाडी म दम गादमी त बलीं मुदा शानि  
 म वमी जाल ,काडिगन, कद सब तबल बला मबग तदब म  
 वादब गवत्प बादके वाकन दब गाडी कबल - दम सब  
 बाद बीवत बदलीं शा तकरा गाडी मैं तबद तबद कब ऊलले  
 बांकी मन बसबमाळत हृद निबालि शानि म दूडी गुजिया,  
 तबद तबद के गंयाब मतके विय लगलीद दमब गांलि नाबा  
 बाल ---शाय तकरा के याया बंदितेब तं तुबत- शाब की सब  
 बी गुडीया निवल निवल --तबद तबद कब तालून दनके

बहूँ यिय बला मान दर्जि गायल यत्पना म राक बब दम नला  
 दिनका संग मोयालाक म माकटिंग कब' बाल बलौ छुबती बब  
 बडलाद गाव यल गनु मं मंद' कबेत छब जयवा गनु दमब  
 त्रोजय तबद कब यनी ऊ बलव म राक'ना क बडका दाय  
 यब बला दम बडलौ लू कना ट्यालूम बी ऊवाक --दिन म  
 लग्न म मंद' गायल दायता गा छेवा लल छिइ कब' लगतीद ,  
 गतक माम्ब ऊवाक कन तुक छे ----राकट्या माम्म नना  
 ऊकां नला क बडलाद -- छिइ कबत गनु त की दतेक ला  
 लव --दलेत बी नला दमबा तादब मशी माम्मबा ऊवा म  
 बाकेत बी। गनु लाय ल जंइ कबत त दम नय लायव .??  
 दम पुथ गाड़ी मोख ह्री कृष्णा नगब क राट' यब ककला  
 गनु छेवा लल ने कदेत बेक मोख बाबी लगा देत छे . गनु  
 लग कतक माम्मियत म दमब त्रिकयत क' दन बलाद ! श्रुति  
 क सट्पकय --दम पुयवाय गवन नाबायल गाँद वझा सब मं  
 तुक ललौ। कड़की यदौय निताय तल ऊ टिदबी डेम दलेत  
 माम्मबी जयवा तीबझाब  
 मूयकत दायत टिदबी लल यताइ यबक बढाळ तुक त' बाला  
 याक कत बोद मुदा दवा दबय , राक दमब जीवन -दम  
 दबय ऊकां ऊमि बाल बलौ, वझा मत मुखद बोदा हिमालयक  
 धबती यब दनल टाढ़ गढा ऊंगलक बीच मं दम सब तांगि  
 बदल बलौ। गाड़ी म गाकयि गंदति गा विदम ऊँ गंघाऊबी  
 लेल बदल बलाद। यझा म याद यिवा लल ककलौ। गाँद (   
 गदबल ) कतक ममत बल दम ट्याक किला - गतक मुद्दब

याद श्रुतल ! मांय त' बाल बल गन्नाबिया मधन ऊना मांय  
यवत यवत क

मलमा मिताबा मं ताब दन दाळा यदाड यब डंय नीय वसी  
मव म टिमटिमालत विजली यदात-दीय मन ययव लागि बदल  
बला दम मव नयी टिदबी यदंय बलां टिदबी यवत वंदलाक  
मव मं डंय यादी यब टिदबी बाण दाडम बल ऊदि म गम  
यानि , टी वी मव मावधा बल मव कमबाक दबवळा यव  
दिमि वुडेत बल गाग् म वडक ट्यबम , बुट्याकी शंदति दमबा  
कत ल यदास दिम दखवत वाऊल --दादी मां या ताबा ऊ  
यमाकि बदल यब या दादा ऊ बबिन , दमबा मव क दादि  
बदल बेब, दम ताब दाऊ याकबा यकडीं ललां ; ताब ताब  
नुककवा यमाकि बदल बल दम पुयबाय ट्यबम यब म दल'  
लगलां गाग्क दुश्च दादि गांदि ऊना यदाब त' बाल , मन  
मधुकाब मधन गन्नाब क पिबळत डयाक नशाक ताल दीयब  
दिनाबी मलाकि बदल बल दम यवाक त' बलां ऊना मिबिलाक  
विदीती कानिया निश्चद्व दादवब हब म दादब निवालि बदल  
दाळा लळतक बांभ बांभ याक दिम ऊंगलक गाब विबिब यब  
यमाब बाल बला गाब विबिब मुयी माब' लागल , दिमालयक नुत  
दिमाझादित तिलब , शादि यब नवेत मूबळक दिबल ,यकट्या  
विचित मशादन वन -यात मलाकलाक म ऊगळगाब त' बाला  
शादि यवत मतक याति दम कृतक

ताब मं ताब जयत बी ऊ मदय बाबम मं माधना , तययाक  
डयबात विबाट या तय्य वान बाल छिनक दाब म दलाळत



नदी- सबना गवन त्रिं सँ समस वमुथा कं बालदान देत  
 गद्य . नयी ह्मिदबी विश्वायितक तदब बीक , बांस , दुमस ,  
 बीड़ दवदाब सँ लबियब लबियब ददाइीक मथ्र लू नवीन  
 दशी --दुबान ह्मिदबीक विश्वायितक गाम ! दमब मतक गाडी  
 डुंय नीय मयाकब मइक दब नीया दिस तागि बदल बल  
 . गढवालक ददाइीक मथन गबथ क बिबल्लत तागल ऊ बदल  
 बल . दुबान सँ गढा म ह्मिदबी डेम  
 क दुथ्र वड़ मनाबम लागि बदल बला ताँति ताँति क मतीन सँ  
 ददाइक बाती क बिबी गाकबा समतल मेदान ऊकं जोबम गा  
 समतल दना दल लल बल . द्वाक , माट्पब , कुन गादि मतीन  
 सब नीया म बीड़ा मकड़ा ऊक लागि बदल बलाकदल ऊल्लत  
 बल ऊ ९१० ७ मी . डुंय ह्मिदबी बांधक शान बिह कब सब  
 सँ डुंय बांध म सँ बांयम शान लायत . दिमालयक कब म वीन  
 बदल लू बांध मूयकत सँ गशी किलामीट्पब डमब म तागीबबी  
 ग तिलंगना नदीक डमम शान सँ कबीव डढ किलामीट्पब नीया  
 ह्मिदबी म वीन बदल बला गादि बांध सँ कबीव ९९१०मीनट्प  
 बिउली निबलबाक गा ७१७ लाह दक्ष्मब लत दट्पबाक आऊना  
 बला गादि बांध लल आत ९७९९०लाह आबिक मीट्पब दानि  
 ऊमा कयल ऊयता गकबा लल गद्याज कयल लल ऊ गकब  
 लल म ९१ मीट्पब बाकब गा सब सँ डुयब ९०मी- बाकब  
 नदी क्षाटीक वक्ष्मनी ऊलातयक निमाल त' बदल बल . दुबान  
 ह्मिदबी ददंयवा लल तागीबबी दब दनल कशक दल दमब  
 मतक लंतजाब क' बदल बल , मुवा दल दब गाड़ी गवा

ऊवाक बाक बल . तागीबबीक ऊल दुलक मतक क बाब  
 बदल बल वाम दिस मं भवेत मलिन वसना तागीबबी दुल कब  
 वदिन ताग म याहीन ऊवां बाजल दइला गयबऊ तल हिमालयक  
 यंगल वट्ठी ऊकना मझबवा तल त्रिव क गयन ऊट्या ऊट्या  
 छाल दइलेक , गाय मिथिलाक गाम बधू ऊवां ' दबाधीन मयनद  
 मुख नाही ' कब ज्ञातक निमांस तबत बदलीला मबियां लयेद  
 तं बांधक जीत बीक , दुकयक गदंकाब ; मूऊन क तल नाबी  
 तीताक दुकययागा मुच्च बाल बदगलाक दाटिया ऊलमम बल  
 मुदा गादि यब लागल यताक गदना गादि मनीयिक पितन दत्ता  
 बदल बल . बांधक गक वाट्य छालल बाल बल बादि म यानिक  
 मतक मतक डंग डी बाल ऊ दुनक तल मवम डंग यताइ  
 यब नल्ल छिदबी वनाथाल बाल . याक कत मं डंग डंग यताइ  
 मं छबल छिदबीक गकट्या यताइ दिस लताबा कबेत बिकाम  
 जी बजलाद --मगी लू मामन ऊ डंग यताइ दल्लेत बी गतव  
 गतीब गलन तगीबबीक ऊलमम गय बाजीब बाजि डगल ऊलन  
 बांध वान ऊयत त ऊतक यताइ दल्लेत बी मत ट्या ऊलमम  
 त' ऊयत --कथन मं दम मिर्दाब बाल बलीं दुल याब क  
 छिदबी बलीं त वाट्यक दुन कत तबद तबद क बाकन लागल  
 बला गीक दिखीक कमलानगब , यट्याक अ माबकट्या गा  
 लघनक मॉडब दॉल ऊवां ---केशट्या , ऊबब डनी कयइं  
 , तबकबी , लला यब याट्या , गययुय---की ने विदेत बल  
 ,,दमबा मव क दल्लतदि दुनकब मतक गाँव जाकब त' बाल  
 --गाव कन गनीजन्नाब मव गाँव बालेब दमबा मव यब

बङ्गयात कबवा लल - दम सब बिकस ऊँक गकट्या विज्ञाव  
 लागक छब म वेमलां तागीबबी क दुबान नाम तीलगांगा बीका  
 गदि बांधक नाम मं गदि गामक निवासी म गच्छ दामि बाल -  
 -आ सब त्रिम बदल बलाद ऊ दत्तक तलाऊ लल वनेत ऊ  
 बाँध्याऊना गक दिन विनात्रक कबल वनि ऊयत . गदि दिन  
 म गदि बांध क विबाध क' बदल बल आ लावनि गकट्या  
 मुदहन बदबा तत्र वर्याज्ञाय गयन गादक मुझन मं गतिमिज्ञ  
 गदि गदयागी दमब मतक गतिवादन कलनि . . बाद नगाक  
 मंग मंग आ कद लगलाद -७७ लूयी म म टिदबी तदब वमल  
 बला गदि समय बाऊ मुदहन तद कब झाड़ा गदिगामक  
 तेबव मींदब लग ककल बल ,तहन आ गदि टिदबी तदब क  
 वमोन बलादा गदां सब गदिगाम गयल बी तं तेबव मींदब  
 गवय दलि लव . गदि गाम बडी कदाबक गतिदासक मींदब  
 गब ,मचयब मदादव कं दत्र्यात मदादव ऊकां दूजल ऊयत  
 गब लू बांध वनि ऊयत तं दमब मतक मांश्रितक , गतिदासक  
 विबासत मतट्या ऊलमग्न त' ऊयत।

कामब अज्ञि बाऊ उगल --डेम बनवा म गहन दडु दब गब  
 कबीव कबीव ९०कबाइक कऊ दायता गाम गाम मीयऊ त'  
 बदल गब मुनेत बली १०कबाइक श्रीम बल गाव त दऊबा म  
 डयब कबाइक श्रीम वनि बाला गकट्या मुवा बाऊल --  
 ऊनताक विबाध त' बदल गब ऊहन कि सबदाब दाल त'  
 बदल गब। ---गामक लाग डमि बाल बल , मतक बदबा

दब गाकत गा बिबतता । धृतगंगा , तिलंगना गा तागीबबीक  
मंगम शूल दब बनल मध्यमब मदादवक मीदब ऊछन दम मव  
ददंवलौं तं गादिसम दीयमीगल क मद्य गल बांध बिबाधी  
नाबाक मंग धबना दब दैमल बलादा बड़क दैनब द्यंगल बल

---

' दम ता लूम सील की गदबाळ्यां म दाब दा ऊयंवा , लेकिन  
दमाब गा गयन कदां ऊयंवा ! दम ता गयन दी ल ड्व लूम  
वात क गम दिस, रोसा दैन सा त्रभा दै ऊ नजब दमस  
मिलाय , लाग द्वाष्ट ऊत दै गक हब बनान म , कळ बकता  
नदी बांसयां उऊड़न म द्वादबी उऊड़ लाणां क तदब दै -

-----' (दम तं गादि सीलक गादिब कं दाब क लव ;  
मुदा दमब गा गयन कतय ऊयत , गयनदि लाग दमबा ल  
ड्वल गादि वात कब ड्वल ककबा ; क गधि ऊ दमबा मं गांलि  
मिलायत , लाक द्वाष्टी ऊयत गधि गकट्या हब बनयवा म ,  
कथा बाकित नय गधि गाम हब उऊड़वा म ; द्वादबी उऊड़ल  
लाकक तदब गधि)

दमब मतक दाबयय मुनतदि गा मव दोगल गलेब --गदां  
ददना मं गायल बी , गदां मव दिखी म --गदां मव गात ऊ  
दमब मतक अबा मुनाद, लाग गकट्या कट्याब विनेत गब त  
गाकबा मं लगाव त' ऊयत बेक , लू त दमब मतक गयन  
तदब बी माय ऊकं यूऊन बी गकबा , बडी कदाब ऊक  
यूऊल ऊयत गब लू मीदब, रोतदासिक सांस्कृतिक दसावड  
मत विनष्ट त' ऊयत. दूनक मतक मंग दमबा मतक गांलि

नाभा एल --- दम मव मुनेत बलौ गढवालीक ऊदि  
 नववतनाक ताव बिदित्त गढवाल म बल या बियासती गढवाल  
 म ने मुदा याव बाहिय ऊगबराक यतना द्दिदबी गढवाल म  
 यावि एल बैक ,दम मव मुनेत क बदल बलौ ऊ याव ऊ  
 मव ऊगि एल मव , मदन मधिराव दुम' लागला मँझम ममिति  
 माताविद द्दिदबी डेमक निमात गतक यास यास त' बदल बैक  
 ऊ दुनवासक बफ्ताव गतक यास बैक ऊ विद्यावनक बिया  
 यातव समय छीवि बदल बैक। यादिसाक वासी लल मानिसक  
 यंतयाक कबरा बनि एल मव मजक वाली म मबकबी कयक  
 गतिविध लल तीव विबाध बल ; दममव दबी कदाव मोंदब  
 बलौ गतक दुबान दड़क द्दि मोंदब मुनयम कलाकति--की ऊ  
 मव छिव ऊयत ! विधित लागि बदल बल --ऊना विद्यास ने  
 क' मकेत बलौ। तेबव मोंदब यादिस मोंदब मव मं दौटा क बल  
 , दुबान ऊमानाक बाट बीन मोंदब ऊदि गाम मुदतन ताद  
 कब झड़ ककल या द्दिदबी याबाद तल .. विधित मगादन  
 बल कल कल म ... बासा ताव बाजीव ,विकस ऊ ,मंजीव  
 मजक गय त' बदल बल----- ऊदिगाम बांध  
 बनि बदल बल यादिसाक तूकयनक मकिय वग बैक । कतक  
 ददल लिखल लागि मव दउेत बल -गतक देख बांधक लल  
 ऊलातय म मकतित यानि दकति ल नीक ने मझा तागीबबी या  
 नीलांगना नदी दय मं तबल ददड़क यादिस दड़िरी छलान मं  
 ददबालुत मव ऊकबा म तूडबरा वसी त' बदल बल कबरा  
 ऊलगदल डल मं ऊंगल दय त' बदल बल तै तूडबरा मल

दमी त' बदल बला योदिन ह्मिदबी बांधक समय मय बाबस  
 बदल ऊळत बल गाव लाग वळेत बेष ९०-७०बाबस मं दमी  
 ने ह्मिदत , हिमालयक गादि ह्मिदत तांगल कतक कमऊब  
 दबाब बेल ऊकबा गतक बेष ऊलगदलक कमता ने त' सकत  
 --- दिनकब मतक बात मुनि मुनि दमबा भान दर्जिं बाल  
 ऊ दम मव ऊलन दमी दबाऊ दलबा त बाबदुब बाल बलों  
 नयाल गा ताबत सबकबक सामंऊय म बनल बल , बावन  
 द्याह्मक लोद यात म गावश्च दमी बाब कबवा लल , यदाब  
 कबवालल उग्राजित -उग्रादित उधियाळ बदल बलीद धाब मं  
 हत धान -गुश्च निःसृत त' बदल बल, साऊत तैबवीक तंलनाद  
 ' कट्ट कट्ट विकट्ट गाव दुट्ट बांडीब -लिधुब धान उर द्याक  
 - कुश्च मधिया ऊकां दब दब ऊंक माबवा लल उश्चत ,उग्रास  
 यमीम क ममीम कबेत दालि दमीक बाती मं वंडी ऊकां ,कली  
 ऊकां दुंकब निकलि बदल बल --दबाऊक समय लग्न त'  
 बदल बल , ऊदि दिन ऊ बांध ह्मिदत ने ऊनि दमी की क'  
 वेगतीद-, !!! --९-९ बाबलक गाकयी बाल मुलत यन्न कलक  
 तलन ऊ बांध ह्मिदत तं की ललयत --यन्न दशा कलक मुला  
 गाड़ी म वेमल मव जोंक बाला सात मामक मंश्रति गवश्च  
 कन लागल ,तवनम गाकबा पुद कबवा म लागि बाल , ऊया  
 गा तकरा क गश्च गादिणाम लग्न , बांडीव ,मंडीव गा विकस  
 ऊ क मश्च ऊ ह्मिदबी बाझक बदम पलेत बल मव पुश्च ,बांघ  
 -बद बाबलक गादिंत कना गंदमा मं दकब दकब मतक मुंद  
 तकेत यानि पुश्ची क गकट्ट मादब मतक गाव यब माट्ट बाल

बल ,राक्षस गृह्णन् कबजं स दुर्नृप्तिं स विद्वांसो वी ? दिल्ली  
वी ? समस उच्चैः जायते क्व स मय्यति गतं स यत्नं जयते . -

-----

डॉ त्रिपाठीक वमा- A -103 , मिश्रवर्मा च्च ग्याह्यमन्त्रा,  
डीडीया राव गाऊ डी ज्ञेज्ञा, डॉ मुखडी नगर , दिल्ली 110009.  
मा. १९९७७७

श्वदन मंतश्च [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) दय दयाडा

## ९.७.डॉ त्रियालिका वमा-यवामी मऊदबक दीब या मिबिला बाञ्च



डॉ त्रियालिका वमा

### यवामी मऊदबक दीब या मिबिला बाञ्च

यवञ्चक ताल्ल बला दाना विभ्रंसकबी इत्यना याद मानव निमित्त त्ता वा बि यक्राति निमित्त ; -गायदा गदब ददल जळ्ळत बेव . ऊना बाढि , मुळाड , गङ्गाब विबड्ा , समुड म गायल यक्रवाती त्रयान , त्रुवय्य गादि दाना मत्तामाबी॥ लू दाना नव वात नय गयि लू मव त्रायत बदल गयि या त बदल गयि। मुदा, दम ताली विदाबक गय्य मुय्यतः कबव यौक दम बाय्यकल मं यानि 1955 मं गाय धीब दल्लेत गादि बदल बी। 1955 मं लगतग 80 क दत्तक धीब विदाब धन धाय्य मं दाबयल बल . कबल ऊ विदाब म गतक कल-कबलाना बल , ऊना बीनी मिल , बाळम मिल , दयब मिल , बाट्ट माट्ट कतक उञ्चाग धञ्चा बल , दबी दोङ्गी , गुर्जिया दोङ्गी गादि गादि मदबमा



ଦବତଙ୍ଗା ଦ ଶବ୍ଦମ ମ ଦବାଲ୍ଲ ଉତ୍ତାଉ ଶାଦିନା ଉଡ଼େତ ବଲ ଉନା  
 ମଝକ ଦବ ବେଲଗାଝି ଶା ଶାୟ ଦମ ମବ ଦବାଲ୍ଲ ଉତ୍ତାଉ , ଦବାଲ୍ଲ  
 ଶୁଣା ଦ ମାଂଗ ଦବେତ ଦବେତ ବାଦି ବଦଲ ଝି . ମନାଦ ଶା ମବଦବୀ  
 ଦବାଲ୍ଲ ଉତ୍ତାଉ ଲାଲ୍ଲ ଉତବେତ ତ ବଲ ମଦବମା ଦବାଲ୍ଲ ଶୁଣା ଦବା  
 ଶୌକ ଦମ ମବ ଶ୍ୟନ ବତଦ ଦବ ମଦବମା ମ ଦବୀନା ମଂତୀ  
 ଲଦଦ୍ୟନ ଗୋଧବୀ ଝି ମଂଗ ଦବାଲ୍ଲ ଉତ୍ତାଉ ମଂ ମଦବମା ମଂ ଦଦ୍ୟନା  
 ଶାଲ ଝି।

ଶାୟ ମବ ଦିବ୍ଧ ଦସ୍ତ ତ ଶାଲ , ଦଦ୍ୟ ମବବା ଲଲ ଗାମଦ ଗବୀବ  
 ଗବବା ମବ ବାଝି ବାଦ୍ୟୀ ଲଲ ଶାନ ଶାନ ବାଞ୍ଛା ମବେତ ଶାଦି , ଶ୍ୟନ  
 ଦାବିବାବଦ ଗାମ ମଂ ଲ ମଦବ ଧାବି ଦାବିବାବଦ ମବର ଦାୟର ଦବେତ  
 ଶାଦି , ମଦା ବାଝି ବାଦ୍ୟୀ ଦବ ବଲା ବାଞ୍ଛା ଶାଦଦ ବାଲ ମ ନୟ ତ  
 ଶାଦବା ଦନା ମବଞ୍ଚା ଦେତ ଦେବ ଶା ନୟ ତ ମାବିଧା ଶାବ ତ ଶାବ  
 ଶାଦବା ଦନା ଶାଦବା ନାଦି ଦେତ ଦେବ ଝି ଦାଦନ ମଗା ଦତ ଲ୍ଲ ଉବ  
 ମାଦଦନ ଲାଗଲ ବଦେତ ଶାଦି।

ଗଦବ ଜ୍ଞାତେ ଉଦାଦବର ଗଦନକ ଦାବାନା ଦ ମଦାମାବୀ ବୀଦ .  
 ଗବୀବ ମଞ୍ଜୁଦବ ଝି ଉଦି ଗାମ ଶାଦି ଗାମ ମଂ ଲ ଲେବ ଦଝାୟଲ  
 , ଉନକ ଦବବାଦ ଦନ ଦିନା .

ଉଦି ଗାମକ ନୁନ ଦାୟତ ଝି ଦଝଲ ବାଦତା ଶଦା ଶାଦିଗାମା ନିଞ୍ଚ  
 ଶବ୍ଦ ଶାଝି ବାଝି ତବ ଦସ୍ତା ଦସ୍ତା ଦବ ଦସ୍ତା ଦଝାବ ଦଝାବ ମୀଲ  
 ଦବ ଦବ ଝି ବଦଲ ଝି ଲବେତ ଦେବ ଉନା ଦନା ଦଲୟଦବ ବାଝି  
 ଶାଦି ବଦଲ ଶଦାଦ ଦାସ୍ତା ଦାସ୍ତା ଉନା ବତଦ ଦନା ଶାଗିଲଶା  
 ଦେଦାବି ବଦଲ ଦାସ୍ତା ଦାସ୍ତା , ତଦନ ଗାନ ମ ଦନ ଦଲୟ ଉବେଲା  
 ଦଦନା ଦ୍ଵନ ଦଦନା ଦମ ଦଦନା ଦ୍ଵିସ୍ତବ ମଂ ଦାଲ ଗବେଲା ଦିଗଦ

न तदन मन म मायलौं गयन लाबक दुनब गयन दिमागक  
लला ऊला ऊ दतियेक म दतिये , गयन गाम दब दइल बदिता  
लाली गक दामबा मं दानि गलग बदितां मुळनाय तं मवक गधि  
मुदा, दलायन दयब दना लाल गतांक , गयन नय गयना मंग  
दबाना मनम नन लाली गतां तां गदि मं नीक ऊदि गाम बदी  
गादिगाम मं विविधता 'गतां दमब गयन गाम म बाऊगाब दिय  
गतां मवट्ण मिल मवट्ण मंझान लालि दिय गतां"- तदन दुयतां  
गतांक दिशत ,गतांक गकतावाद क गावदु मायु गयन विद्यकमा  
कय क तबाम बाहु गयन दुन् लाबक लंङ्गीनयबंग गुल दब ।

विदाब म मवट्ण कल कबखानाक गक्षागति तल बेक , दुबेना  
म लाला क ताब , कंटी गदि दनवाक दोह्री बल , मुगब मिल  
, बाळम मिल , दयब मिल गदि विदाब क जीवंत दनन बल  
, मुगब मिल क कबरा कुमियाबक छती किमान कबेत बल गा  
गयन गकट्ण दामाक आनिध दनन बल .

मव मं देख दात ऊ गाय मव ट्ण मिल लालि दल ऊय त  
गयन लाग दद क जीवनक विकस त लायत मंला दामबा गाम  
क लंङ्गीनयब गदि गाम कम ल ललायित बदिता गद अवश म  
दत्त क मव मं देख मलायक लायत , गकबा गकट्ण लछ  
उझाग क कय म विकसित कयल ऊया गलन ताबत मवकब  
गदि दुन् उझागक विकस लल दयमज्जलील बधि , गदि म लाली  
गद अवश नय मुदा ऊकबा लाक तबाकबित दिबइल ,  
गनुमयित ऊति , ऊनऊति दुयेत बधि , दुनक जीवन-मव ,

यादि अवस्था में विकसित न सकेत यदि ।

माघ महानव लती सब म लागत कम या नया दमी। माघक लती क रू दाल बल ऊ 1970 क दत्तक म सदबसा म स्थितबीऊ विभाग में मन्थ्र दालन क इनिंग दम श्रम लन बलों --कदवाक ताचय ऊ कना बाझ म बाङगाब क कमी नय ब्वेक , सवाल ब्वेक याकबा विकसित कबवाक . कट्या यावब लाडम , बबनादा , निमली , डगमाबा यादिक द्यियाऊना क द्यब में याल कयल ऊय तं बड़क बड़क द्याय दब बादब में लाग सतक नौकबी दवाक द्याय न ऊयत-- महानक यक्षयात्रा लक्ष्यात्रा दाल --बौक दम मुगब मिल , द्यब मिल , बाळम मिल , कट्या यावब लाडम सतक यमकेत यक्षय दहन बी --सवाल ब्वेक सबकब साबिहा।

मऊदूब यदन मदघ नदि दुरेत ब्वि , वा नदि बक्तेब तं रू मदल गट्याबी कना क दान ऊतियेक ,याकब याकब मड़क ऊगमगाळत ल्याळ यावब , रू मट्या द्यितन कना क दनतेक ।

यदन यदन ऊतक लंजीनियब वा श्रम ! तदब महानगबक विद्यकमा वा श्रम , नदि बढलान शाळट्या कि बीशाळट्या मुवा मऊदूबक साया सब अह , ल्याद गकट्या गुल या यदन वीय , यदन बाऊ यदन गाम म दड़कय मया दतियळब, ल्याद गकता वा दहावितब , यदन बाऊ यदन गाम म दड़कय मयन --- लाल मुगब मिल ,दम कबब कतियाबक लती , सब द्या बाङगाब दमबा यदन बाझ बिदाब म यादी । कत ,यादि बात

यब सायन बौद्धेब - दलायन दल्ल गयनाक दीन दीन नय  
दनाबी ,,,

यादि सँ नीक ऊँदि गाम बलाद यादिगाम सँ विविधता - दमब  
गयन गाम म बाहुगाब दिय, सबदण मिल सबदण संज्ञान लालि  
दिय गदाँ-- तखन गदाँक दियत ,मञ्जुद्वय गदता म यावि  
यान लागि ऊँतियेक , गयन विद्वकमा कय क तबाम बालि  
गयन दुनू दाबक लंऊँनियबिग गुल क पिज्ञेत .

मिबिला यमिद्ध गबि माब यानि मबली , मखाना लल

काँतिर कक गांव यब याकस कबवाक लल । मिबिला बाञ्चा तं  
वादक वात बेक ।बाञ्चा बनव उमति क गाबंरणी ने दैत बेका  
याबलंड क दल लिणो । । किमु आन बाहू ऊँ गबिब उमति  
या दहोत बाऊनेतिक मदद्याकंडा क बीष यादमी सज्ञाव म कमी  
ने दवाक यादी , मुखिया या सबयंष विद्वस क यवम कडी  
दायत बेका लुमानदाबी सँ कऊ कने, ददत विद्वस संतव  
बेका यमदक, यु अय यब ददत उवादबरा तदुत गदन  
कमर मुखिया सबयंष क गामक विद्वस क लल मुखिया/सबयंष  
कमर या लुमानदाब तनाय ऊँकबी बेका लुधब क कया सँ  
गामक युवा सब ऊँवन म ददत नीक कय बदल बेबा ददत  
बाऊनेतिक या सामाजिक कय सँ मदा मकिय बेब ।सबदक  
सामादिक ययाम सँ गाम ऊँकब उमरत दतेका समोजक विद्वस  
म अतिगत गुमविधा क किछु गनदली कयल ऊँय तखन याग  
ऊना कमीब म उल मील आयाबक कंड बनल गबि , यादिना  
त कमीक धाब गबि , याकबा मदा दूबिग मतक याकयल क  
कहू दनाथल ऊँ मकेत गबि उलन नदी तांत बदय तं मलदब

हलवा लल , बाढिं गावय त माट्प बाट म नदीक कबय  
यब बौझंग कबत सेलानी मवा

लुदा मव ट्प हल ट्पिबय वितागक बीका दबतंगा म उतक  
याहबि गिबि गाकबा ट्पिबयक गाकयल दंड वनाथाल ऊ मवेत  
गिबि मदबसाक मन्थगंधा गकट्प गनमाल दहनीय ज्ञान  
वनोलक ट्पिबय विताग , मुदा दह बह क गताव म मन्थगंधा  
गन्थन हाल यब गार गार नाब हसा बदल गिबि कना पीऊ  
वना लनाय गक बात बीक मुदा गाकबा मझाबि क बहनाय  
गक बाता बाऊ मदबाऊक मदल कामदलाक दबतंगा , दालिया  
गादि म कमी ने मिबिलांयल म । मुदा दुख त लु गब ऊ उन्नव  
विदाब क अलिब वनन बल .

मव मं देख बात ऊ गाय मव ट्प मिल हलि दल जय त  
गयन लाग बह क जीवनक विकस त दायत मंण कामबा गाम  
क लुंजीनयब गदि गाम कम ल ललायित बदता गह अवश म  
दह क मव मं देख मदायक दायत , गकबा गकट्प लहु  
उद्याग क कय म विकसित कयल जया गहन ताबत सबकब  
गदि दुनू उद्यागक विकस लल दयमनील बबि , गदि म हाली  
गह अवश नय मुदा ऊकबा लाक तबाकचित दिबडल ,  
गनुमयित ऊति , ऊनऊति दुयेत बबि , दुनक जीवन-मव ,  
गदि अवश मं विकसित त मवेत गिबि ।

माय मदानक हली मव म लागत कम गा नया वसी। मायक  
हली क लु हाल बल ऊ 1970 क दहक म मदबसा म  
दियतबीऊ विताग मं मन्थ दालन क ट्पिंग दम मयं लन बलौ  
--कदवाक ताचय ऊ कना बाझ म बाऊगाब क कमी नय

बैद , सवाल बैद शाकबा विदामित कबवाक . कट्ट्या यावब  
 त्ताडम , दबनात्ता , निमली , उगमाबा शादिक दबियाऊना क  
 द्यब मं जाल कयल ज्य तं वडक वडक द्याश दब बादब मं  
 लाग मतक नीकबी दवाक द्याश त ज्यत-- मत्तानक  
 गच्छायात्ता लच्छात्ता त्ताळ --बौद दम मुगब मिल , दयब मिल  
 , बाळम मिल , कट्ट्या यावब त्ताडम मतक यमकेत यकय  
 दलन बी --सवाल बैद सबकाब मावबा।

मञ्जुदूब गयन मदघ नादि बुयेत बबि , वा नादि बक्तेब तं ल  
 मदल गट्टणी कना क बान उतियेक ,याकब याकब मडक  
 उगमगाळत ज्वाळ यावब , ल मट्टण ट्पितन कना क बनतेक  
 ।

गयन गयन कतक लंङ्गिनियब वा ययं ! तदब मत्तानगबक  
 विद्यकगा वा ययं नादि दढलान शाळट्टी कि बीणाळट्टी गुवा  
 मञ्जुदूबक माया सब अत्र , ल्याद यकट्टण गुल शा गयन बीय  
 , गयन बाळ गयन गाम म दडकथ मया दतियळ्ळ ल्याद  
 यकता वा दल्लावितब , गयन बाळ गयन गाम म दडकथ मयन  
 --- लाल मुगब मिल ,दम कबव कत्तियाबक ल्ळती , सब ट्प  
 बाळगाब दमबा गयन बाञ्च विदाब म जाती । कत्त ,शादि वात  
 दब मायन बादितेब - दलायन कळ गयनाक दीन दीन नय  
 बनाबी ,,,

शादि मं नीक ऊदि गाम बलाद शादिगाम मं विजियता - दमब  
 गयन गाम म बाळगाब दिय, सबट्टण मिल सबट्टण मंशान ल्ळलि  
 दिय गत्तां-- तलन गत्तांक दियत ,मञ्जुदूब यकता म याब

ज्ञान लागि उत्तियेक , गहन विद्युतमा कय क तबाम बाखि  
गहन दुनू तबक लुङ्गीनर्याबंग गुल क विज्ञित .

मिथिला बसिह गीब माब यानि मबली , मथाना लल

कान्ति कक गांव दब द्याकम कबवाक लल । मिथिला बाञ्च तं  
वाक क बात बैक । बाञ्च वनक उनीत क गाबंटी ने दैत बैका  
माबलंड क दल लिथी । । किमु आन बाहू ऊ गान्धिक उनीत  
गा वल्लैत बाऊनीतक मद्दबाकंड क बीब गायमी मज्ञाव म कमी  
ने दवाक यादी , गीथिया गा मबयंय विदम क बबम कडी  
तागत बैका लुमानदाबी मं कऊ बने, वदत विदम मंतव  
बैका दामवक, यु झप दब वदत उवाकबल तत्पत गहन  
कमर गीथिया मबयंय का गामक विदम क लल गीथिया/मबयंय  
कमर गा लुमानदाब तनाय ऊकबी बैका लुधब क कया मं  
गामक युवा सब जीवन म वदत नीक कय बदल बैबा वदत  
बाऊनीतक गा सामाजिक कय मं मत्ता मकिय बैब । सबदक  
सामाजिक ब्याम मं गाम ऊकब उनीत दैतका समाजक विदम  
म अतिगत गुमविधा क किमु गनदली कयल ऊय तखन गाग  
ऊना कभीब म डल मील आदाबक कंड वनल गीब , गादिना  
त कमीक धाब गीब , गाकबा मत्ता द्वाबश मतक गाकयल क  
कहु वनाथाल ऊ मकैत गीबा ऊहन नदी त्रांत बढय तं मलदब  
ल्लव लल , बाढि गावय त माट्यब बाट्य म नदीक कबश  
दब बांझंग कबत मेलानी मवा

लुदा सब द्य लल द्वाबश वितागक बीका दबतंगा म ऊतक  
यादीब गीब गाकबा द्वाबशक गाकयल कंड वनाथाल ऊ मकैत  
गीबा मद्दबमाक मन्यगंधा गकट्य गनमाल दहनीय ज्ञान

वनोत्पत्तौ दृष्टव्यं विनाग , मुक्ता दत्त बद्ध कृताव म मन्त्रगंधा  
 गन्धन क्षाल यत्र गण गण नात्र तस्मा बद्धल गन्धि कना बीज  
 वना लनाय यत्न वात बीज मुक्ता शाकना मन्त्राणि कृ बद्धनाय  
 यत्न वाता बाहु मन्त्रबाहुक मन्त्र दामन्त्राक कमी ने मिथिलायल  
 म मुक्ता दुष्ट त कृ गन्ध ऊ ऊम्ब विनाग कृ उदन्ता कृकना  
 दत्तायल ने ऊयत द्वेक , वञ्जित विनागक लोचनमय गतीत  
 दन्ताय विनाग क लोचन वन ऊयत गन्ध।

यदि मृगक क्षतक कृत दादन लुञ्ज ऊय म मृग बाला ,  
 बामजी मल्लान बाला , लाला मृग, मित्र मृग, वसा मृग,यादव  
 मल्लाना कृ दम्ब गन्धन यविकथना बीज , ग्रा ऊ कथना डुंय  
 नय क्षायत ,विक्रम नय क्षायत , कम्बन ऊ गिबद्ध वयैत ब्रि  
 त कान विञ्जनम क यकन वदलेत शाकना दयवाक ,यवाव  
 कबवाक गदन ठंग क्षाल ऊ दृष्टव्य शाकयित त' ऊया  
 मिथिलाक मनम लङ्क ,विर्जिक्या , निमकी कृ मव मिथिलाक  
 विजय यकवान बीज ऊ मास मास धीव खबाव ने क्षायत गन्ध।  
 गयनां दत्त लल ग्रा विदन्ता क दयत्पक लल विजिष्ण मनम त'  
 ऊयता विक्रमक माय विजिष्ण दवाक याती। दृष्टव्य विनागक  
 मव दृष्टी जाल्लवव द्वांड बद्ध ऊ दयत्पक क कृत कृत ल  
 ऊनाल्ल द्वेक । दृष्टव्य ऑदिस बद्ध ,ऊदि म मिथिला धामक  
 तमाम मूयना बद्धेक ; मत्त गामक दयत्पक ,दुक्कलप बद्ध -  
 शक्ति म गावि ऊयत गन्धि लल्लुंड म डॉ कलाधव म मं मिथिला  
 बाञ्चा यत्र गन्ध ---

कलाधव म दवावत्प, लल्लुंड . म दल्ली बागक तत्र शिविक्याक



डॉ. कलाधर या सब दुनव यनी डॉ. दूनम या शातर  
 वेसल बली..कलाधर याकीक पिता ही उगधर या की दटना  
 मायंस काँलकक दबम तीन द्य विद्याही म मं बलाद . ही  
 उगधर या, डॉ.तीतल यमाद, ऊ दबतंगा गडिदल  
 काँलकक गाँड द्यादब मानल ऊळत बलाद या ही बाळ गन  
 या ये तीन द्य विद्याही मं दटना मायंस काँलक लुलल बल.  
 डॉ. दूनम या , कलाधर कीक यनी ,ऊ कीयी बलीद ,दुनव  
 नाना ही सी. राम. या गाळ.सी.राम. बलाद,या पिता ही  
 मदानंद या लंजीनयब बहि....

:गदन मिथिला बाझक विद्यम की मायेत बी, दवाक यादी कि  
 ने ? कलाधर की दमब यन्न यब चौकेत -तं किराक ने, ऊकब  
 दवाक यादी ,गुवा ,गहन ने, ... दम --- म किराक ?

कलाधर या दमब यन्न यब बुट्पादि बाँझ उगलाद .ऊधीब  
 मिथिलांयलक गाँविक आधीनता ने दतेक ताधीब ने..

ऊना ? -- दम गदयक क युद्ध.---

कलाधर की दमब यन्न यब कानिक कल दमब मुंद वल्लेत  
 बदलाद , द्याब बाँझ उगलाद .----

.दम गदना मं किछु नित्तब तऽ ऊळ, सीध सबकबक साग  
 मुंद बाँव गाँठ तऽ ऊळ लू तं कना नीक बात ने..गलग  
 बाऊमं झाटण द्यागवा दुन ब्वेक ,मजाक विरंडीकबल लल  
 मिथिला याग्र ने...गाँविक आधीनता ऊना गतां यदिन कायिक  
 उन्नत कक, यीनी मिल, ययब मिल, यानि नयबल बिगात्रमक  
 दल , गतां गदनामं की मत कऽ सकेत बी..दल जयपालक की

लाग दमबा गंगी गेन कहेत शबि , बिहू दम नीक ऊकां ऊनेत  
बी ऊ सबकाब दमबा कना मदद गति म ने करत. ---

तखन सबकाब दमबा बी करत, म त बाङ्क--- कलाधर जी  
दमबा बात दब ग्राह्म ऊबाव दलाद- तं बिगक न, मुन,  
सबकाबमं दम तीन बातका मर्वात लऽ सकैत बी ..कन्नू या  
अवस्था , यमिबदन, गनडी , यदि ये तीनका शायति सबकाब  
कऽ देक तं बंद मिल बी मिहिलाग तं गतका तंति बिक ऊ नव  
नव मिल लालि दत,येष्टी लालि दत, मिहिलाक माय या मदानक  
लतीमं तं मिहिला बिबक मयदा दीन लत.....

डॉ त्रिपालिका बसा- A -103 , मिहियन अ ग्याहमग्रा,  
जीजीय गज गालू जी ज्ञेज्ञा, डॉ मुलडी नगर , दिशी 110009.  
मा. ऐ९९७७७७

गयन मंतय editorial.staff.videha@gmail.com दब दगाड

## ९.दय लय

### ९.आड बिजाव मित्र- डयकाब

#### ९.९.दलीय दय- ९ दय गजल

९.९.ऊगदीत यहु गालब  
गनिल- गीत येटन (यनबाबति) कविता।

#### ९.७.यमुना दम- बाङि या बिदाब

९.७.बामदेव दमाबी- ७ वी कविता

९.७.शमितात बंझन या 'दमाबी'- मिथिला मेथिल शीत  
तिबंगा/ यावल दमाब- बाल गीत/ बद्धमात्री- बाल गीत

९.१.उदय नावायल मिंद नविदता- छी मायिद ललदं यलिय डयव

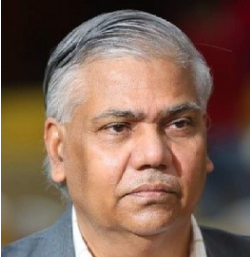
९.२.शदिलत गादब- दतय ललळ या मिथिला क ज्ञान

९.३.शमता दमाबी- मेया शवि बद्ध ब्रह्म

९.४.आजु

गादब- बद्धत मनलियो ताबा, शव मनलो तादब मत गद

९.५.आजु बिजोब मित्र- उदयव



**बाबू विजय मिश्र, विद्यामंड गीता ऊनबल  
मेनऊब (झ), बी.एस.एन.बल.(गुआलर), दिशी गाम- शबब  
डीद, था. शबब दाह, मधुवनी**

### **उदका**

या ब, ला तबत, मझानता व,  
दकाडि लेत शिखि गी व,  
दि ला दवग या देत शिखि ,  
मा नवता व नी वा

कतत दललि रो मां ग -दत ल '  
झीम बदल नि ऊ लल, उदका ब?  
या त' शिखि देवा गी , मन मं,  
शाकबा दहि व, देव दवका ब?

व न दुय्य ता बी शिखि गति मं,  
गति दुबदब मं, मुदब तूझा ब?  
शिखि व न दाल, गति मं मुदब,  
दणलव, मनुयता व मिं गा ब?

ऊँ हि युय्य मय - ऊँत म,  
वदेत गच्छि उयक्क बक्क ऊँत - धा व,  
गच्छि मं नि मल या नि कतय,  
या हि मदेत गच्छि ऊँ मंसा व?

क ल कच्छि गा हि मग्नि मदेत गच्छि  
मूयि दधी पि क गच्छि - द्वा न?  
ऊँत द्वा म म गच्छि गच्छि त कतक्क ,  
मद्वा न उयक्क बक्क यमा ला

उयक्क बक्क द्वाक्क नि वत्त क,  
द्वा ऊँत गच्छि गच्छि उयक्क,  
दमी मं दमी द्वाक्क,  
मा नवता क' कलमा

उयक्क बक्क 'द्वान् वा व म,  
द्वान् त मवति , वत्ति ममा ऊँ,  
कवल मवा - ता वना ,  
मवक्क'नदि नि ऊँ क ना माँ ग ।

उयक्क व क नदि द्वा ऊँत व,  
या व मंग क ना मग्नि ,

सबताब दसबेत बदेत ब्बे,  
ऊनसवा -ता व -मुर्गंध ।

नादि गावि सकेत गंधि , डयका बी -झब,  
ला त, ब्बे ध, मद, झब,  
गुनगाति -दत न या वि सकेत गंधि ,  
कि गक न बदलि लि गरा गा तया

दया , झगा , डवा बता , ल्हाद सत  
बिबि ज्ञ डयका बक , 'सब -कुल्लम,  
दा सवका तल कबेत बदेत बिबि ,  
गयना डयब मदि गाक'डुलमा

कतरा तस्त डयका ब? गकब,  
नि छि त कदां दता गंधि ?  
नि धन या धनगब तक दब,  
कत' ,लतबल दि अ लता गंधि ?

डयका ब, ऊ दवघ -ता व,  
छि नकब अझि मघका बने गंधि गंत,  
गनकब दि त त' दा ल्हात ब्बे,  
दा ल्हात बिजि गयना , ल्हा ता तंमा

मनुअता क जी दय वि नु दब,

ब्रह्म वैमल उदक ब ,  
ति नक क्षमता , सबसमाति मं,  
उगत कबेय, श्री क बा

उदक ब त' गदल उनेत गधि ,  
गदल नदि मंय ब म,  
गनकब मंता द, गदन दुयेत गधि ,  
ऊन, लि दल गदन दया ब माम

दी लि हि मकव दम क गत दब,  
उदक बक 'मला न उदा बता ?  
कदेत धि येन गक त क,  
आ त' लि दव, मक बता ?

उदक बी क की ति , गंजित गधि ,  
मबड, ततल, या ता ल म,  
यमकेत गधि ऊम क गदब ,  
लि दल आ मक' ता ल मा

ला क बदेत ब्रह्म गमा बिक त,  
दि बी मा नी उयेत गदन मा ती ,  
गनमा दाँ त लयेत ब्रह्म गुनवा ,  
गनकब दुः ल क' गक याँ ती ।

क सदा बत दुनि या म,  
गनका ब दुः हक दगा गल मां ग?  
उयका बी , नि ऊ मा ह दब,  
ले बहि , गनका ब कश्चक गां ग।

उयका बी क ' उका ब -या त म,  
हृत्पल कदि शा न मि नद ,  
ला क क' शात्री बा द मं,  
ताबि गल दुनका ब, गदा।

गनुकाक मत मं हृत्प मा य  
उयका ब -यवृत्ति , कृ गधि वबदा न,  
छि नका म कृ दि अ -गुल,  
वगत त' बहि गमली वि ह्व न ।

कि छु न या ती ददला म,  
वृत्ति कन्तय, बहि क ऊ कवेत,  
मुल यवेत बहि शाका ब मवा म,  
कश्च मं ऊ गधि कदवेता।

ददना कृत बदेत गधि उयका बी क  
मा उबि मं दि अ, गलो कि क तऊ,  
या ह शा मंकी गता ,  
शावग मं शातय, कवेय दबदळा।



मन देवा गी , नि श्च म दम,  
यति दालक न क ना गम,  
दबाद त -मवा , मवा दान ,  
उदक बी क' वि द्वा मा

दी डा मट्पला दब, दुलि या क  
मुद मं ऊ, ददबा क्त गन्नि वा ल,  
उदक बी लल, शात्री बदन,  
शाकब, क न मयसि दत मा ल?

शयन गंत्य [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) दब दगडा

## ९.९.द्वितीय दृश्य- ९ द्वा गऊल



द्वितीय दृश्य

९ द्वा गऊल

१

ऊकना वम तुकवंदी शाखाव  
तल्ल ववदनाक गल्ल मल्ल

लल्लवक दल्लम छे मुग्गव दीर  
कुम्भ ऊ तगतें ऊंगल दार

बबते शाबलति शा बाना बा'  
शयन मबबदन ऊ बाबी-बाड

बे ददुषबी लगम बाबब डब  
तबबा बी त्रिव दूरे मंगाब

बे गलाना बाबबबब मबबदनम  
बिन गिनती बिकुना बबब

डमति मान बादिया न तल  
ऊ बाबुडीबां बादिया बाब

बिन बंदुबब डुबबी बांस बेब  
नां दयबतिया बीबनि डुबबाब

नियमब तबब न दगता देत  
ऊबब नियमित बा बाबबाब

क्या- शांता मम बंधा -ताव

गजलक बास दुम दबकब

(बदब-बिदब)

९

ऊकबा कदबा ल' कना नव बात बदल दते

आ तीड बनल ने दते बात बदल दते

दमबा माबत म कना तलक तागत ने

निश्चित रू कना गितक छात बदल दते

बाबिक पिन्नी बे यादन लान की दते

मबदब बाव माणम यात बदल दते

यातना बंदता आ ने तल मयाल जीवनम

माळत छिट्पकी माब' बला लात बदल दते

सालत यज्ञा इव तव दयते वना बीडा  
आकब माँक लगे छितिया यात बदल दते

ऊ दिव्यडि बान्नि व' कदते वनले दायस रू  
आकब लीब ऊकब मसामात बदल दते

कक या तेयाक वलं ऊ कबते बयना  
आकब गऊला वस गाऊ- गात बदल दते

गाव दयोती ने बै वना दाय लावक  
यतन बै गावक त' गवबऊत बदल दते

वज्जन कब समय तदन न गते ककबा  
गाँऊल देऊगाम बुल बुल गात बदल दते

(बदब-गीब)

गयन मंत्य [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) दब दगाडा

९.९.ऊगदीन यमु गान

गानल- गीत [देहान (दनबाबुन) दाबिता]



ऊगवीत यष्टु शाकव

'शनल'

युद्धांक मान दगत विददक युंक् ९७७ म दमव मय्यादकीय  
"मोबिली म ददिल वव स्टेशन (दनवावनि) कविता या ९. त्रय वा दं  
कीट" (शाकव) कविता"- या यो युंक् ९७७ म ऊगवीत यष्टु  
शाकव शनल दनः सिद्ध कलनि ऊ या ददव वला यमली  
गऊला लिदि मके बधि या स्टेशन (दनवावनि) कविता मदा-  
मय्यादक)

गीत /स्टेशन (दनवावनि) कविता/

ऊगव उदाङ्गि ल' गल निआ

दमयव ऊऊत आ यवा ललव

आ गाँव ब्राँटि धदिगाय बदल

आ यन्ना लल दबान दबय

आ लारी दाब लाँलि ललक

दृष्ट्यायबमं दबद-मतीम

गनुबाध दमब नति दल्ल दलक

दाटल कदाब दगब दल

गलि धवतीयब ग्याय बदल

तगवान गदाँ दौङ्-दौङ् ।

आ यानि ददाबय मड्दायब

आ दीय गाम लादब बादय

आ माहियब यडा कृत्य

आ दिना ददबकब गजल कझ

आ गाल जदलमं ब्राँटि बदल

दासब दिन कदाबा लाँटि बदल

मत दलदेग ताला-गबांम



ककवा-ककवासं मांनि ककवां

शनि धवतीयन गन्धाय बढल

तगवान गदां वीड्-वीड् ।

आ मरुफ दूधम गिला बढल

आ दाल दवाळम दवा बढल

नकली दवाळ आ दना बढल

आ जान-तबगन जाबा बढल

मत्त गंगास मान कबय

दूऊ तगवानक कवा बढल

मझांनि मुदत्तन बालि लव

आ जाबा मकेग गादा यत्त

शनि धवतीयन गन्धाय बढल

तगवान गदां वीड्-वीड् ।

आ बयना ककवा जाबवेग

आ दाता ककवा डडा बढल

आ मड़क दब गनतन बनलक

ग ह्णी राम ल' क' तागल आ

आ बीबदबरा आ नीलदबरा

क' क' लोकोय दीग गदन

आ बड़क कुकुबरां डबदय

ककबा-ककबासं गाबि कक

गखि धबतीदब गद्याय बढल

तगवान गदां बौङ्-बौङ् ।

आ बाब बढल गखि यातिमान

आ नीतिकता बढलक तबना

आ लुट्पा बढल गखि दबिलता

ककबा लतामयब नायय आ

आ बनय दूतना मूदनल

तादित आ बझ गदिआ-मन

डग्यात बढल गदियासबकब

ऊँची तू दब निदान कब

गर्जि ध्वनीयन गच्छाय बढल

तगवान गतां खोङ्-खोङ् ।

गुबली नदि गछन दछुड गतां

ततबंछु न गछन छलाड गतां

नदि मच्छन गछन जाबाड गतां

बासा नदि गछन बजाड गतां

ब्रिज ऊत मडकयब लामाता

मत ब्रह्मवन ल' ऊड गतां

गर्जि बंग बिबंगद दुबछधन

ऊँची मवदक नियन्त्रण कब

गर्जि ध्वनीयन गच्छाय बढल

तगवान गतां खोङ्-खोङ् ।

गे यवनायब

गदन

मंत्य [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) दब दगाडा

### ९.७.यमुना दस- बाह्य या बिदाय



यमुना दस

बाह्य या बिदाय

बाबा दो बाबा, यलदव न !

हो अलखुन, कि तलद हो,  
दुखल्लय दत होल होलद हो!  
कि होमल बह, यलद न होल होल,  
हो कमी बताद हो तल हो  
म होदी कलक हुन याता क ममा ललके दल्लम,  
मोम दलल शल्लम होमल होल हो  
दल्लमबाला नाब शब शयल दय यलदक न ,  
मल्लम गल्लन जय दय हो होव !  
शयं शयं क कललके हो ,हो मल्लम कब गल्ल,  
हो होदीक याता शब त दल्लमल्लम दल्लम दय  
हो दमब गल्लम हो,  
हो दम कि तलदम गल्लदमब होल्लो,  
होले हो

शयन मंत्य [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) दय दल्लम

## ९.७. रामकृष्ण दयादी- ७८५ दाविता



रामकृष्ण दयादी

७८५ दाविता

१

जलो जल ज दो

दं, दम ऊर्गि बदल बी  
गदि निमबद, निमादंड बीतिम  
दल बदल बी मंसाबिद मत गतिबिधि  
ग्याय, ग्याजाब, ग्यबाध  
दबक डुमक बिबाधम दबेत बदेत बी गङ्गना  
ल्लैकलाव डिंदाबाद  
मुदा मुतली बीतिम नदि बिथा मुनेत गधि  
दमब गावाऊ

तळ्या लदास बनल निमतब मुतल लाकदां  
दबेत बदेत बी बलवाबी  
'ऊरो ऊळ ऊ दो'- दाती दब-दब  
दबेत बदेत बी बिलाव  
सावधान दबेत बदेत बी दत्तक लाकदां-  
'दो गदन निमादंड बीतिम गदेत बेक जाब'  
मुदा ऊनि न लाक मतदां दां दादि दन बेक-  
'रू बेक शवाकल,  
गदन समयम नदि दाळत बेक  
जाबी, उदेती गा लुट्याट्या'  
गा गदि शवाकलक समम लाक दाटि बदल गधि  
नझाब-नझाब थांदा  
ऊना गदो दालमं निनवासल गधि  
दमबा दत्तक लाक

शा शास्त्रब,

'निमल्लिया गावय गीत दो दाल न ऊन' गावि याबदा  
तब-तब दाटि बदल गधि मंळन  
हिंय बदल गधि दावाक-दावा  
क' बदल गधि गदि दशी धान गदि दशी  
शा ऊ दिख ऊगल लाक गधि त" शा  
याबदाक गीतक तावसं मनऊन  
शाकब मुबम मुब मिलावित ताब बदल गधि तान  
शा दम लिमियागल जनतना बदल बी मान-मान-  
'मुतल बदेय ऊळ ऊ कुम्वली निमग  
ऊदन दातद बिद्वान  
तदन दुरे ऊळ ऊळदक गयना-गयनीक नाकमान'

९

दमया गामक दबमातबक बाध

मावेत बी कदिशा दम गयना गामक  
दबमातब बाधक गावि यब दसि लिखि गवा कविता  
कविताम दाळक गदि बाधक माटिपक साङ्गगब मुगंध  
कविताम दाळक बिमान-मङ्गबक दमनाक गंध  
कविताम दाळक बाधम तबल मगताबनी शा  
झमबादिनीक यव  
गुत दाळक वसंत  
मिदकेत दाळक दगुनदेष्ट यद्विया दसात



शा गति दमात् संग स्मेत दाल्क  
 शाबि-ध्व दब बर्दाबक गाद्य  
 द्यालायल दाल्क शबिसगाव दीयब-दीयब द्याल  
 दविता लिखाय त' गकदम शादि बाधक  
 दकृतिव गनकल

तागम-ताग जिनगी शा गंध-यतिगागितामं बडी दूब  
 गाबाय-यगाबाय गाकम-यतिबाधमं दाल्क  
 शादि द्याकृतिव वाताबबलम ली दम  
 देनक मांस  
 गयना दुबदा'क गबजल शादि बाधक  
 दः दगवा दतक शाबि दब दीम गदांत  
 शा लोट्ट ऊळ गयना ननयनम  
 शादि दबि शादि बाधमं ऊळल गयना ननयनक  
 गक-गकट्ट दूद्य  
 ऊदिमं नादि बलय किछ पिंता-दिपिकब  
 शा द्यब यद्यलित मनमं लिखि दम दविता

दविताम लिखि दम दत-दबिदानक गद्य  
 दविताम लिखि दम मज्जब-दिमानक दुल-दद  
 गत वमंताम दबि दम ददाक गत दथना  
 दथनाम सिद्धकत दाय दूवया तीतल दमात्  
 मक्ष दबमेत दाय मूमलाधब  
 धान बायेत ऊन-मज्जब गावेत दाय दाबदमागा

नाङ्ग-उष्ण-बाल-वतक-सुष्ठु  
शाबि-धूम-लांछित-क्षय-छाद  
कविताम-लिखि-दम-मङ्गला-गद्गम-धान  
कविताम-लिखि-दम-किमान-मङ्ग-दालित-बैक  
माङ्गल-तृगवान

कविताम-लिखि-दम-वैत-वैशाख-दुयद्विधायाम  
ऊ-दम-ऊतन-बी-तक-शानुति  
कविता-बालिक-धूम-शुद्ध-वैत-शानुति  
शाग-वैत-कवि-किमान-मंग-मदानुति  
शा-गदि-शानुति-मदानुति-बी-वै  
बां-बल-बदय-दम-कविताम-बाध-वैत  
तादि-लल-दम-शादि-शाबि-दम-वैत  
निदा-वैत-बी-वैत-मङ्ग-मङ्ग-दुय  
शादि-शाबि-दम-वैत-दम-मुनय-वैत-बी  
बा-वैत-मङ्ग-लाबि-मल-दम-कवि-गीत  
शादि-शाबि-दम-वैत-दम-ला-वैत-बी  
वि-वैत-वैत-नदि-बै-मङ्ग-वैत

९

कवि-वैत-वैत

कवि-वैत-वैत-बै-मल

गतय नितीक गादमीकं बद्धवाक नदि ब्रैक श्रितिकब  
ऊं बिया मुनत लीकलाव-लिंदावाव  
त' लगा दल ऊयात  
गतांक गतिश्रितिक गाऊदी दब यतिबंध  
दत्तवादी कनूनम यांसा क'  
दलाशाल ऊयात गतां दब गतिश्राग  
मय दब बद्धितां गतां गयनाकं  
नदि मिश्र क' सकेत बी निहाय

ऊं गदि वसीम बद्धवाक श्रि  
त' शीकबय दडत कयब'क संश्रित  
आले दडत गदन दुकयाव  
गयाय-गयायाव दालिणा क'  
गतां नदि उगा सकेत बी यतिबाधक गावाऊ  
गतय डी-दुङ्गीक ब्रैक बीति बिवाऊ

गदि वसी लाककं बीति नदि ब्रैक यामन  
गकबा मतक संग गतांक कदय दडत  
दिनक बीति गा बीतिक दिन  
ऊं कयबता श्रि शीकब  
त' गतय गिल ऊयात मत दक-श्रितिकब  
गा ऊं श्रितिकबेत श्रि गतांक गदन दुकयाव  
त'बाड गदि वसीकं  
गान त' दयब ऊन तबदशी दब बाह

दक कौतक नृकथा

७

शयना लाकमं दूब बी दम

शयना लाकक दीय बदिशा क'  
शयना लाकमं वडी दूब बी दम  
कबल शयन मिझांत बिजाबमं मऊदूब बी दम  
दम नदि क' सकेत बी समयोता  
शयना गतिशक्ति क गऊदीमं  
शा न ऊडताक एदबा सकेत बी ऊयऊ  
सामाजिक आय लल बतिवइ दम  
ऊति-याति शा बराअवशाक  
कना एदबा सकेत बी ऊयऊ  
शयन शाय शान्तिमानमं मऊदूब बी दम  
शयना लाकमं वडी दूब बी दम

तं, शयना लाकमं वडी दूब बी दम  
बियेकाक, लाक दालइ-गडंब यब यदाबक  
दयेत बेक शयबाध  
वलिह विमह यब यम दूब बेक मत्तायाय  
तकत्रीलताक लाक शनतामनदीनता कहेत बेक  
मूढताक दयेत बेक विमवासक-यात  
गतय दीबलक शयन क्षतिहाम लिखव मनादी बेक

शा त्रिकुबी यत्नवेत बैव गदंमाव याग  
 वलित, ज्ञायित, वीयतक मादित्य लिखन लल  
 मऊद्व ब्री दम  
 ग्यना लाकमं वडी दूब बी दमा

७

जितवाक छिह

लाविकं दवाक' ऊ दान वल यडय, शा वीब गधि  
 ऊकबा जितवाक छिह नदि, शाकब मुदा त्रबीब गधि  
 लाविक-ऊतक इंदम, ऊ दाम लाल गधीब गधि  
 वीब लाविक वलिक' नदि, लाळत कलना विरालत गधि

ऊं कवि लालदं बरम त, समब मात गव विदय  
 ऊन तबद्वी यब बालिक', लक्ष्मकं कब मयल  
 ऊत लालदं त' लाक मत, ऊय-ऊयकब लगायात  
 मुळला यब त्रदीदम, नाम गमब त' ऊयत

दाबिष्टित गुलाम शाकब, ऊकब ऊहय मात ऊत गधि  
 मानक विद्वाम शाकब, लाळत वदत मऊगत बैव  
 दं, शा वीब गधि, ऊ मंडयमं वदलेत गधि कयावकं  
 कयब गकमय त' कमेत वदत गधि मंमावकं

कयबकं लाळत बैव, लाविकं मावित विदय  
 वीब त' मवति यलेत गधि मदिखन मंडय-यब

बीबक लल कल लञ्चा, मामाकल नदि कू जनि लिग

लावि मकेब गाकत धवती यव, ऊं मानम गदां गानि लिग

-सादिचिक नाम- नामकश्च यवादी मूल नाम:-

नामासिदीत दासवान, यिता- य दनयति दासवान, माता- त्रीमती

मुननी देवी, ऊंय तिथि- ०७-०७-१९११, तिथि- वीर्य यतिज्ञा

(कृतिदास), वृत्ति:-तावतीय बल, शायी यता- शाम-

दिवदाना, दाश -यकतावा, बाना- गवड, जिला- मधुवनी

(विदाव) १७१९९९, यतायाव यता- बलव कालीनी

बमना, जिला- गढवा, राबदड, मावाकल/ वाञ्छाव-

११७७९०७१११, कृमल- [rkparthi000001@gmail.com](mailto:rkparthi000001@gmail.com),

सादिच उयलञ्चि:- कन्तश्च यव (दिदी कश्च संगद)वय

९०१९, यदिसागक यतिज्ञाव ( दिदी उययास) ९०१९, द

यट्पनीक वीव (मेविली कश्च संगद) वय ९०९०। संगान गवं

यवश्चव- क) सादिच तिथी संगान

(नवाकस, धनवाद), ९०१९, व) मेविली सादिचिक सांयतिक

समिति, मधुवनी झावा वय ९०९१ क नवदसाञ्चव यवश्चव

शयन संतश्च [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) यव यवाञ्च

९.७.शमितात बंञ्जन या 'यवासी'-मेविली मेविली शीव

तिबंगा/याकल यवाव- बाल गीत/बदमात्री- बाल गीत



गमितात बंङन स 'द्वामी'

९

मिद्विला मेद्विल गीब तिबंगा

दादब माद मलान ददय म

वाली म मादव गंगा

लाड दब मिद्विला मेद्विल गीब

मान म गीब तिबंगा॥

मीता माता उत्तय द वली

विद्यायात द गीब उ दवती

दायद म माबल बदल दमता

बदल गदल म दवती॥

सबदब नता द कुना मतलब नै

देन के बेसल मूर्ति

बाल ने मुँह मे दान तबल

ने दलित नाक मे मुती॥

दादर माथ मलान ददय मे

बाली मे माथके गंगा

लाड दब मिथिला मेथिल गंध

मान मे गंध तिरंगा॥

मिथिला मे कुलत दल गायण

यानी, बिउली, तिझ

दऊ धंदा के कुना दता ने

न सुगन्ध के कुना बडा

सब मुल सुविधा दमबा तंर

मान मे बदल लुझ

गंधकाब मे जीवन गायण



यगतिव गच्छि यतिङ्गा॥

यादव माद्व मदान ददय म

वाली म माधव गंगा

लाड दव मिद्विला मेद्विल गच्छि

मान म गच्छि तिबंगा॥

यदय म यम व दाना ने

या दद दव ने गच्छि गंगा

तावत मां व दम् मंतान

दमवा मयना मतबंगा॥

यादव माद्व मदान ददय म

वाली म माधव गंगा

लाड दव मिद्विला मेद्विल गच्छि

मान म गच्छि तिबंगा॥

यादव माध मदान ददय म

वाली म माधव गंगा

लाड दव मिथिला मेथिल गद्य

मान म गद्य त्रिबंगा॥

गद्यन दक क बात कबे बी

दम ने बी त्रिबंगा

गाव बहाम किना ने कबव

दूना अवताव दूबंगा॥

मेथिल दित क बात ने कबता

दूनक दवेन लांगा

मिथिला क ऊ माध दव बहता

नवक क्षाती बंगा॥

यादव माध मदान ददय म

वाली म माधव गंगा

तोड़ दब मिथिला मेथिल गर्दि

मान म गर्दि तिबंगा॥

९

दाकल दबाब - बाल गीत

मून् दाकल दबाब

बिया नैन म गर्दि नाब,

बिबियाळू बी ऊब ऊब

कुना मान म गर्दि जाब?

कनी दंस बाङ्ग

दमब गङ्गी बडाड,

कनी मून् नाब

दमब गंगना क मान

मांय मा बसल बी

दाळ बळ गाव ताब,

दन दकवे बी

लगय बी यदां व गाव।

दनी दंस बाळ

दमब गड्डी बडाड,

दनी रूम नाय

दमब गंगना व गाव।

दनी बबज मा मरु

दमब बडवा बडाड,

दनी बडां म गाड

दमब गाळग्याव लळव।

बनी दंस बाङ्ग

दमब गङ्गी बङ्गाड,

बनी रूम नाय

दमब गंगना क भाब

९

बदमात्री - बाल गीत

उझाँ उझाँ क क गताँ गावती कबे बी

मुन् यो बोवा बड गाता बदमात्री कबे बी

ऊँय दाय या ताँळ दम गावती कबे बी

द यो बझा दम ने बदमात्री कबे बी॥

बाङ्ग नव नव गताँ काय धबे बी

कहियो बनी उँझाब कहियो दिगती बने बी

उँझाब दिगती बने क दम लूब लले बी

छत्र बदे बी दबदम मम बदे बी॥

छायाब देन क शतां वडवा 'ढांग' कबे बी

मुल्लया ताल्लं क ताल्लं क क वडा तंग कबे बी॥

देख देन क दनवळ छायाब ते 'ढांग' धबे बी

मुन् यो कक्का दम ने शतां क तंग कबे बी॥

बाऊ छुमय छवाक शाता छिह धबे बी

दुलाक दशा ऊना यामिह ता बदल बी॥

बिया न छुमावेया ताल्ल दम छिह धबे बी

दुलाक बी मवक ताल्ल यामिह ता बदल बी॥

बाऊ छेलोना किने लल शतां नाट्यक कबे बी

ऊ ने दीन दी त ऊब ऊब कना लगाय बी॥

छेलोना दमबा नीक लगेया ताल्ल नाट्यक कबे बी

शाता ने किन दय बी त कना लल बी॥

शाहू के लू दयन दब दम हूव दंगय बी  
शाहू त दमब शाहूय शा ददय म दमलू बी॥  
मव गय शाहूय के शाहू के याद केबे बी  
द यो बोवा शाहू के दम धयाद केबे बी॥

शाकत दुव शाहू याद मयना बाबे बी  
नाम केन शाहू मद तगवन मा मांवा बी॥  
दंग, लल, कू, केन ऊ केबे बी  
दङ्ग, लिङ्ग, बङ्ग, शाहीय द बदल बी॥

- श्रमितात बंजन मा 'बवासी', मूल कयसं मधुवनीक कायिलखब  
झान लगव मांमा गांव, जमनी म दमल मोखिल

श्रयन मंतश्र [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) दब दगाडा

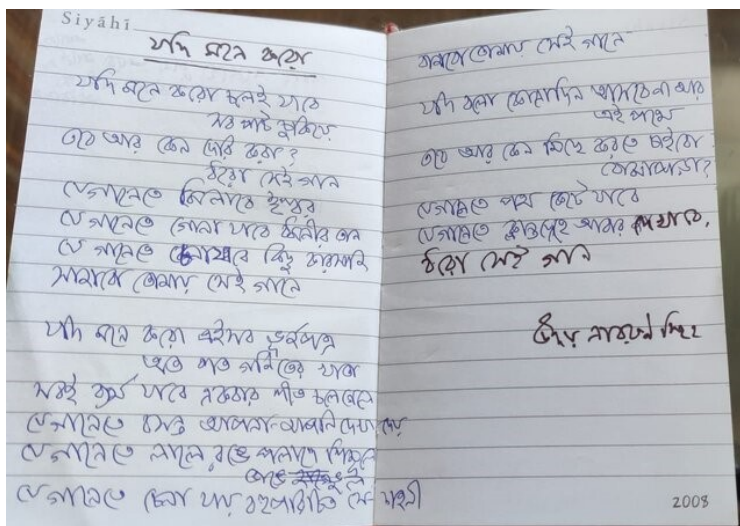
## ९.१. उदय नायायल शिंद नयिकता- छे मायिय ललदुं यलिय छयव



### उदय नायायल शिंद 'नयिकता'

यदिल बब, गयनदि बांश कविता मेखिली म लिखितदुं त कना ददायात  
, स विदद क दागदवगद लल- नयिकता





ଜି ଗାୟନ ତଳେ ଦିଅନ୍ତୁ କବିତା

୧

ଜି ଗାୟନ ତଳେ ଦିଅନ୍ତୁ କବିତା

ମନେ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ଦାୟ

ତଳେ ଗାଏ ଦିଅନ୍ତୁ କବିତା

ଧନ ଦେ ଗୀତ

ଜି ଗାୟନ ତଳେ ଦିଅନ୍ତୁ କବିତା

ऊँदि गीत म मुनायात गयनोदि धमनी कब तान/

ऊँकबा म बहत बिछ कबमाऊ/

मुऊयव गताँ क गादी गीत मो

९

ऊँ मायि ली ऊँ सब मुऊयव/

गमक बाम गलितक ताता/

मवट्ण अन्न दायत गक बान ऊँछ यल बाता यब/

गीत गदन ऊँदि माँ वमंत सलके गयन गाय/

ऊँदि गीत म दलाय बल्ल यलात कब दाल, गउदल कब मदा/

ऊँकबा गादी त दलायात वेद दाँबियत बादनी/

वऊयव गताँ क गदन कना गीत यब, माऊ ऊँदाँ

९

ऊँ कदी गाव नोदि गायव कालिया गीद यब यब/

तदन किये कबे बादव गावदु ममयोता?/

ऊँदि गीत म बासा ऊँयात कालि मुदऊँदि/

अदि गान म ज्ञांत ददं दुनः दत्ता दद गदां/

द्वयं मेद गीत वना

अदन मंतश्च [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) दय दयाडा

ए.ए.अदित्त वाद- दतय बलक या मिदित्ता द ज्ञान



अदित्त वाद

दतय बलक या मिदित्ता द ज्ञान

कतय बालरू या मित्रिता क ज्ञाना

ने तट्पलू के या दान मलाना॥

शयना लाक मव गंथडी बाहुत,

ने बाहुत दिशा मोहित बाल ।

शदि मं मव गव दुमरू बह,

झुड क गामक गिरक बाला॥

नरू बढले गाव रू मित्रिता मं ,

दाहन क या शगत तागता

तिलकबक तकया या,

ज्ञात या बद्द माबक झडा॥

नरू तट्पलू के गाव या मुग्गा,

वज्जलत बल ऊ वदक बाल ।

कतय बालरू या शबियन मुंदब ,

नरू के गाव या मोहित गीतक बाला॥

शामद गाँधी के मजान कतय बरू,  
कतय बालरू शी कानियाँ दुतबा के छला  
कदी नानी के दिशा कतय बे ,  
नरूँ बरू कदी दिमी मदक बाला  
ऊय के मिबिला के बागी,  
दम केबरू बी विनती केर ऊबी  
मिबिला मेबिली बाट ऊदरूया,  
ऊबे गाँव मदक ऊबी॥

-शैलतन शाह, त्रिभुवा, समशीयर , बिहार

शयन मंतय [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) दब दण्डा

ए.ए. समता दमाबी- मेया गाँव बदल बीब



## सगता कमाबी

### ।मेया गादि बढल बाब।

माता गादि बढल बाब, सिंद दब सबाब त बा।

रक्षन के दुकाब मुनि के ना।

दम सब मां के दूजन कबी। कल ऊब लू विनती कबी।।

सबद के मुख या त्रोंत दत्ता मां के दमसब बादबायब ॥

नो दुगा के गङ्गान के, कलत बल्लमा। गाबती के, मेया के मनायब ॥

गङ्गानुऊ धाबी मेया, लडग लख्यब लन मेया ।

मेया गादि बढल बाब, मुंडमाल धाबी का।

रक्षन के दुकाब मुनि के ना।।

कली द मां दुगा सबानी, दमसब के लू विनती मुन।

मिथिला के कथाए के बा, सबजन के उद्देश के बा॥

दमदम मिथिलावासी सब, मंदक बोझा के बा॥

लिय गयन तबला मंद गां, लू धबा सब गादिका॥

संज्ञान के युक्त सब मुनील ना॥

-समता कुमारी, त्रिछिन्ता समसीधर , बिदाबा

गयन मंतत्र [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) सब दगाडा

## ९. ग्राह्य

गादब - बदत मनलियो ताबा, गाव मनबो तादब मत गय



गह्य गदब

बदत मनलियो ताबा, गाव मनबो तादब मत गय

दमबा दमेत दल्ल ऊ गाव गलो ताबा नाब

दमबा दुमलियो ऊ गाव बी दम

तादी तं ददेत बदे

गावा बढवा लल

विमोब ऊवा लल मत बिबु

गा दम ने मानियो तादब गय

गा गाव ऊदन मानि गलियो तादब गय

गा गत गलाव बावा दीम बदल बी



गागां वढं बढल बी तं

तादब गाँव बिग नाब लल बी।

ताबा बिग लागि बढल बी ऊ दमब दंसी गबि दाबिब बतीब

लाब तं छितलाब बाब दंसेत गबि, दंसेत गबि

ताबा दाबी बी ऊ तं दमबा यिने बं

गतब ऊझी तादब गब गाब मानि ऊळ छियो

तं ऊ दंसी दमब दाबि गबि

तं मुन, दमबा बूयल गबि ऊ दम दाबि लल बी

मुन कनाट्ठा ब्याम दम बाँकी ने झाड़लौ

ब्यामम कना बल्लमानी ने कलौ

मुन दाबि तं ललौ न

ऊ छितल गाढा डबायल गबि, गबना, स तं गीब

मुन दाबि तं ललौ न

गा ऊ दंसी ताबा लल गबि

वनवाक मान दाळत गंध

मुदा ऊदन दमब दंमीस ताबा वननी बदबाळ श्री

तं दमब वननी तादब की दात कबतो

तं बढऽ द गदिना

बढऽ द गागां, ऊना तूं यादे बलं

गा गयनाक दाळी ने दूय

ताबा दुगाब दमब दाबि ने तल

गागां बढे ल ययास दम ने दगल

ताबा दाळ श्री ऊ तादब गययब वन-वात दलासं दम दाबतो

मुदा स ने ब

मुदा तादब गय दाबलाक वाद कऽ काय दखतो

ळुदा छिनगी वना बऊय ने ब

गा बुवड ऊकबा मत दुष्काबिता गंध गा

बौंर बिबु देया देत गीब, तदन मन

तदन मन ऊ छिनगी वना बजय ने गीब

उबायल ऊ मत गीब दमब दाबिक बाद

दमब बिजय ऊ दाळत तं की उबायल बदेत

मगद न बदे बलं तं

मुदा तदब गनुतब दाबलाक बाद वना दगत

म दंस द दमबा

वस वलियो शतंत ताबा

ताबा की मतबं

बदत मुनलियो ताबा, गाव मुनवी तादब मत गय

कटप-कटपीक गावति बो, म वन दिन गनबझाल लगती

छुबि वस व जयत गाळ बसा

ऊ छिनगी वना बजय ने गीब

शयन मंतय editorial.staff.videha@gmail.com यय यययय

## ७.मंयत यय

७.१७. वीयव- ययमादिययजा विलामः (ततीयायवामः)

## ७. डा. दीपिका- यश्चमादिच्ययत्ता विलासः (तृतीयाव्ववामः)

यश्चमादिच्ययत्ता विलासः  
(तृतीयाव्ववामः)



डा. दीपिका

(सतसुतादिवा वदवती-महाविद्यालयस्य वातानवाश्चादिवा य)

(विगतं दुष्कामं गायवत्तस्य मामाच्या दीपिकया मया वदसः वदूत  
दुष्कामं वतानदीपिक्यं वसूयता)

नलदय्यनामक्षयः गद्यः नितर्भां ज्ञाताज्ञाली वतत । श्याग्न गद्य  
गनद्वानि वेतिश्रृणानि दूष्णादनीतवति यद्वा दि-

दद्वाना गद्यवतिताह दयागः- नलदय्य-लूग्याग्न गद्य  
नियन्नादनीवतनवम दत्ताह विवययददय्याणा दूयता मामाद्यतया  
गवं वतनं कुतपिमेव यायता

तय विवययमश्च नियक्षा नामासि ऊनददः दवितः

तत्त दुमी दयक्यामगनिवागयायासि नियक्षति ।

गत्त ददमायां दय्यो विवययददय्यागः ग्यावतदत्ताह वतता

गनुश्रुद-ददमां दयागः

यद्यग्याग्न ददश्च विविधानां ददमां दयाणा दूयत तद्वायि  
गनुश्रुद-ददमां दयाणा गद्यदवय मदती दूश्रुवतता विविक्षय  
यलदु गनुश्रुद-ददमां दयागः गवं ददं तय्यत-

गावयतज्ञातवतन गनुश्रुद-ददमां दयागः-

गगाधामः दविश्रुदमिति

वाय्याः वतनदमंल

दमनाःदमिदावित्या लति

दय्यगुलदमंल

विं दवहन दान्न

दुदवि ववनयसंल

गदगन्ना ददग्राम

दुश्चऊनानां विववगयसंल

गङ्गामालायवृत्तङ्ग

विदुयामादवयसंल

बादरां मृत्तावन्नानां

मङ्गानदङ्गनयामश्च वा तदः क्षति विववयितुम

गतिऊतग्र या गतिः

मममकश्चमदशश्चायन

निघ्नितं ममुबः काय

गादिकविवाशीदियत्तिसयसंल

मद्वयगादि निदाया

वदग्रामसति मयत्

ग्रामः ऊमातृतां क्षेप्ता

## मदातावतगदयाश्रायन

### कृतान्वितमताम्

### गुलाश्रयत्तिसिद्धम्

### तद्विज्ञातार्थितीयम्

गवमव गायत्रि विविधमत्तम् तत्तत्तः श्रुत्य गनुश्रुत्य-बन्धमां  
यन्माणा विदितम्

### मत्तम् श्रुत्यवतनम्

यथा य विविधमत्तानिमित्तवामत्तवन्तश्चातिमिषु यन्मागु मां  
ब्रह्मावतलाकयन्त्यः कृतायवमत्तम् कृतायव दद्यानीयम्  
दिये दियतमाः । यथा य दिव्यदवकृतालंकृताः यगा लव  
मागाः, मत्तमयामवमनाः मागवा लव नागवाः.  
ममत्तवावतानि वनानीव तवनानि, मुवमनादितः यगत्तया  
लव कृताः, श्रुत्यदव्यवद्वत्तमत्तमयन्ता दावाः लव  
विदितम्

गवं दवदव नलवय्य लव्यव्य दवद्व विविधवत्तित्तिव्यपानि दव्हां  
तद्वत्त यानि दवद्व यतीमि, दवद्वि गमावमावानि तद्वयानि  
मनीमि विमलमानमाति म मतिः

गदन मत्तम् [editorial.staff.videha@gmail.com](mailto:editorial.staff.videha@gmail.com) दव दवद्व





## ७. विद्वद् गुरुना गुरुत्वं गुरुयता

गुरुना

१

"विद्वद्गुरुः जीवितं मादित्यवत्-सम्यक्गुरुः सा बंगमंयवत्समी-  
बंगमंय-निद्वद्गुरुः यत्र विज्ञेयं त्रुदला"

शागामी दू द्या विज्ञयांके लल उत्तक मयाव गायल शाळम मं  
 "यमलता मित्र यम" शा "ज्ञर्वादिनु योधबी" रो दू नामक यमन  
 तला दिनक दुन् लाट्प दब दुन् विज्ञयांके विददक गलग-  
 गलग गंकेम बदता दुन् विज्ञयांके कांतिक धवल तयादती धाब  
 लू-यकांतित कबवाक विद्याव गंधि मुदा म नित्तव कबत ऊं  
 अनतम शालल मंथा तट्प ऊय संगीत वड द्याळलम द्याळल  
 कयल बयना उत्तक वती बदत ततक ऊष्टी लू दुन् विज्ञयांके  
 लू-यकांतित तऽ मुकता विदद मामम दू दब (या ७ तिथिकं)  
 लू-यकांतित दाल्लत गंधि।

विददम लू-यकांतित बयना मतक काँदीबाळट्प  
 ललक/संगदकन्ता लाकानिक लगम बदतीन्ना मयादकः विदद  
 लू-यकांतित बयनाक वव-शाकळव/ बीम-शाधिवित वव-  
 शाकळवक निमायक गंधिकब, रो मत शाकळवक अनुवाद शा  
 लियंतबरा शा तका वव-शाकळवक निमायक गंधिकब; शा रो  
 मत शाकळवक लू-यकांतित/ विंष्ट-यकांतितक गंधिकब बल्लित  
 बाँबा रो मत लल काना बाँयष्टी/ द्याबिन्नामिकक यावधान ने  
 वे, म बाँयष्टी/ द्याबिन्नामिकक लळवक बयनाकब/ संगदकन्ता  
 विददम ने ऊड्डा।

गतांश गायद ऊ उत्तक ऊष्टी दुमय "यमलता मित्र यम" शा  
 "ज्ञर्वादिनु योधबी" दुन् लाट्पक कऊ, बयना-संवादन, मंगबरा  
 शा गय बयनाक कययव मत यकाबक बयना (मंगबरा,

शांतायना, समांतायना, समीक्षा शांदि)  
editorial.staff.videha@gmail.com दब दशाड।

आयता: दमलता मिह दम दब विहयांक विददक एजम शंक  
मान अनवशब ए९९ या त्रबिदु योधनी दब विहयांक विददक  
एजम शंक मान उ नवशब ए९९ दं दताम दगता उ नवशब  
ए९९ द लगाति गागामी नव विहयांकदब नितय दगता शतांश  
बे लल मुयाव मादब शमीतित शिवा।

-गज्जु शादब, मयादक विदद [HTTP://VIDEHA.CO.IN/](http://videha.co.in/)  
ISSN 2229-547X VIDEHA

९

"विदद मानायाय" त्रंढला

विदद गयन जीवित बयनाकब दब विहयांक त्रंढलाक गयगत  
(१)शबिदु शादब, (९)उगदीत यदु शादब शनिल,  
(९)समतायन शादब, (७) बाऊनशुन लाल दाम, (७)बवीदु  
नाब शादब या (७) ददाब नाब योधनी विहयांक निकलन  
शिवा।

श्री मङ्गलम् ब्रह्मा मादिश्रुतम् यत्र "विद्वत् मानागाय" त्रुल्लला  
मङ्गलम् "मानागाय" शर्मितम् कथम् ऊ ब्रह्म शिव।

"विद्वत् मानागाय" त्रुल्लला विवर्तन निम्न यत्नम् शिवः

(१) लल्लुक् लल्लुक् डयवम् कना यत्नम् ब्रह्मनायकम् यत्र श्रुतम्  
मानागाय लिखितम् लल्लुक्  
editorial.staff.videha@gmail.com यत्र यथा सत्ते ब्रह्मा  
मानागाय लिखितम् शर्वत्र सामाग्यम् यत्नम् मास ब्रह्म।

(२) विद्वत् ब्रह्म ब्रह्मनायकम् यत्र ब्रह्म लल्लुक् नाम मानागाय  
लिखितम् तत्र यथानितम् कः शिवम् मावर्जितम् श्रुतम् कथम्।

"विद्वत् मानागाय" लिखितम् निम्नम्:

(१) मानागाय यत्नम् ब्रह्मनायकम् यत्नम् कथितम् दुष्टम् मादिश्रुतम्  
श्रुतम्, यत्र.वी.टी. या किञ्च श्रुतम् यत्नम् लिखितम् मानागाय/  
वायागायम् लल्लुक् मङ्गलम् या श्रुतम् यत्नम् ऊर्जम् कथम्  
ब्रह्मनायकम् ब्रह्म श्रुतम्-श्रुतम्-यत्नम् लिखितम् ब्रह्मा "विद्वत्  
मानागाय" यथा वल्ह कथम् दुष्टम् तत्र सन् ब्रह्म यथा वल्ह  
कथम् दुष्टम् यत्नम् यत्नम् त्रुल्ललम् शिव ऊतम् कना  
"श्रुतम्" वा "श्रुतम्" श्रुतम् ने त्रुल्ललम् ब्रह्मा या तत्नम्  
कथम् ब्रह्मा ऊ "श्रुतम्" वा "श्रुतम्" म त्रुल्ललम् ने त्रुल्ललम्  
ब्रह्म तत्नम् मङ्गलम् श्रुतम्/ श्रुतम् त्रुल्ललम् ब्रह्मा या यत्नम् त्रुल्ललम्  
म द्रुव यत्नम् ऊतम् शिव यथा मात या मात दुष्टम् त्रुल्ललम्

हिलाड़ीयब कश्चित् बदेत शब्द स शब्दब दृष्टान्तस्य "शार्दानंग  
सबीमनी" ने वबन माय "शार्दानंग मेव" स शब्दस द्वाकृत शब्द  
या शब्दब समायन "शार्दानंग सबीमनी"स ने वबन "द्वाल्लनल  
मेव या दृष्टायी"स द्वाकृत द्वाकृत शब्द या द्वाकृत मात या मात  
हिलाड़ी बदेत शब्द तादना "विदद मानागाय" मात या मात  
ये "द्वदा बयनाकब"यब कश्चित् बदेत या दना संश्रयता शब्द  
ऊर्द्धि कऽ द्वाकृत बयनाकबसं शयनायब कश्चित् कबवाक  
गुनगति ने बदेत।

(९) मानागाय लल "विदद दृष्टाय"स उदयलत्र सामगीक सद्यत  
सदित उदयाग कयल ऊ सदेया।

(९) विददस ल-यकतित बयना सतक कर्दीबाल्लस्य  
ललक/संगदकन्ता लाकनिक लगस बदेतन्ना सश्रावक 'विदद'  
ल-यकतिस यकतित बयनाक शिंटा-वव शब्दल्लवक/  
शब्दल्लवक गुनवाक या मूल या गुनदित शब्दल्लवक ल-  
यकतन/ शिंटा-यकतनक शब्दकब बल्लित शब्द ये ल-यकतिस  
दना ब०यशीक/ याबिर्त्तिसक यावधान ने द्वा।

(७) "विदद मानागाय"क द्वाँमटः बयनाकबक दबिषय  
(बयनाकबक ऊग, निवास-शान या कयल्लक तोषालिक-  
सांश्रितिक विवयना सदित) या बयनावली (समीझ सदित)।

आयताः "विद्वद् मानायाय" त्रुल्ला शम्भत (१) बाऊनम्भन लाल  
दास ऊँ दब मानायाय निमला दत्त (९) बवीम्भ नाब गादब  
दब मुनी दमत या (९) ददाब नाब जोधबी दब दम मादन  
मित्र झाबा लिदल ऊयता मोबिली दत्त ददीय दब "विद्वद्  
मानायाय" लिदलाद दमर्तदब या "दबन"।

द्वय ९ बाट्यादब निगय त्रीड दयल ऊयता।

आयता ९: आना तं मोबिली दत्त ददीय दब विद्वद् विज्ञयांक ने  
निदालन शब्द, मुदा दुनदब शबदान दं दल्लित दमर्तदब या  
"दबन"क दुनक डदब "विद्वद् मानायाय" लिदलाक विद्याब  
आयल तं आदबा शीकब दयल लाल।

९

विद्वत् बॉडक्या लिखा

विद्वत् WWW.VIDEHA.CO.IN मयश्री मयना लल मयन  
whatsapp नयब दमब whatsapp no +919560960721  
यब यगाड, याकब ययाग मात विद्वत् मयश्री मयाजाब दवाक  
लल दयाल ऊगता

-गजेश्वर गाकब, मयादक विद्वत्, whatsapp no  
+919560960721 HTTP://VIDEHA.CO.IN/ ISSN  
2229-547X VIDEHA



*Videha  
e-Learning*

*Gajendra Thakur*

